हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 11 अगस्त 2025

छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा समेत 9 राजनीतिक दलों की मान्यता खत्म, 6 बरस से नहीं लड़ा था चुनाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव व्यवस्था को दुरुस्त करने उन गैर-मान्यता प्राप्त दलों को आयोग की सूची से हटा दिया है, जो छह साल में एक बार भी चुनावी मैदान में नहीं उतरे। ऐसे दलों को नोटिस देने के बाद उनके जवाब आने पर बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने छत्तीसगढ़ की 9 पार्टियों की मान्यता का पंजीयन रद्द कर दिया है, उन्हें अपने फैसले को चुनौती देने या पक्ष रखने के लिए 30 दिन का समय दिया है।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1955 की धारा 29ए के प्रावधानों के अंतर्गत चुनाव आयोग के साथ पंजीकृत हैं। वर्तमान में चुनाव आयोग के साथ 6 राष्ट्रीय दल, 67 प्रादेशिक दल और 2854 पंजीकृत, गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (आरयूपीपी) पंजीकृत हैं। राजनीतिक दलों के पंजीकरण के लिए दिशा-निर्देशों में उल्लेख किया गया है कि यदि कोई दल लगातार 6 वर्ष तक चुनाव नहीं लड़ता है तो उसे पंजीकृत दलों की सूची से हटा दिया जाएगा। साथ ही लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29ए के अनुसार, दलों को पंजीकरण के समय नाम, पता, पदाधिकारी आदि जैसे विवरण देने होंगे और किसी भी तरह के बदलाव की जानकारी बिना किसी विलंब के आयोग को देनी होगी।

फैसले को चुनौती देने 30 दिन का समय

खास बातें

- चुनाव आयोग की देशभर में कार्यवाही
- पहले ही जारी हो चुके थे सभी को नोटिस
- सुनवाई के लिए मिलेगा समय

जून में दिया था सत्यापन का नोटिस

इससे पहले जून 2025 में भारत निर्वाचन आयोग ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को उपरोक्त शर्तों के अनुपालन के संबंध में सत्यापन जांच करने का निर्देश दिया था। मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने जांच की, इन आरयूपीपी को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किए और प्रत्येक पक्ष को व्यक्तिगत सुनवाई कर जवाब देने और अपना विषय प्रस्तुत करने का मौका दिया।

छत्तीसगढ़ में इन दलों की मान्यता खत्म

- छत्तीसगढ़ एकता पार्टी
- छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा
- छत्तीसगढ़ समाजवादी पार्टी
- छत्तीसगढ़ संयुक्त जातीय पार्टी
- छत्तीसगढ़ विकास पार्टी
- पृथक बस्तर राज्य पार्टी
- राष्ट्रीय आदिवासी बहुजन पार्टी
- राष्ट्रीय मानव एकता कांग्रेस पार्टी
- राष्ट्रीय समाजवादी स्वाभिमान मंच

खबर संक्षेप

संघ प्रमुख 13 से ओडिशा के दौरे पर

भुवनेश्वर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत 13 अगस्त से ओडिशा के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती से मुलाकात करेंगे और कटक में एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। भागवत 13 अगस्त की शाम भुवनेश्वर पहुंचेंगे।

ट्रेन की चपेट में आने से मां-बेटे की मौत

हाथरस। हाथरस जिले के गांव बस्तोई के निकट एक महिला और उसके बेटे की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। थाना क्षेत्र के इनायतपुर निवासी दुर्गपाल की पत्नी ओमवती देवी (55) पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से बीमार थीं और शनिवार रात वह अचानक घर से निकल गईं, जिन्हें पकड़ने के लिए उनका बेटा अनिल (32) उनके पीछे गया। वह रति का नगला रेलवे स्टेशन के नजदीक रेलवे ट्रैक पर पहुंच गई।

चाचा चौधरी अब साबू के साथ करेंगे गंगा की सफाई

नई दिल्ली। भारत के प्रिय कॉमिक नायक चाचा चौधरी फिर से लौट आए हैं। इस बार वह अपने साथी साबू के साथ गंगा नदी के पानी में गोता लगाकर उन खलनायकों से मुकाबला करेंगे जो नदी को दूषित कर रहे हैं। ये कहा जाता है कि चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से भी तेज काम करता है।

कुंए में उतरे तीन भाइयों की दम घुटने से मौत

बिजनौर। बिजनौर जिले के शिवाला कला थाना क्षेत्र में रविवार को कुंए में उतरे तीन भाइयों की दम घुटने से मौत हो गई। सरकथल में छत्रपाल (25) अपने सगे भाई कशिश (20) और चचेरे भाई हिमांशु (22) के साथ अपने कुंए में पंपिंग सेट का पट्टा चढ़ाने उतरा था। छत्रपाल पट्टा चढ़ाने नीचे उतरा तो कुंए में बनी जहरीली गैस से बेहोश हो गया और फिर एक-एक कर हिमांशु और कशिश उतरे तो वे दोनों भी बेहोश हो गए।

ट्रंप ने कहा था- भारत की अर्थव्यवस्था मरी हुई, मिला कड़ा जवाब

पीएम मोदी ने कहा- भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, जल्द तीसरे नंबर पर पहुंचेंगे

बेंगलुरु में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्तर पर बढ़ते प्रभाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत 10वें नंबर से छलांग लगाकर 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि जल्द ही हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। पीएम मोदी के इस दौरान अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप को सुना दिया। बता दें कि ट्रंप ने भारत की अर्थव्यवस्था को मरी हुई बताया था।

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह गति 'सुधार, प्रदर्शन एवं परिवर्तन' की भावना से हासिल की गई है। मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था विश्व स्तर पर 10वें स्थान से बढ़कर शीर्ष पांच में पहुंच गई है। तेजी से शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर अग्रसर है।

- भारत बना सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क वाला तीसरा देश

प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था पर निशाना साधे जाने के कुछ दिन बाद आई है। यहां बेंगलुरु मेट्रो चरण-3 परियोजना की आधारशिला रखने और तीन वंदे भारत एक्सप्रेस ⏭शेष पेज 6पर

यलो लाइन मेट्रो के उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने आरवी रोड (रागीगुड्डा) से इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो की सवारी भी की। प्रधानमंत्री का काफिला जब रेलवे स्टेशन की ओर बढ़ा, तो सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में एकत्र लोगों ने 'मोदी, मोदी' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। मोदी ने भी अपनी कार के अंदर से हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया।

टॉप-3 इकोनॉमी बनने की ओर

भारतीय तकनीक और डिफेंस सेक्टर में 'मेक इन इंडिया' की ताकत का जिक्र करने के साथ ही प्रधानमंत्री ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भी बड़ी बात कही। आज पूरी दुनिया में भारत सबसे तेजी के साथ आगे बढ़ती हुई इकोनॉमी है। बीते 11 साल में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिली है। 11 साल पहले हमारी इकोनॉमी दुनिया में 10वें नंबर पर थी, लेकिन अब हम पांचवे पायदान पर पहुंच चुके हैं।

भविष्य के लिए तैयार करना होगा बेंगलुरु जैसे शहर

प्रधानमंत्री ने कहा, 21वीं सदी में शहरी नियोजन और शहरी बुनियादी ढांचे की बहुत आवश्यकता है। हमें बेंगलुरु जैसे शहरों को भविष्य के लिए तैयार करना होगा। मोदी ने कहा कि बेंगलुरु ने हमेशा शहर के संस्थापक केम्पे गौड़ा की विरासत को बरकरार रखा है।

तीन 'वंदे भारत एक्सप्रेस' को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री ने रविवार को बेंगलुरु में तीन 'वंदे भारत एक्सप्रेस' रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाई। बहुप्रतीक्षित बेंगलुरु-बेलगावी 'वंदे भारत एक्सप्रेस' को मोदी ने स्वयं हरी झंडी दिखाई। श्री माता वैष्णो देवी कटरा-अमृतसर और अजनी (नागपुर)-पुणे वंदे भारत सेवाओं की शुरुआत डिजिटल माध्यम से की। ये ट्रेन क्षेत्रीय संपर्क में उल्लेखनीय रूप से इजाफा करेंगी, यात्रा समय को कम करेंगी और यात्रियों को 'विश्वस्तरीय' यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी। बेंगलुरु-बेलगावी वंदे भारत एक्सप्रेस कर्नाटक में संचालित होने वाली 11वीं वंदे भारत सेवा होगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इससे 611 किलोमीटर की दूरी मात्र 8.5 घंटे में तय की जा सकेगी। यह इन दोनों शहरों के बीच सबसे तेज गति की ट्रेन है, जिससे मौजूदा ट्रेन सेवाओं की तुलना में केएसआर बेंगलुरु से बेलगावी तक लगभग एक घंटे 20 मिनट और बेलगावी-केएसआर बेंगलुरु तक एक घंटे 40 मिनट की बचत होगी।

ट्रंप को कड़ा जवाब देने की तैयारी

टैरिफ वार पर भारत का पलटवार, 50% शुल्क संभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा भारतीय स्टील, एल्युमिनियम और उससे जुड़े उत्पादों पर 50% तक भारी आयात शुल्क लगाने के बाद भारत अब पलटवार की तैयारी में है। खबर के मुताबिक, सरकार चुनिंदा अमेरिकी उत्पादों पर उतने ही अनुपात में टैरिफ लगाने पर विचार कर रही है, जितना नुकसान भारतीय निर्यातकों को हुआ है। अगर यह कदम उठाया गया, तो यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी पर भारत का पहला औपचारिक जवाब होगा।

अरबों डॉलर का व्यापार दांव पर

भारत को अमेरिका हर साल 45 अरब डॉलर से अधिक का सामान बेचता है, जबकि भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात हालिया टैरिफ से पहले 86 अरब डॉलर तक था। टैरिफ युद्ध बढ़ने से व्यापार घाटा बदल सकता है और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों पर असर पड़ सकता है। फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने व्यापार को 500 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा था।

किन उत्पादों पर लग सकता है टैरिफ

सरकारी सूत्रों के अनुसार, जवाबी टैरिफ अमेरिकी वस्तुओं के एक सीमित सेट पर लगाया जाएगा। इन वस्तुओं का चयन इस तरह किया जाएगा कि टैरिफ से होने वाला राजस्व, अमेरिका के कदम से भारतीय निर्यातकों को हुए नुकसान के बराबर हो। अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका एक ओर द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बात कर रहा है, लेकिन दूसरी ओर भारतीय आर्थिक हितों के खिलाफ एकतरफा कदम उठा रहा है, जिसका जवाब देना भारत का अधिकार है।

ईडी की चार्जशीट में खुलासा

वाड्रा ने दो कंपनियों के जरिए अवैध तरीके से कमाए 58 करोड़ रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ गुरुग्राम के शिकोहपुर में कथित धोखाधड़ी वाले जमीन लेनदेन के सिलसिले में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया गया है। ईडी का दावा है कि इससे 58 करोड़ रुपए का अवैध लाभ हुआ, जिसे बाद में कई संपत्तियों में बदल दिया गया।

ईडी की चार्जशीट में कहा गया कि यह राशि दो माध्यमों से प्राप्त की गई। 5 करोड़ रुपए की पीओसी ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (बीबीटीपीएल) और 53 करोड़ रुपए स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से प्राप्त हुई। वाड्रा के सहयोगी सत्यानंद याजी और केवल सिंह विर्क, और उनसे जुड़ी कई कंपनियां, जिनमें मेसर्स स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स स्काई लाइट रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड, और मेसर्स ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड (अब एसजीवाई प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड) शामिल हैं, उनका भी मामले में नाम है।

ईडी ने दर्ज किया था मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

ईडी ने दिसंबर 2018 में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। एजेंसी के अनुसार, एसएलएचपीएल ने बिक्री विलेख के अनुसार ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से 3.5 एकड़ जमीन 7.5 करोड़ रुपये में खरीदी, जबकि वास्तविक सहमति 15 करोड़ रुपये थी। विलेख में उल्लिखित भुगतान – चेक द्वारा कभी भुनाया नहीं गया।

45 लाख रुपए की स्टाम्प ड्यूटी की चोरी

प्रवर्तन निदेशालय का दावा है कि इस गलतबयानी के कारण न केवल लगभग 45 लाख रुपए की स्टाम्प ड्यूटी की चोरी हुई, बल्कि यह एक तरह का लेनदेन भी था, जिसमें वाड्रा के कथित प्रभाव के बदले में उसी गांव में ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज के लिए वाणिज्यिक लाइसेंस हासिल करने के लिए बिना वास्तविक भुगतान के भूमि हस्तांतरित कर दी गई।

भारत में 37 दिन रहा था ग्राउंडेड

ब्रिटिश एफ-35बी की अब जापान में आपात लैंडिंग

नई दिल्ली। ब्रिटिश रॉयल नेवी के एक एफ-35बी फाइटर जेट को तकनीकी खराबी आने के बाद जापान के कागोशिमा एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। इस कारण कुछ निर्धारित उड़ानों में देरी हुई। ब्रिटिश रॉयल नेवी ने एक बयान में कहा, हमें पता चला है कि एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स से उड़ान भरने के बाद तकनीकी समस्या के ⏭शेष पेज6 पर

5 सप्ताह तक फंसा रहा था विमान

अमेरिका निर्मित ब्रिटिश एफ-35बी लड़ाकू विमान में खराबी आने का यह दूसरा हालिया मामला है। इससे पहले 14 जून को ब्रिटेन से ऑस्ट्रेलिया जा रहे एक एफ-35बी लड़ाकू विमान की भारत में लैंडिंग हुई थी।

जहां कभी होटल था, वहां अब सिर्फ मलबा

एजेंसी ⏭ उत्तरकाशी

धराली में मलबे के ढेर में लापता लोगों की तलाश के लिए बचाव एवं राहत अभियान युद्धस्तर पर जारी है। धराली में बादल फटने के बाद आई बाढ़ और मलबे ने पूरे इलाके को वीरान कर दिया। जहां पहले घर, बाजार और पर्यटक मौजूद थे, वहां अब सिर्फ मलबा है। महज 35 सेकंड में सैलाब ने सब तबाह कर दिया। कई घर बह गए और कुछ बचे हुए घर अब दलदल से घिरे हैं। ⏭शेष पेज 6पर

धराली में खुदाई के दौरान मिली 3 मंजिला इमारत, अभियान जारी

सर्च ऑपरेशन की चुनौतियां, मौसम और रेस्क्यू में रुकावट : उत्तरकाशी और आसपास के कई जिलों में बारिश का अलर्ट है। कई जगहों पर भूस्खलन से सड़कें बंद हैं। हवाई रेस्क्यू भी मौसम के कारण रुक गया है। देहरादून, सरसावा और चंडीगढ़ में एमआई-17 और चिनूक हेलिकॉप्टर स्टैंडबाय पर हैं। खराब मौसम के चलते हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर पा रहे, इसलिए जवान ट्रैक कर राहत सामग्री पहुंचा रहे हैं। दलदल और मलबे में फंसे संभावित शवों की तलाश जारी है। इसके लिए डॉग स्क्वाड, ड्रोन, हाइटेक कैमरे और ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार का इस्तेमाल हो रहा है। मलबा हटाने के लिए भारी मशीनें भी लगाई गई हैं।

सीजेआई गवई के आदेश पर आज से होगी शुरुआत

वरिष्ठ वकीलों के मामलों पर नहीं होगी तत्काल सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

किसी भी वरिष्ठ अधिवक्ता को सोमवार से प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अदालत के समक्ष तत्काल सूचीबद्ध करने और सुनवाई के लिए मामलों का उल्लेख करने की अनुमति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है, निर्देशानुसार, नामित वरिष्ठ अधिवक्ताओं को 11 अगस्त, 2025 से प्रधान न्यायाधीश की अदालत के समक्ष किसी भी मामले का उल्लेख करने की अनुमति नहीं है। छह अगस्त को प्रधान न्यायाधीश ने कहा था कि 11 अगस्त से किसी भी वरिष्ठ अधिवक्ता को उनकी अदालत में तत्काल सूचीबद्ध और सुनवाई के लिए मामलों का उल्लेख करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, ताकि कनिष्ठ अधिवक्ताओं को ऐसा करने का अवसर मिल सके। चौदह मई को शपथ लेने वाले प्रधान न्यायाधीश गवई ने वकीलों द्वारा मामलों को ⏭शेष पेज 6 पर

अब तक ऐसा होता रहा

आमतौर पर वकील दिन की कार्यवाही की शुरुआत में प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष अपने मामलों का उल्लेख करते हैं, ताकि मामलों को बारी से पहले सूचीबद्ध किया जा सके और तत्काल आधार पर सुनवाई की जा सके।

प्रधान न्यायाधीश ने दिए थे ऐसे निर्देश

प्रधान न्यायाधीश ने कहा था, सोमवार से किसी भी वरिष्ठ वकील, मेरा मतलब है कि नामित वरिष्ठ वकील को मामलों का उल्लेख करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कनिष्ठ वकीलों को ऐसा करने का अवसर दिया जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने कहा था, कम से कम मेरी अदालत में तो इसका पालन किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि उच्चतम न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों पर यह निर्भर करेगा कि इस प्रथा को अपनाया जाए या नहीं।

सीजेआई बोले लोगों के द्वार तक पहुंचना चाहिए न्याय

ईटानगर। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने रविवार को कहा कि न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका का अस्तित्व केवल लोगों की सेवा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि न्याय शीघ्रता से और न्यूनतम खर्च पर मिले। उन्होंने यहां गुवाहाटी उच्च न्यायालय की ईटानगर स्थायी पीठ के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करने के बाद कहा, मैं हमेशा से विकेंद्रीकरण का प्रबल समर्थक रहा हूं। न्याय लोगों के दरवाजे तक पहुंचना चाहिए।

खबर संक्षेप

पाक ड्रग कनेक्शन से जुड़े दो कुरियर ब्वॉय दबोचे गए

रायपुर। पाकिस्तान से ड्रग तस्करी रैकेट केस में पुलिस ने शनिवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। ड्रग केस में जिन दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, उन्हें मिलाकर पुलिस ने अब तक कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जिन दो लड़कों को गिरफ्तार किया है, वे दोनों कुरियर ब्वाय का काम करते थे। पूर्व में पकड़े गए ड्रग तस्करों से पूछताछ में पुलिस को कई चौंकाने वाली जानकारी मिली है। संवेदनशील मामला होने तथा जांच में केंद्रीय टीम के शामिल होने की वजह से पुलिस इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रही है। पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े ड्रग तस्करी मामले में कृष्णा नगर तथा विकास नगर में छापे की कार्रवाई करते हुए रविंद्र कुमार साहू तथा अभिषेक रजक को गिरफ्तार किया है।

दवाओं की कीमत में छूट बंद करने का सर्कुलर जारी

रायपुर। दवाओं की कीमत में भारी छूट दिए जाने का विज्ञापन करने वाले दवा कारोबारियों पर कार्रवाई हो सकती है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा इस मामले में सर्कुलर जारी किया गया है। चेतावनी दी गई है कि नियम का पालन नहीं करने वाले दवा दुकानदारों के खिलाफ लाइसेंस निलंबन अथवा रद्दीकरण की कार्रवाई भी हो सकती है। उपभोक्ताओं को आकर्षित करने विभिन्न कारोबारी दवा के दाम में भारी छूट संबंधी बोर्ड, फ्लैक्स, लीफ लेट आदि का वितरण करते हैं। फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 के नियम 12.1 और 12.2 तथा ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 के नियम 1945 और ड्रग एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट 1954 का उल्लंघन है। एमपी, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में प्रतिबंध लगाने आदेश जारी किया जा चुका है।

सीएसवीटीयू ने रोका 48 का रिजल्ट, हंगामे के बाद कुलपति बोले-दो दिन में जारी कर देंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

स्वामी विवेकानंद टेक्नीकल यूनिवर्सिटी भिलाई ने मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन सेकंड सेमेस्टर के 48 विद्यार्थियों का रिजल्ट रोक दिया है। ये सभी विद्यार्थी श्री शंकराचार्य इंस्ट्रीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल मैनेजमेंट एंड टैक्नोलॉजी रायपुर में अध्ययनरत हैं। हैरत की बात यह है कि जब विद्यार्थियों ने सीएसवीटीयू के वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट खोजा तो होल्ड करना दर्शा रहा है। किस वजह से इन विद्यार्थियों का रिजल्ट रोका गया है, इसका खुलासा न यूनिवर्सिटी परीक्षक कर रहा है और न ही कुलपति। अपने रिजल्ट को लेकर विद्यार्थी और उनके पालक खासे परेशान हैं। विद्यार्थियों ने बताया कि सीएसवीटीयू द्वारा रिजल्ट को होल्ड करने से वह थर्ड सेमेस्टर की पढ़ाई शुरू नहीं कर पा रहे हैं। वे फेल है या पास है यही पता नहीं चल पा रहा है। न ही कॉलेज प्रबंधन के पास कोई जानकारी है। ऐसी असमंजस की स्थिति में हमें मानिसक रूप से परेशान होना पड़ रहा है। माता-पिता भी परेशान हो रहे हैं।

टेक्नीकल फॉल्ट : एमबीए सेकंड सेमेस्टर के छात्र परेशान

दो दिन में जारी करेंगे

रिजल्ट किसलिए रोका गया है इसकी जानकारी परीक्षक नियंत्रक से सोमवार को लेंगे। विद्यार्थियों को कोई परेशानी नहीं होने देंगे। रिजल्ट दो दिन में जारी कर दिया जाएगा।
-डॉ. अंकित अरोरा
कुलपति सीएसवीटीयू

इन विद्यार्थियों का रिजल्ट है होल्ड

सीएसवीटीयू ने इन विद्यार्थियों का रिजल्ट होल्ड कर रखा है। इनमें हर्षित सिंह, कपिल बंजारे, काजल देवांगन, देवांशु देवांगन, अब्दुल रहीम, अलवीरा बानो, सुरुचि साहू, आरुषि दीमान, हर्षा पटेरिया, पूर्वी जोशी, हरजोत सिंह खनुजा, हर्षा भंडारकर, धीमी जूही,नीरज कुमार साहू, जतिन वर्मा, ओमप्रकाश यादव, राज बजाज, जान्हवी बजाज, मोहम्मद सादिक, बृजभूषण सिंह, अफताब रजा, साक्षी गिरी, ऋचा बिहानी, ऋषभ शुक्ला, शुभम त्रिपाठी, प्रशांति साहू, आर अंजलि, रोजम जैकब, सोम्य खान, आलोक लकड़ा,सत्यम वर्मा, वैभव लिखितकर,दीप्ति शर्मा, हर्षलता साहू, मालविका सिंह, अतिया फातिमा, पूजा डोंगरे, हर्षलता साहू, सुजाता सुन्दर , चंदन साहू, अभय शर्मा, झरना साहू, आस्था श्रीवास्तव, के दिव्यांश राव, अश्लेषा सार्वा, पल्लवी वर्मा, नीलम प्रधान, प्रियंका साहू शामिल हैं।

क्रेडा के 10 मेगावाट के 65 करोड़ के प्रस्ताव को किया गया वापस

सोलर सिटी के लिए 65 करोड़ का प्रस्ताव रद्द,नवा रायपुर में अब हर विभाग की बनेगी अलग योजना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देश में लगातार बढ़ती बिजली की मांग को देखते हुए अब केंद्र सरकार ने सोलर बिजली की तरफ रुख किया है। इसके लिए देश के कई राज्यों में भी काम हो रहा है। जहां एक तरफ केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना पर काम चल रहा है, वहीं राज्यों में बड़े-बड़े सरकारी और निजी सोलर प्लांट भी लगाने का काम हो रहा है। प्रदेश में राजनांदगांव में बड़ा सोलर प्लांट लगा है। इसी के साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में भी घरों की छतों पर बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। क्रेडा 20 हजार सोलर कृषि पंप भी लगाने वाला है। इसी के साथ जल जीवन मिशन योजना में भी 28 हजार सोलर पंप लगाए गए हैं।

प्रदेश में भी सोलर से बिजली का उत्पादन करने का काम अब तेजी से करने की तैयारी चल रही है। क्रेडा कई योजनाओं पर काम कर रहा है। नया रायपुर को सोलर सिटी भी बनाने की तैयारी है। इसके लिए क्रेडा ने 10 मेगावाट बिजली के उत्पादन का 65 करोड़ का प्रस्ताव प्रदेश सरकार के पास भेजा था, लेकिन इसको नामंजूर करके क्रेडा को हर विभाग के लिए अलग-अलग योजना बनाकर देने के लिए कहा गया है। अब क्रेडा एनआरडीए के भवनों के साथ लोक निर्माण विभाग और अन्य विभागों के भवनों के हिसाब से योजना बनाने में जुट गया है। इन योजना का प्रस्ताव भेजने के बाद इसकी मंजूरी मिलने पर काम प्रारंभ होगा। नया रायपुर के सभी सरकारी दफ्तर, मंत्रियों के बंगले, रेलवे स्टेशन भी इसमें शामिल हैं।

अब अलग-अलग योजना

नया रायपुर में एनआरडीए के अलावा जितने भी अन्य विभागों के साथ निजी संस्थान और भवन है, उनके लिए अलग-अलग योजना तैयार कर रहे हैं। योजना तैयार करने के बाद इसको मंजूरी के लिए प्रदेश सरकार के पास भेजा जाएगा।
-भूपेंद्र सवन्नी, अध्यक्ष क्रेडा

खपत के हिसाब से लगेंगे प्लांट

नया रायपुर में अभी पूरी बसाहट नहीं हुई है। लेकिन यहां पर मंत्रालय, सरकारी और कई निजी संस्थानों के साथ मुख्यमंत्री, मंत्रियों के बंगले भी हैं। क्रेडा ने पहले एक संयुक्त योजना तैयार की थी, जिसमें 10 मेगावाट बिजली का उत्पादन ग्रिड कनेक्टेड सौर ऊर्जा संयंत्रों से किया जाना है। इस योजना में नया रायपुर को सोलर सिटी बनाया जाएगा। लेकिन यह साझा प्रस्ताव को मंजूर नहीं किया गया है और क्रेडा को अलग-अलग प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए गए हैं। अब क्रेडा एनआरडीए के सभी भवन, लोक निर्माण विभागों के सभी शासकीय भवनों, सरकारी और निजी आवास, रेलवे स्टेशन, स्ट्रीट लाइट, पंप हाउस के लिए अलग-अलग योजना तैयार कर रहा है। इसके लिए अलग-अलग क्षमता के सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। शासकीय भवनों में वहां बिजली की जरूरत को देखते हुए उतनी क्षमता के प्लांट लगेंगे। इसी तरह से निजी और शासकीय आवासों में भी आवासों में बिजली की खपत के हिसाब से सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। रेलवे स्टेशन और जो भी संस्थान, स्थान योजना में शामिल होंगे, उनकी बिजली की खपत को देखते हुए प्लांट लगेंगे।

धर्मांतरण के आरोप पर कुकुरबेड़ा में दो पक्ष भिड़े, हुआ जमकर हंगामा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

धर्मांतरण के मामलों को लेकर प्रदेश समेत राजधानी में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। हर सप्ताह रविवार को राजधानी के किसी न किसी इलाके में प्रार्थना सभा तथा धर्मांतरण को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। रविवार को सरस्वती नगर थाना क्षेत्र के कुकुरबेड़ा में एक मकान में हो रही प्रार्थना सभा में धर्मांतरण कराने का आरोप लगाते हुए हिंदू संगठन से जुड़े लोगों ने जमकर बवाल किया। हंगामे को देखते हुए मौके पर दो एडिशनल एसपी दौलतराम पोर्ते, कीर्तन राठौर, चार सीएसपी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा। बढ़ते विवाद के बीच पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया, तब कहीं जाकर मामला शांत हुआ।

हिंदू संगठन से जुड़े लोगों ने आरोप लगाया कि समाज विशेष द्वारा लोगों को पैसे का प्रलोभन देकर प्रार्थना सभा में बुलाया जाता है और उनका ब्रेनवॉश कर धर्म परिवर्तन कराते हैं। रविवार को कुकुरबेड़ा के एक मकान में प्रार्थना सभा में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की जानकारी मिलने के बाद बजरंग दल समेत कई हिंदू संगठनों से जुड़े लोग मौके पर पहुंचे और हंगामा करने लगे। हंगामा होते देख प्रार्थना सभा में शामिल होने आए लोग कूदकर भागने लगे। इसी बीच पुलिस ने जिन तीन लोगों को हिरासत में लिया है। उनकी कुछ लोगों ने पिटाई कर दी। मौके पर उपस्थित पुलिस ने उन तीनों को जैसे-तैसे भीड़ से अलग किया और थाने लेकर पहुंची।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन)

जनजातीय विकास का नया युग

₹375.71 करोड़ स्वीकृत
100 पुल + अन्य निर्माण कार्य

9 मंत्रालय
11 प्रमुख विकास गतिविधियां
18 जिले
1442 गाँव
2,306 बसाहटें
56,669 परिवार

4 छात्रावास व आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य पूर्ण
बड़ी संख्या में मोबाइल टॉवरों की स्थापना
7 वन धन विकास केंद्र संचालित
8 बहुउद्देशीय केंद्रों का निर्माण कार्य पूर्ण

बचे 26 गांवों तक भी पहुंचेगी विकास की रोशनी

10,553 पक्के आवास पूर्ण
500 किमी सड़कें पूर्ण
44,101 आधार कार्ड जारी
1,04,743 आयुष्मान कार्ड बने
36,521 जनधन खाते खुले
46,024 जाति प्रमाण पत्र जारी
22,351 किसान सम्मान निधि पंजीकरण
30,559 राशन कार्ड वितरित
4,727 मातृत्व योजना लाभार्थी
10,125 किसान क्रेडिट कार्ड जारी
228 गांवों में पाइप से जलापूर्ति

विद्युतीकरण
7144 परिवार (ऑन ग्रिड)
729 परिवार (ऑफ ग्रिड)

मोबाइल मेडिकल यूनिट
57 यूनिट से 317 गांव लाभान्वित

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे

* यह आंकड़े माह जुलाई तक के हैं कार्य निरंतर जारी है

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

बिलासपुर
सोमवार, 11 अगस्त 2025
भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वितीया
वर्ष : 25, अंक : 141
पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 4.00***

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 34.3
न्यून. 26.6

7 रोहित-विराट के संन्यास की ...

विचार पेज
2 राजनीति की नर्सरी को बाड़ ही खा गई

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

सेना प्रमुख द्विवेदी बोले- जल्द हो सकता है अगला युद्ध, तैयार और सतर्क रहना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारतीय थल सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर के बीच यह बड़ी चेतावनी दी है। जनरल द्विवेदी आईआईटी मद्रास में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में कहा कि अगला युद्ध, जिसकी हम कल्पना कर रहे हैं, वह जल्द ही हो सकता है। हमें उसके अनुसार तैयारी करनी होगी और इस बार हमें मिलकर यह लड़ाई लड़नी होगी।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' किसी भी पारंपरिक मिशन से अलग था और यह शतरंज की बाजी जैसा था क्योंकि 'हमें नहीं पता था' कि दुश्मन की अगली चाल क्या होगी। उन्होंने कहा कि 'टेस्ट मैच' चौथे दिन ही रुक गया लेकिन देखा जाए तो यह लंबा संघर्ष हो सकता था।

उन्होंने 'नैरेटिव मैनेजमेंट' (विमर्श गढ़ने, किसी विषय पर लोगों की धारणा बनाने) के महत्व पर भी जोर दिया। सेना प्रमुख ने कहा कि असली जीत दिमाग में होती है। उन्होंने कहा, अगर आप किसी पाकिस्तानी से पूछें कि 'आप हारे या जीते, तो वह कहेगा कि ⏭शेष पेज 6 पर

जनरल ने बताया, पहली बार कैसे हुई थी 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्लानिंग

किसी भी पारंपरिक मिशन से अलग था 'ऑपरेशन सिंदूर'

शतरंज से ऑपरेशन सिंदूर की तुलना

सेना प्रमुख ने कहा कि जहां तक 'ऑपरेशन सिंदूर' का सवाल है, भारतीय थल सेना 'शतरंज खेल रही थीं' और इस शह और मात के खेल में, कुछ दिख रहा था तो कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। उन्होंने कहा, अगर कुछ दिखाई नहीं दे रहा था, तो हो सकता है कि दूसरे देश दुश्मन की मदद कर रहे हों... यह टेस्ट मैच चौथे दिन रुक गया, यह 14 दिन, 140 दिन, 1400 दिन भी जारी रह सकता था। हमें नहीं पता, लेकिन हमें इन सब के लिए तैयार रहना होगा।

बल-संयोजन के घटकों पर जोर

जनरल द्विवेदी ने अपने संबोधन में सेना के बल-संयोजन के घटकों पर भी जोर दिया - बल की कल्पना, बल का संरक्षण और बल का प्रयोग। जनरल ऑफिसर ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' एक 'संपूर्ण राष्ट्र का दृष्टिकोण' था और सेना को यह तय करने की 'खुली छूट' दी गई थी कि क्या करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह का आत्मविश्वास, राजनीतिक स्पष्टता, राजनीतिक दिशा, हमने पहली बार देखी। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधों की कोई शर्त न होने से सेना का मनोबल बढ़ता है। इस तरह इसने जमीनी स्तर पर सेना के कमांडरों को 'अपने विवेक के अनुसार कार्य करने' में मदद की।

ऐसे बनी रणनीति

'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में और जानकारी देते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि 25 अप्रैल को, 'हमने उत्तरी कमान का दौरा किया, जहां हमने सोचा, योजना बनाई, उसकी संकल्पना की और नौ में से सात ठिकानों पर अपनी योजना को अंजाम दिया, जिन्हें नष्ट कर दिया गया और कई आतंकवादी मारे गए। आतंकी ठिकानों पर सटीक हमलों के बारे में उन्होंने कहा कि 'हमने जहां हमला किया वह व्यापक और गहरा था। पहली बार हमने आतंकवादियों के वास्तविक ठिकानों पर हमला किया, तो निश्चित रूप से हमारे निशाने पर 'नर्सरी' और उसके मालिक थे'। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था और पाकिस्तान को भी उम्मीद नहीं थी कि हमला होगा। यही बात उनके लिए 'सदमे' की तरह आई। जनरल द्विवेदी ने कहा, लेकिन, क्या हम इसके लिए तैयार थे। हां, हम इसके लिए तैयार थे, जो भी झटका आता उसे झेलने के लिए तैयार थे।

हमने जो पहला संदेश दिया, वह था 'न्याय हुआ'

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान किस तरह से धारणाओं को गढ़ने की लड़ाई लड़ी गई, इस पर उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान की रणनीति का अपने तरीके से मुकाबला किया - जनता तक संदेश पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों का इस्तेमाल किया। इस तरह, आप जनता को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह घरेलू जनता, विरोधी जनता और तटस्थ जनता है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि रणनीतिक संदेश बहुत महत्वपूर्ण था और इसीलिए हमने जो पहला संदेश दिया, वह था 'न्याय हुआ'। उन्होंने कहा कि यह संदेश सर्वाधिक लोगों तक पहुंचा। मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी समूहों से जुड़े कई ठिकानों पर सटीक हमले किए। इस अभियान का उद्देश्य पहलगाम हमले के बाद आतंकी ढांचे को नष्ट करना और प्रमुख आतंकवादियों को मार गिराना था।

खबर संक्षेप

पीएम सांसदों के लिए फ्लैटों का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को बाबा खड़क सिंह मार्ग पर सांसदों के लिए नवनिर्मित टाइप-सात के 184 बहुमंजिला फ्लैटों का उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री आवासीय परिसर में सिंदूर का पौधा लगाएंगे। वह इस मौके पर श्रमजीवियों से बातचीत करेंगे और उपस्थित लोगों को संबोधित भी करेंगे।

हाईकोर्ट में की पुलिसकर्मी की पैरवी

आईजी ने किया था बर्खास्त, उनकी ही बेटी ने वापस दिलाई वर्दी

बरेली। उत्तर प्रदेश में व्यक्तिगत रिश्तों पर पेशेवर ईमानदारी का एक अद्भुत उदाहरण देखने को मिला, जब 2023 में बरेली रेंज के तत्कालीन महानिरीक्षक (आईजी) राकेश सिंह (अब सेवानिवृत्त) द्वारा बर्खास्त किए गए एक पुलिस कांस्टेबल को आईजी की ही बेटी की पैरवी पर

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बहाल करने का फैसला सुनाया। कांस्टेबल (आरक्षी) तौफीक अहमद को 13 जनवरी 2023 को एक महिला यात्री से छेड़छाड़ और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) थाने में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज अपराधों के आरोपों पर विभागीय कार्रवाई के बाद बर्खास्त कर दिया गया था, जिसके लिए उन्हें जेल भी हुई थी। सिंह ने आरोपों की गंभीरता का हवाला देते हुए अहमद को सेवा से हटाने का 'सख्त लेकिन कर्तव्यनिष्ठ' फैसला लिया था। अहमद ने बर्खास्तगी को उच्च न्यायालय में चुनौती दी ⏭शेष पेज 6 पर

बर्खास्तगी आदेश रद्द

न्यायमूर्ति अजीत कुमार ने सहमति जताते हुए जांच रिपोर्ट और बर्खास्तगी आदेश को रद्द कर दिया और अहमद को बहाल करने का निर्देश दिया, साथ ही तीन महीने के भीतर नए सिरे से जांच पूरी करने का निर्देश दिया। अनुरा ने रविवार को कहा, मैंने एक वकील के रूप में काम किया और मेरे पिता ने एक सरकारी प्रतिनिधि के रूप में काम किया, लेकिन उच्च न्यायालय व्यक्तिगत रिश्तों से ऊपर है।

भाजपा नेता चाहते थे कि मैं शरणागत हो जाऊं, पर मैं हेमंत बिस्वा नहीं : बघेल

बिलासपुर। विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा नेता मुझसे भी उम्मीद कर रहे थे कि मैं भाजपा के सामने शरणागत हो जाऊं, लेकिन मैं हेमंत बिश्वा शर्मा नहीं हूं। उन्होंने प्रदेश सरकार, चुनाव आयोग और केंद्र पर तीखी टिप्पणी की। पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में आदिवासियों के अधिकारों का खुला हनन हो रहा है। नक्सली बताकर उन्हें जेल भेजा जा रहा है, फर्जी एनकाउंटर हो रहे हैं। पिछले 20 महीनों में 35-40 हजार आदिवासी प्रदेश छोड़ने को मजबूर हुए हैं। चुनाव आयोग पर पर हमला बोलते हुए बघेल ने कहा कि आंकड़े और तथ्य के साथ राहुल गांधी ने जो खुलासा किया है उसने लोगों का भरोसा हिला दिया। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस कांकेर में सिर्फ़ 1800 वोट से, राजनांदगांव में 4400 ⏭शेष पेज 6 पर

■ पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र पर की तीखी टिप्पणी

नेहरू आज भी प्रासंगिक

नेहरू पर हमले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि नेहरू आज भी प्रासंगिक हैं, तभी भाजपा-आरएसएस के नेता उन्हें कोसकर अपनी राजनीति साध रहे हैं। समस्या आए तो नेहरू का नाम लेकर छिप जाते हैं।

साझा उम्मीदवार उतारने के लिए विपक्ष ने कसी कमर

■ साथी दलों से संपर्क करने में जुटे खड़गे

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' उपराष्ट्रपति पद के लिए संयुक्त उम्मीदवार उतारेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे संभावित नामों पर चर्चा करने तथा इस पर आम सहमति बनाने के लिए विपक्षी दलों से संपर्क कर रहे हैं। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। खड़गे ने कहा कि विपक्षी गठबंधन में यह प्रबल भावना है कि विपक्षी दलों को परिणाम की परवाह किए बिना एक मजबूत राजनीतिक संदेश भेजने के लिए मुकाबले से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार चुनने पर कोई चर्चा नहीं हुई है, लेकिन संभावित उम्मीदवारों के नामों पर विचार-विमर्श के लिए बातचीत चल रही है और खरगे आम सहमति बनाने के लिए विपक्षी दलों से संपर्क कर रहे हैं। सभी दलों में इस बात पर आम सहमति है कि 'इंडिया' उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एक संयुक्त ⏭शेष पेज 6 पर

चुनाव प्रक्रिया शुरू

निर्वाचन आयोग ने नौ सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए पिछले गुरुवार को अधिसूचना जारी की, जिससे धनखड़ के उत्तराधिकारी के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई। चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी, राज्यसभा महासचिव पी सी मोदी को तीन नामांकन पत्र प्राप्त हुए, जिन्हें क्रमानुसार न होने के कारण अस्वीकार कर दिया गया। अधिसूचना के अनुसार, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है और दस्तावेजों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 25 अगस्त है।

चिंतन

बदले माहौल में आर्थिक सुधार में तेजी लाए भारत

भारत को आर्थिक सुधार के अगले चरण में तेजी से प्रवेश करना चाहिए। बदले वैश्विक माहौल में जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में आयात करने वाले देशों में मनमाना टैरिफ आयद कर रहे हैं, जिसमें भारत पर 50 से 100 फीसदी अनुचित टैरिफ की तलवार लटक रही है, वहां भारत अपनी आर्थिकी में बदलाव करके ही विपरीत व्यापार परिस्थिति का सामना कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेंगलुरु में ट्रंप के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकॉनोमी कहकर तंज का जवाब यह कह कर दिया है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और वह दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है, यह गति 'सुधार, प्रदर्शन एवं परिवर्तन' की भावना से हासिल की गई है। आज, मेट्रो रेल नेटवर्क 24 शहरों में 1,000 किलोमीटर से अधिक तक फैला हुआ है, जिससे भारत विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन गया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत विश्व में सबसे अधिक जीडीपी दर से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है, लेकिन करीब साढ़े छह से सात फीसदी जीडीपी दर भारत के टॉप थ्री अर्थव्यवस्था से लेकर विकसित भारत बनने के लिए काफी नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने अनेक चुनौतियां भी हैं। फौरी तौर पर तो अमेरिकी टैरिफ से निपटने की है, जिसमें भारत को अपने निर्यात के लिए नए वैश्विक बाजार तलाशने होंगे। अमेरिकी दबाव को दरकिनार करते हुए रूस के साथ अपने ट्रेड व सामरिक संबंध मजबूत करने होंगे। चीन के साथ रिश्ते सामान्य करने होंगे। भारत पाकिस्तान के साथ संबंधों को सामान्य कर चीन को आसानी से साध सकता है। ब्राजील जैसे अवसर का लाभ उठाना होगा। यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता को जल्द अंतिम रूप देना होगा। यूरोप के साथ ट्रेड बढ़ाने होंगे। ब्रिक्स, आसियान, मध्य पूर्व, अफ्रीकी संघ जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग अपने ट्रेड को विस्तार देने के लिए करना होगा। विश्व में ट्रंप के टैरिफ वार के चलते जो स्थिति उत्पन्न हुई है, उसमें भारत के लिए नए ट्रेड व सामरिक अवसर की गूंज है। चूंकि भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत घरेलू खपत है, इसलिए इसे बढ़ाने पर जोर देना चाहिए। इसके लिए सार्वजनिक निवेश के साथ निजी निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है। निजी क्षेत्र व विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए भूमि व श्रम सुधार में तेजी लाने की आवश्यकता है। भारत डिजिटल क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है, लेकिन अभी वह कंज्यूमर ज्यादा है, सेवा प्रदाता कम है। इस क्षेत्र में इस स्थिति को बदलने की जरूरत है। इसके लिए सरकार को बड़ा निवेश करना चाहिए, केवल हाईवे से बात नहीं बनेगी, ईवे व डिजिटेकवे भी बनाने की जरूरत है। भारत की ताकत कृषि व संबंधित क्षेत्र भी है, इसलिए इन पर ध्यान देने की जरूरत है। ब्राजील, यूरोप, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत अपने कृषि क्षेत्र में नवाचार व नए शोध को बढ़ावा दे सकता है। भारत के लिए आर्थिक क्षेत्र में केवल विनिर्माण पर ही केंद्रित रहने की आवश्यकता नहीं है, भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत सेवा क्षेत्र व सॉफ्टवेयर है। इसलिए भारत को अपनी ताकत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना चाहिए। मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल जैसे आइडियाज अच्छे हैं, आर्थिक राष्ट्रवाद के लिए ये जरूरी हैं, लेकिन अपनी प्राथमिकताएं तय करने के साथ आर्थिक सुधार में तेजी लाए बिना भारत अपने आर्थिक लक्ष्य हासिल नहीं कर सकेगा। सामरिक व आर्थिक ताकत बनने के लिए भारत को जमीनी धरातल पर तेजी से काम करना होगा।

राजनीति की नर्सरी को बाड़ ही खा गई

विचार

डॉ. संजय शुक्ला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के जलसे में लाल किले के प्राचीर से देश के एक लाख नौजवानों को राजनीति में आगे लाने की मंशा जाहिर किया था। मोदी ने कहा था कि देश के लोकतंत्र को परिवारवाद और जातिवाद से मुक्ति दिलाने के लिए जरूरी है कि राजनीति में ऐसे युवाओं को आगे बढ़ाया जाए जिनका कोई राजनीतिक बैकग्राउंड न हो और न ही उनके अभिभावक या कोई रिश्तेदार राजनीति में हों। उन्होंने कहा था कि युवा किसी भी राजनीतिक विचारधारा या पार्टी का अनुसरण कर सकते हैं। बहरहाल अब एक साल पूरे होने को हैं लेकिन किसी भी राजनीतिक दल ने इस दिशा में ईमानदार कोशिश नहीं किया। गौरतलब है कि छात्रसंघ चुनाव और छात्र राजनीति को 'राजनीति की नर्सरी' कहा जाता है, जहां से नेतृत्व की नयी पौध मिलती है। बीते दो दशकों से ज्यादा देश के अनेक राज्यों के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्रसंघ पर बंदिश लगी हुई है। सियासत में हमेशा पक्ष और विपक्ष के बीच तलवारें खींची रहती है लेकिन छात्रसंघ चुनाव को प्रतिबंधित करने के फैसले पर सभी राजनीतिक दलों की सरकारें एकजुट हैं।

अस्सी के दशक तक कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज के कैंपस में छात्रसंघ चुनावों के शोर और छात्र राजनीति की सरगर्मी रहती थी। इसके बाद अमूमन सभी सत्तारूढ़ सियासी दलों ने छात्र राजनीति पर शिकंजा कसने के लिहाज से छात्रसंघ चुनावों पर बंदिश लगाना शुरू कर दिया। इन चुनावों पर बंदिश लगाने के पीछे राजनेताओं, सरकार, विश्वविद्यालय प्रशासन और शिक्षाविदों की दलील यह कि इन चुनावों में हिंसा होती है जिससे कैंपस का अनुशासन बिगड़ता है।तर्क यह भी कि यूनिवर्सिटी और कॉलेज पढ़ाई के लिए हैं न कि राजनीति के लिए। बहरहाल छात्रों के सबसे बड़े पंचायत के चुनावों पर बंदिश के बाद इन संस्थानों में सियासी दलों के छात्र और युवा इकाई दाखिल होने लगे। आलम यह है कि सदस्यता अभियान के नाम पर विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में राजनीतिक दलों के छात्र और युवा इकाईयों के बीच हिंसात्मक झड़पों की खबरें आम है। दूसरी ओर छात्रसंघ चुनावों के दौरान कैंपस में हिंसा होने और शिक्षा संस्थानों को राजनीति से मुक्त रखने की दलील देकर छात्रों के प्रजातांत्रिक अधिकारों का हनन करने वाले लोग राजनीतिक दलों के छात्र इकाईयों द्वारा शिक्षा परिसरों में चलाए जा रहे राजनीतिक गतिविधियों पर चुप्पी साधे हुए हैं।

गौरतलब है कि शिक्षण संस्थानों में दलीय राजनीति के दखल का परिणाम यह हो रहा है कि पार्टियों से जुड़े छात्र संगठन अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं फलस्वरूप आम छात्रों से जुड़े शिक्षा, रोजगार और अन्य बुनियादी मुद्दों पर न तो कोई सवाल उठा रहा है और न ही बहस को आगे बढ़ाया जा रहा है। अहम तथ्य यह भी कि शिक्षण संस्थानों के राजनीतिकरण का दरवाजा भी छात्रसंघ चुनावों पर बंदिश के बाद ही खुला है। शिक्षण संस्थानों में दलीय राजनीति के घुसपैठ के चलते ही आरक्षण, धार्मिक और जातिगत मुद्दों पर छात्रों के बीच खूनी संघर्ष भी हुआ है जिससे कैंपस में अनुशासन बिगड़ा है। शिक्षा परिसरों में जारी ऐसी गतिविधियों का असर वहां के अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों पर पड़ रहा है। बिलाशक छात्रसंघ चुनावों में हिंसा का इतिहास रहा है लेकिन क्या देश के पंचायत से लेकर विधानसभा और लोकसभा के चुनावों में हिंसा नहीं होती? क्या इन चुनावों के दौरान कानून और व्यवस्था नहीं बिगड़ती? फिर अकेले छात्रसंघ चुनाव पर ही तोहमत क्यों? विचारणीय सवाल यह भी कि जब अट्ठारह साल का युवा अपना जनप्रतिनिधि चुन सकता है तो खुद का परिषद के चुनाव से उसे क्यों रोका जा रहा है? छात्र राजनीति का गला घोंटने का ही दुष्परिणाम है कि आज देश की राजनीति में व्यक्तिवाद , परिवारवाद, धनबल और बाहुबल का दखल लगातार बढ़ते जा रहा है।

बहरहाल छात्र राजनीति के अतीत के पन्ने पलटें तो कई निर्वाचित छात्रसंघों ने छात्रहित में निर्णायक आंदोलन किया था मसला छात्रों के फीस से जुड़ा हो अथवा स्थानीय युवाओं के रोजगार का रहा हो। अलबत्ता छात्र राजनीति के आड़ में देश में कुछ ऐसी अवांछित गतिविधियां भी हुई है जिसने शिक्षण संस्थानों की गरिमा को तार - तार किया है। वामपंथ गढ़ माने जाने वाले दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी ' जेएनयू ' में स्टूडेंट्स यूनियन के अध्यक्ष के अगुवाई में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर जहां आतंकियों के समर्थन में राष्ट्रविरोधी नारे लगे हैं। संसद हमले के दोषी आतंकियों को फांसी दिए जाने पर इसी कैंपस में छात्रों ने छाती पीटे हैं वहीं दूसरी ओर नक्सलियों के हाथों सुरक्षाबलों के मारे जाने पर जश्न मनाया गया है। देश के अनेक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के परिसर में छात्रसंघ या छात्र संगठनों द्वारा बीफ और पोर्क पार्टी आयोजित करने की कोशिशें हुईं हैं। वैचारिक और धार्मिक असहिष्णुता की परिकाष्ठा यह कि छात्रों ने अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान स्वामी विवेकानंद और ईश्वरचंद्र विद्यासागर के मूर्तियों को भी नहीं बक्शा और इसे तोड़ डाला अथवा इस पर कालिख से आपत्तिजनक नारे लिख डाले।

बिलाशक इन गतिविधियों से शिक्षा परिसरों में अनुशासन बिगड़ा है वहीं छात्र राजनीति भी शर्मसार हुआ है। अलबत्ता अपवाद हर क्षेत्र में है लिहाजा केवल कुछ घटनाओं के कारण समूचे छात्र राजनीति को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता। चूंकि आज के छात्र ही देश का भविष्य हैं लिहाजा छात्र नेताओं को समझना होगा कि देश के संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार असीमित नहीं है इसलिए उन्हें इस अधिकार में निहित कर्तव्यों और जवाबदेही पर सचेत होने की जरूरत है।

देश में छात्र राजनीति का स्वर्णिम इतिहास रहा है, साल 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान छात्र राजनीति का योगदान अपने चरम पर था जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। स्वातंत्र्योत्तर भारत में भी छात्र राजनीति ने अधिनायकवाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुए अनेक जन आंदोलन को ताकत दी जिसने सत्ता की चूलें हिला दी।आजादी के आंदोलन से तैयार नेताओं की पीढ़ियों ने देश के सियासत और सरकार में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने में अपना पूरा जीवन खपा दिया। समाजवादी विचारक जयप्रकाश नारायण और डॉ.राममनोहर लोहिया की प्रेरणा से छात्र नेताओं की एक नयी पीढ़ी तैयार हुई। विडंबना है कि इस पीढ़ी ने आगे चलकर राजनीति की "ककहरा" सीखाने वाले इस पाठशाला को बंद करने में कोई कसर नहीं छोड़ा। विचारणीय है कि छात्र राजनीति के कोख से ही राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर के अनेक नेताओं का जन्म हुआ जिन्होंने देश और प्रदेश की राजनीति को नयी दिशा दी लेकिन आज यह परंपरा खत्म होने के कगार पर है। इतिहास पर गौर करें तो छात्र राजनीति के कोख से ही वीपी सिंह, चंद्रशेखर सरीखे प्रधानमंत्री और अर्जुन सिंह, सुरजीत सिंह बरनाला, नारायण दत्त तिवारी, लालू प्रसाद यादव, शरद यादव, नीतीश कुमार, अशोक गहलोत, सलमान खुर्शीद, अरुण जेटली, सुषमा स्वराज, रविशंकर प्रसाद, प्रफुल्ल महन्त, प्रकाश करात, सीताराम येचुरी जैसे अनेक धाकड़ राष्ट्रीय नेताओं का जन्म हुआ। छत्तीसगढ़ की राजनीति में भी रविन्द्र चौबे, बृजमोहन अग्रवाल, प्रेमप्रकाश पांडेय, मो. अकबर, देवजी भाई पटेल, सुनील सोनी, अजय चंद्राकर जैसे बहुतेरे राजनेता छात्र राजनीति की ही देन हैं।

गौरतलब है कि भारत युवाओं की आबादी के लिहाज से दुनिया का सबसे युवा देश है लेकिन देश के संसद और विधानसभाओं में इस तबके की हिस्सेदारी बहुत ही सीमित है।अमूमन सभी राजनीतिक दल और राजनेता युवाओं से राजनीति में शामिल होने की बात बड़े जोर-शोर से करते हैं लेकिन चुनावी टिकट बांटते समय उनकी कथनी और करनी में अंतर पर्याप्त झलकता है। विडंबना है कि जिन लोगों के हाथों इस 'नर्सरी' के देखभाल की जवाबदेही है उन्होंने इसे बंजर करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा है। चूंकि देश में लोकतंत्र है और 18 साल आयु में मताधिकार प्राप्त है लिहाजा छात्र किसी न किसी राजनीतिक विचारधारा के अनुयाई तो होंगे ही लेकिन उनके क्रियाकलापों से शिक्षण संस्थानों की मर्यादा पर आंच न आए यह भी ध्यान में रखना होगा।आखिरकार शिक्षा के मंदिरों का उद्देश्य देश को ऐसा नागरिक भी देना है जो संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता और जातिगत समानता के उद्देश्य पर खरा उतरे। बेशक छात्र राजनीति ही ऐसा औजार है है जो लोकतंत्र को परिवारवाद, धनबल और बाहुबल के राजनीति से मुक्त कर सकता है। लिहाजा सभी राजनीतिक दलों और सरकारों से अपेक्षा है कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में एक बार फिर से छात्रसंघ चुनाव शुरू करने की दिशा में राजनीतिक इच्छाशक्ति प्रदर्शित करें ताकि देश को युवाओं को ऐसा नेतृत्व मिले जो 'विकसित भारत - 2047' के लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम साबित होंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

विश्लेषण

मुनीष भाटिया

ट्रंप टैरिफ गेम : व्यापार नहीं, दबाव की रणनीति!

भारत और अमेरिका दुनिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियाँ हैं। दोनों देशों के बीच दशकों से राजनीतिक, सैन्य और रणनीतिक साझेदारी मजबूत होती रही है। लेकिन व्यापार के क्षेत्र में यह संबंध हमेशा सरल नहीं रहा। अमेरिका की टैरिफ नीति, विशेष रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में, इन रिश्तों में तनाव लाने वाली रही है। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत के कुछ उत्पादों पर 50% तक टैरिफ बढ़ाना इस तनाव को फिर से सतह पर ले आया है। डोनाल्ड ट्रम्प जब राष्ट्रपति बने, तो उन्होंने 'अमेरिका फर्स्ट' नीति को आगे बढ़ाया। इसका सीधा असर वैश्विक व्यापार पर पड़ा। ट्रम्प का मानना था कि अमेरिका का व्यापार घाटा बढ़ रहा है, क्योंकि अन्य देश अमेरिकी उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाकर अपने उद्योगों को फायदा पहुंचा रहे हैं। उन्होंने चीन, यूरोप, कनाडा और भारत जैसे देशों पर आयात शुल्क बढ़ाए। भारत के मामले में ट्रम्प ने विशेष रूप से शिकायत की थी कि भारतीय टैरिफ अमेरिका के लिए "अस्वीकार्य" हैं। 2025 में अमेरिका ने एक बार फिर भारत से आयात किए जाने वाले कुछ प्रमुख उत्पादों पर टैरिफ 50% तक बढ़ा दिया है। यह निर्णय ऐसे समय आया है जब भारत रूस से बड़ी मात्रा में सस्ता कच्चा तेल खरीद रहा है, वह भी तब, जब अमेरिका और यूरोप रूस पर कड़े प्रतिबंध लागू कर रहे हैं। अमेरिका को यह रुख पसंद नहीं आया है। उसे लगता है कि भारत, एक ओर उसका रणनीतिक साझेदार है, लेकिन दूसरी ओर रूस जैसे विरोधी देश से तेल खरीदकर उसकी नीतियों को कमजोर कर रहा है। यह टैरिफ बढ़ोतरी कहीं न कहीं एक अप्रत्यक्ष दबाव की रणनीति के रूप में देखी जा रही है। यह सवाल भी उठ रहा है कि अमेरिका भारत पर तो टैरिफ बढ़ा रहा है, लेकिन चीन जैसे देश, जिससे अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापार घाटा है, उस पर वैसी सख्ती क्यों नहीं कर रहा? ब्रिक्स समूह के अन्य सदस्य जैसे ब्राज़ील ने अमेरिका की इस नीति पर कड़ा विरोध जताया है और जवाबी टैरिफ भी लगाए हैं। भारत ने अब तक संयम बरता है। उसने न प्रतिक्रिया में टैरिफ बढ़ाए हैं, न ही कोई कड़ा बयान दिया है। भारत की विदेश नीति संवाद और संतुलन पर आधारित है, टकराव पर नहीं। भारत जानता है कि ट्रेड वॉर किसी के लिए भी फायदेमंद नहीं होता। अगर भारत भी जवाबी टैरिफ लगाए, तो अमेरिका में भारतीय उत्पादों की मांग घट सकती है, जिससे निर्यात और रोज़गार प्रभावित होगा। अब भारत के सामने दोहरी चुनौती है, एक तरफ घरेलू उद्योगों को संरक्षण देना और दूसरी तरफ अमेरिका जैसे बड़े बाजारों में अपनी हिस्सेदारी बनाए रखना। 50% टैरिफ बढ़ने से भारत के टेक्सटाइल, कृषि, इंजीनियरिंग और चमड़ा उद्योग सबसे ज़्यादा प्रभावित हो सकते हैं। इसका हल यही है कि भारत अपने उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाए। कम लागत, बेहतर डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी का उपयोग कर, भारत को अपने उत्पाद ऐसे बनाने होंगे जो किसी भी टैरिफ के बावजूद विश्व बाज़ार में टिक सकें। भारत को अमेरिका को यह स्पष्ट रूप से समझाना होगा कि उसकी टैरिफ नीति अमेरिका को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि अपने छोटे व्यवसायों और किसानों की रक्षा के लिए है। रूस से तेल खरीद पर विवाद के बावजूद, अमेरिका और भारत के बीच ऊर्जा सहयोग बढ़ सकता है। भारत अमेरिका से एलएनजी और कच्चा तेल भी आयात करता है, जो एक संतुलन बना सकता है। इसके अलावा, भारत अमेरिका से हथियार, फाइटर जेट्स, ड्रोन, और रडार सिस्टम जैसे रक्षा उपकरण भी खरीदता है। अगर दोनों देश ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाते हैं, तो टैरिफ जैसे मुद्दे एक सीमित दायरे में रह सकते हैं। भारत की विदेश नीति की खूबी यह है कि वह न अमेरिका से टकराव करती है, न चीन के दबाव में झुकती है। वह अपने हितों को संतुलित रखते हुए वैश्विक मंच पर जिम्मेदारी से व्यवहार करता है। रूस से तेल खरीद इसी नीति का उदाहरण है। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सर्वोपरि मानता है, लेकिन साथ ही अमेरिका और पश्चिम के साथ रणनीतिक रिश्ते भी बनाए रखता है। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ बढ़ाना निश्चित रूप से चिंता का विषय है। लेकिन भारत को इसका जवाब जल्दबाज़ी या टकराव में नहीं देना चाहिए। संतुलन, समझदारी और कूटनीतिक संवाद ही ऐसे समय में सबसे असरदार हथियार हैं। भारत को अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ानी होगी, घरेलू उद्योगों को मजबूत करना होगा, और वैश्विक बाजारों के लिए अपने निर्यात को तैयार करना होगा। यदि दोनों देश मिलकर आगे बढ़ते हैं, तो इससे न सिर्फ उनके संबंध और मजबूत होंगे, बल्कि यह पूरी दुनिया को स्थिरता, सहयोग और साझा समृद्धि का संदेश भी देंगे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आत्मसंयमी होना श्रेष्ठ व्यक्ति का प्रथम लक्षण

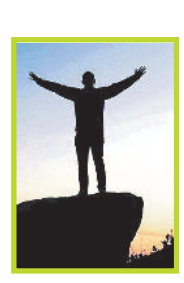

संकलित

दर्शन

आत्मसंयम मनुष्य की ऐसी आंतरिक क्षमता है, जिसके आधार पर मनुष्य अपना समग्र विकास करने में सक्षम होता है। बुरी आदतों पर नियंत्रण आत्मसंयम की शक्ति से ही संभव है। असल में यही खराब आदतें हमारी प्रगति की राह में अवरोध बनती हैं। यदि दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मसंयम में सही ताल मिल जाए तो असंभव से लक्ष्य को भी सरलता से प्राप्त किया जा सकता है। संयम एक ऐसा बीज मंत्र या आवरण है, जो हर स्थिति में कारगर होता है। इस संसार में जितने भी महापुरुष हुए हैं, उनका जीवन यही संदेश देता है कि उनके उत्कर्ष में आत्मसंयम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आत्मसंयमी होना श्रेष्ठ व्यक्ति का प्रथम लक्षण है। जिन लोगों में आत्मसंयम होता है उनका स्वास्थ्य, रिश्ते, आर्थिक स्थिति और करियर अन्य लोगों की अपेक्षा बेहतर होता है। ऐसे लोग जीवन से अधिक संतुष्ट रहते हैं। उन्हें जीवन अधिक सार्थक लगता है। आत्मसंयम का जीवन रचनात्मकता से ओतप्रोत होता है। यह सद्गुण काम, क्रोध, लोभ, मोह और भय को दूर करने के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व को गहराई एवं गंभीरता प्रदान कर उसके जीवन को सुखप्रद बनाता है। आत्मसंयम का महामंत्र आत्मसात कर हम असीमित इच्छाओं के अश्व की लगाम अपने हाथ में रख सकते हैं। थोड़ा गहराई में जाएं तो संयमी की यात्र कंकर से शंकर बनने की है। हमें अपने जीवन में आत्मसंयम की आवश्यकता इसलिए भी पड़ती है, ताकि हम पथ से भटके बिना अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल हो सकें।

तुलसीदास जी द्वारा श्रीराम के दर्शन का उपाय

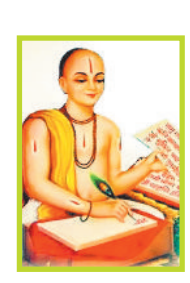

संकलित

प्रेरणा

एक ब्राह्मण दिनभर गोस्वामी जी के कुटिया के बाहर बैठकर लोभवश राम-राम रटता। संध्या के समय श्रीहनुमान जी उसे धन दे देते थे। एक बार उसने भगवान के दर्शन के लिए बड़ा हठ किया। गोस्वामी जी ने कहाः उसके लिए प्रेम और भाव चाहिए, संत की कृपा चाहिए। ऐसे ही एकदम भगवान नहीं मिलते। उसने कहा- आप समर्थ महापुरुष है, आप भगवान के दर्शन करवा सकते है। वह हठ पर अड़ गया। गोस्वामी जी ने कहाः ठीक है यहां सामने इस पेड़ पर चढ़ जाओ, पेड़ के नीचे त्रिशूल गाढ़ दो और उस त्रिशूल पर कूद पडो। भगवान के दर्शन हो जायेंगे। वह त्रिशूल गाडकर वृक्षपर चढ़ा, परंतु कूदने की हिम्मत नहीं हुई। एक घुडसवार उधर से जा रहा था, उसने पूछाः पेड़ पर क्या कर रहे हो? ब्राह्मण बोलाः तुलसीदास जी ने कहा है पेड़ पर से त्रिशूल पर कूदो तुम्हे भगवान श्रीराम के दर्शन होंगे। उस व्यक्ति ने कहाः क्या सच में यह बात तुलसीदास जी के श्रीमुख से निकली है? ब्राह्मण बोलाः जी हां ! वह व्यक्ति तुरंत पेड़ पर चढ़कर त्रिशूलपर कूद पड़ा। उसे भगवान ने आकर हाथ से पकड़ लिया और उसे श्रीराम के दर्शन प्राप्त हो गए। हनुमान जी ने उसे तत्त्वज्ञान का उपदेश भी दिया। गोस्वामी जी ने सत्य ही कहा था, जिनमें प्रेम-भाव हो एवं संत की कृपा हो वही भगवान के दर्शन पाता है।

तिरंगा यात्रा

स्वतंत्रता दिवस से पहले रांची में रविवार को तिरंगा यात्रा में भाग लेतीं युवतियां।

आज की पाती

प्राकृतिक आपदा का जिम्मेदार कौन

आजकल बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। प्राकृतिक आपदा के लिए मुख्य रूप से मानव को ही जिम्मेदार माना जा सकता है। दिन प्रतिदिन वाहनों द्वारा बढ़ता प्रदूषण पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। दूसरी तरफ वनों की अंधाधुंध कटाई भी इसका मुख्य कारण है। वन मुख्य रूप से बाढ़ का बचाव करते हैं और हानिकारक गैसों को भी अवशोषित करते हैं, जिससे वातावरण में संतुलन बना रहता है। अब समय आ गया है कि लोग अपने निर्माण कार्यों को सोच समझ कर करें। शहरीकरण के कारण नदी नाले सिकुड़ने की कगार पर आ पहुंचे है। प्रकृति से छेड़खानी हमारे लिए घातक होती जा रही है। आज लोगों को जागरूक होने की जरूरत है कि वे अपने निर्माण कार्य कैसे और कहां कर रहे हैं।

– प्रतीक वर्मा, महासमुंद

ट्रेंड

स्वदेशी के लिए जन जागरण

हम स्वदेशी के लिए जन जागरण का आंदोलन चलाएं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संकल्प लें कि स्वदेशी अपनाएंगे। स्कूल में विद्यार्थी और खेत में किसान स्वदेशी का संकल्प ले। गणेश उत्सव मनाएं तो स्वदेशी के संकल्प के साथ। दुर्गा मैया का पंडाल सजाएं तो स्वदेशी के संकल्प के साथ।

- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

एंटी ड्रोन सिस्टम

पंजाब में ज्यादातर नशा पाकिस्तान से ड्रोन के ज़रिए आता है। अब अगर कोई भी ड्रोन सरहद पार से आएगा तो हमारा एंटी ड्रोन सिस्टम उसे पकड़कर वहीं गिरा देगा। ये सिस्टम पंजाब में नशे को घुसने नहीं देगा।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

जयंती पर श्रद्धांजलि

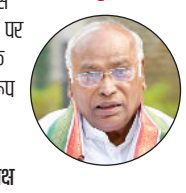

भारत के पूर्व राष्ट्रपति और भारत रत्न से सम्मानित वी.वी. गिरि को उनकी जयंती पर हमारी श्रद्धांजलि। उन्होंने तीन राज्यों के राज्यपाल और मद्रास के श्रम मंत्री के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने 'गिरि दृष्टिकोण' की शुरुआत की।

- मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

आर्थिक आज़ादी

प्रधानमंत्री मोदी की डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर प्रतिक्रिया आज़ादी की घोषणा से कम नहीं है। भारत की आर्थिक आज़ादी। हर नेता अपने देश के लिए सबसे अच्छा करता है। ठीक वैसे ही जैसे राष्ट्रपति ट्रम्प अमेरिका के लिए कर रहे हैं।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

नेपाल 100 चोटियों पर चढ़ाई के लिए नहीं लेगा कोई शुल्क

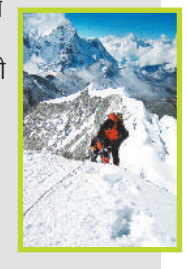

नेपाल पर्वतीय पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने सुदूर पश्चिमी क्षेत्र की लगभग 100 चोटियों पर चढ़ाई के लिए शुल्क नहीं लेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हिमालयी राष्ट्र ऐसे क्षेत्रों में पर्वतारोहियों को आकर्षित करना चाहता है, जहां सैलानी कम जाते हैं। इसके मद्देनजर सरकार ने अगले दो वर्षों के लिए करनाली और सुदूरपश्चिम प्रांतों की 97 चोटियों के लिए रॉयल्टी (शुल्क) माफ कर दी है। इन चोटियों की ऊंचाई 5,870 मीटर से लेकर 7,132 मीटर तक की है और सरकार के कदम से सीमित आर्थिक गतिविधि वाले क्षेत्रों में पर्यटकों को आकर्षित होने की उम्मीद है। पर्यटन विभाग के निदेशक हिमाल गौतम ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, इसका उद्देश्य दूरदराज के इलाकों में ज्यादा पर्यटकों को लाना, रोज़गार पैदा करना और स्थानीय समुदायों के लिए आय उत्पन्न करना है। उन्होंने कहा कि इस पहल से नेपाल के ऐसे पर्वतीय स्थलों को बढ़ावा देने में भी मदद मिलेगी जहां पर्वतारोही कम जाते हैं। सरकार ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि माउंट एवरेस्ट को फतह करने का प्रयास करने वाले पर्वतारोहियों के लिए पहले कम से कम 7,000 मीटर ऊंची एक चोटी पर चढ़ना अनिवार्य कर दिया जाए। यह प्रस्ताव पर्यटन अधिनियम में संशोधन का हिस्सा है।

ऑफ बीट

भविष्य के आहार में आयरन जैसे तत्वों की कमी होगी

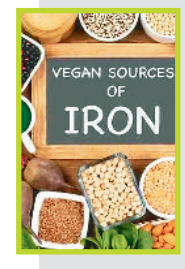

आयरन की कमी दुनिया भर में पोषक तत्वों की कमी के सबसे आम रूपों में से एक है। जैसे-जैसे लोग वनस्पति आधारित आहार अपनाने पर विचार करेंगे, आयरन की कमी का खतरा बढ़ने की संभावना होगी। इससे पता चलता है कि अगर खाद्य उत्पादन और आपूर्ति के 'वैश्विक पैटर्न' नहीं बदले, तो 2040 तक आहार में आयरन की कमी हो सकती है। इसका मतलब है कि हमें अपने आहार में आयरन की कमी को दूर करना होगा। ब्रेड और अनाज जैसे सामान्य खाद्य पदार्थ सहित विभिन्न खाद्य पदार्थ में पहले से ही अतिरिक्त पोषक तत्व हैं। वनस्पति आधारित खाद्य पदार्थों में अक्सर उच्च मात्रा में फाइबर और फाइटेट होते हैं, जो शरीर की आयरन को अवशोषित करने की क्षमता को कम कर देते हैं। साबुत अनाज, नट, बीज, फलियां और पत्तेदार साग जैसे वनस्पति आधारित खाद्य पदार्थों में आयरन भरपूर होता है और पशु-स्रोत वाले खाद्य पदार्थों में मौजूद आयरन की तुलना में कम आसानी से अवशोषित होता है। मिश्रित आहार यानी सब्जियां, अनाज और पशु-स्रोत वाले खाद्य पदार्थ जैसे कुछ मछलियों, लाल मांस या मुर्गे का सेवन आयरन अवशोषण की सुविधा प्रदान करता है।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोनः 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेलः haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइटः www.haribhoomi.com

10- AUG- K&C- MAIN- Pg- 5 RAJDHANI_Layout 1 8/10/2025 11:58 PM Page 1

खबर संक्षेप

एनएसयूआई के भरोसे विरोध-प्रदर्शन, अंततः रायपुर युवा कांग्रेस कमेटी भंग

रायपुर। यूथ कांग्रेस में बड़ी कार्रवाई करते हुए रायपुर जिले की पूरी कार्यकारिणी को ही भंग कर दिया गया है। प्रदेश महासचिव व जिला प्रभारी आदिल आलम तथा शहर जिलाध्यक्ष विनोद कश्यप ने आदेश जारी कर रायपुर शहर जिला युवा कांग्रेस की पूरी कमेटी एवं विधानसभा इकाई को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार निष्क्रियता के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। कुछ दिनों पूर्व यूथ कांग्रेस के आधिकारिक व्हॉट्सऐप ग्रुप को भी डिलीट कर दिया गया था। कई तरह की चर्चाएं शुरू होने के बीच उस वक्त ही स्पष्ट कर दिया गया था कि संगठन में नए सिरे से नियुक्ति की तैयारियां हैं। अब इस दिशा में कदम उठाते हुए रायपुर जिले की कमेटी को भंग कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार, अगस्त माह के अंत तक नई नियुक्तियां होने की संभावना है। रायपुर के साथ ही अन्य जिलों में भी नए सदस्यों को जोड़े जाने के साथ पुराने निष्क्रिय पदाधिकारियों को अलविदा करने की तैयारी की जा रही है। राजधानी होने के बाद भी यूथ कांग्रेस के कार्यक्रम, धरना-प्रदर्शन में आशानुरूप भीड़ नहीं जुट पाती है। अधिकतर विरोध-प्रदर्शन में आधे से अधिक कार्यकर्ता एनएसयूआई के ही होते हैं। सूचना दिए जाने के बाद भी कार्यकर्ता और पदाधिकारी कार्यक्रमों में शामिल नहीं होते हैं। अब यूथ कांग्रेस में अनुशासन बनाने की कोशिश की जा रही है। मीडिया विभाग अध्यक्ष तुषार गुहा ने बताया, लंबे समय से संगठन के कार्यक्रमों में पदाधिकारियों व विधानसभा इकाई की भागीदारी नहीं हो रही थी। लगातार निष्क्रियता और पार्टी के कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखने के कारण यह निर्णय लिया गया। आने वाले समय में संगठन में केवल सक्रिय, कर्मठ और निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी।

जुलाई में 450 मिमी मूसलाधार, अगस्त में सिर्फ छींटे, अब तक 44 मिमी बारिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जुलाई महीने में 450 मिमी. बारिश के जरिए प्रदेश को लबालब करने वाले मानसून के प्रभाव से अगस्त के बीते दस दिनों में केवल 44 मिमी. छींटे ही पड़े हैं। पिछले दस दिनों से यहां मानसून ब्रेक जैसी स्थिति बनी हुई है और पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं गिरने की वजह से बेमेतरा, कोंडागांव के बाद कांकेर, सुकमा और सरगुजा भी औसत से अल्पवर्षा की श्रेणी में शामिल हो चुका है। अगस्त के महीने में अक्सर दूसरे पखवाड़े में इस तरह मानसून ब्रेक की स्थिति बनती है, मगर इस बार ये हालात शुरुआती दिनों में ही बन गए हैं।

अलग खबर

दस दिन से ब्रेक जैसी स्थिति बनी हुई, पांच जिलों में औसत वर्षा का संकट

पखवाड़ेभर दिक्कत नहीं

कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक, अभी कृषि कार्य के पर्याप्त पानी है। पखवाड़ेभर तक बरसात नहीं होगी, तभी दिक्कत के आसार हैं। अगर हल्के से मध्यम वेग से पानी बरसता रहेगा तो समस्या नहीं होगी। जुलाई में भारी वर्षा के कारण कई इलाकों में बियासी, निंदाई के कार्य में देर हो गई। वहीं कुछ इलाके ऐसे भी हैं, जहां खेती-किसानी के लिए नहर में पानी छोड़ने की मांग भी उठने लगी है।

- अक्सर दूसरे पखवाड़े में होने वाला ब्रेक, इस बार महीने के शुरुआत में ही
- कोंडागांव के बाद कांकेर, सुकमा और सरगुजा भी अल्पवर्षा की श्रेणी में शामिल

रायपुर में महज 28 मिमी. वर्षा

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, रायपुर जिले में 1 से 10 अगस्त के बीच केवल 28 मिमी. बारिश हुई है। जुलाई में यहां दस साल की मासिक वर्षा का रिकार्ड ब्रेक हुआ था और आंकड़ा 430 मिमी. से अधिक हो गया था। यहां जून के महीने में बादल केवल 119 मिमी. तक बरसे थे। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि दो दिन बाद राज्य में बारिश के प्रभाव में वृद्धि होने की संभावना है।

जून में अल्पवर्षा से रही चिंता

जून के महीने में सक्रिय हुए दक्षिण-पश्चिम मानसून की कम सक्रियता के कारण 30 जून तक प्रदेश में महज 151 मिमी. बारिश हुई थी। इस दौरान पूरा प्रदेश अल्पवर्षा के संकट से ग्रसित था। जुलाई आते ही बादलों की मेहरबानी हुई और समय-समय पर इतना पानी गिरा कि कई जिलों में मासिक वर्षा का रिकार्ड ब्रेक हो गया था। अंतिम दिन आते तक पूरे प्रदेश में बादल 450 मिमी. तक बरस चुके थे। पर्याप्त मात्रा में पानी मिलने के बाद खेती-किसानी के काम ने भी जोर पकड़ लिया था। इस दौरान मौसम विशेषज्ञों द्वारा अगस्त के महीने में भी औसत से अधिक बारिश का अनुमान लगाया गया था। अगस्त के शुरू होते ही अचानक मानसून ने बेरूखी दिखाना शुरू कर दिया और राज्य में व्यापक वर्षा का इंतजार करते हुए दस दिन बीत गए। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त के बीते दस दिनों में छत्तीसगढ़ में केवल 44 मिमी. बारिश हुई, जिसकी वजह से औसत वर्षा में 12 प्रतिशत की कमी आ गई है। अभी की स्थिति में औसत वर्षा से बेमेतरा 47 फीसदी, कांकेर 20, कोंडागांव 29, सुकमा 28 और सरगुजा 25 फीसदी के संकट में आ चुका है।

एनआरआई की रिक्त सीटों पर स्थानीय अभ्यर्थियों को मिलेगी प्राथमिकता

दूसरे राउंड के बाद खाली बची स्टेट कोटे की सीटें निजी कॉलेजों को होंगी वापस

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

एमबीबीएस-बीडीएस के एडमिशन में द्वितीय चरण की काउंसिलिंग के बाद स्टेट कोटे की खाली सीट निजी कॉलेज (प्रबंधन कोटे) को वापस कर दी जाएगी। साथ ही चार निजी मेडिकल कॉलेजों की एनआरआई कोटे की सीट रिक्त रहने पर उसका आवंटन राज्य के स्थानीय अभ्यर्थियों को किया जाएगा। निजी मेडिकल कॉलेजों में राज्य कोटे की 235 सीटें हैं।

मेडिकल और डेंटल कॉलेज की यूजी काउंसिलिंग की प्रक्रिया में सोमवार को संस्था चयन का अंतिम दिन है। इसके बाद प्रावीण्य सूची का प्रकाशन एवं सीट आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रवेश नियम के अनुसार चिकित्सा शिक्षा विभाग निजी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में स्टेट कोटे के साथ प्रबंधन एवं एनआरआई कोटे की एडमिशन की प्रक्रिया पूरी कराएगा। राज्य के चार निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 235 सीटें राज्य कोटे की हैं। इसके अलावा दंत चिकित्सा के 6 निजी महाविद्यालयों में 300 सीटें राज्य नियतांश की हैं। दो राउंड की काउंसिलिंग पूरी होने के बाद भी अगर राज्य कोटे से निजी कॉलेजों को अभ्यर्थी नहीं मिलते हैं तो उक्त सीटों को प्रबंधन नियतांश में तब्दील कर दिया जाएगा। इसके बाद काउंसिलिंग का मॉपअप और स्ट्रे वैकेंसी राउंड में एडमिशन उसी कोटे से पूरा होगा। नियम में किए गए संशोधन के बाद इस दो राउंड के प्रवेश के बाद भी अगर अप्रवासी भारतीय कोटे की सीटें खाली रह जाती हैं तो उसमें एडमिशन का लाभ स्थानीय अभ्यर्थियों का मिलेगा। हालांकि जानकार सूत्रों का दावा है कि करोड़ रुपए से ज्यादा फीस वाली इस कोटे की सीट कभी खाली नहीं रहती है।

राज्य शासन द्वारा शासकीय कॉलेजों के एमबीबीएस छात्रों को बांड सेवा में बड़ी राहत प्रदान की गई है। नए बैच यानी 2025-26 के शासकीय मेडिकल कॉलेज छात्र जब अपनी पढ़ाई पूरी करेंगे तो उन्हें दो के बजाय एक साल बांड सेवा पूरी करनी होगी। बांड का यह नियम निजी कॉलेज के छात्रों, बीडीएस और फिजियोथेरेपी पर लागू नहीं है। प्रवेश नियम के अनुसार सामान्य वर्ग को 25 लाख और आरक्षित श्रेणी के छात्रों को 20 लाख रुपए बांड राशि देय होगी।

2023 में विज्ञापन, 2024 में चयन सूची, अब 2025 में दस्तावेज परीक्षण

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

जिले के स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में संविदा शिक्षकों के रिक्त 73 पदों पर दो साल बाद भर्ती होगी। इन पदों के लिए विज्ञापन 2023 में जारी हुए थे। इसके बाद अन्य प्रक्रियाएं प्रारंभ हुईं। इसके पश्चात विधानसभा चुनाव व नगरीय निकाय चुनाव सहित कई कारणों से भर्तियां नहीं हो सकीं। अब विज्ञापन जारी होने और मेरिट लिस्ट निकाले जाने के लगभग दो साल बाद उन अभ्यर्थियों को दस्तावेज परीक्षण के लिए बुलाया जाएगा, जिनके नाम मेरिट लिस्ट में आए थे। जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा इस संदर्भ में अधिसूचना जारी कर दी गई है। दस्तावेज परीक्षण के लिए अभ्यर्थियों को 11 व 12 अगस्त को बुलाया गया है।

शहीद स्मारक शासकीय विद्यालय में इन दस्तावेजों का सत्यापन होगा। संविदा भर्ती के नियमों के मुताबिक, अभ्यर्थियों को केवल एक ही पद के लिए आवेदन की पात्रता थी। एक से अधिक पदों पर दस्तावेज सत्यापन में नाम होने पर आवेदक केवल एक ही पद के लिए दस्तावेज सत्यापन के लिए पात्र माने जाएंगे। आज सुबह 10.30 बजे से दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। पूर्व में विज्ञापित पदों में 2 वर्ष पश्चात भर्तियां की जा रही हैं। ऐसे में कुछ विषयों में व्याख्याताओं के पद विलोपित हुए हैं तो कुछ में नए पद जोड़े गए हैं। भौतिक शास्त्र के व्याख्याताओं के 5 पदों में वृद्धि की गई है। सरोना व लालपुर के स्कूल में गणित तथा अभनपुर विद्यालय में अंग्रेजी व्याख्याता के एक-एक पद विलोपित हुए हैं।

सवा दो सौ करोड़ की फर्जी बिलिंग मामले में रिकार्ड समय में कोर्ट में चालान पेश

रायपुर। अपने कर्मचारियों के नाम से बोगस फर्म बनाकर 223 करोड़ रुपए के फर्जी बिलिंग करने के आरोपी लोहा कारोबारी अमन अग्रवाल के खिलाफ स्टेट जीएसटी के अफसरों ने रिकार्ड समय में कोर्ट में चालान पेश किया है।

कारोबारी के ठिकानों पर स्टेट जीएसटी ने 10 जून को छापे की कार्रवाई की थी। बताया जा रहा है, स्टेट जीएसटी की यह पहली ऐसी कार्रवाई है, जिसमें दोषी कारोबारी के खिलाफ कोर्ट में रिकार्ड समय में चालान पेश किया गया है। स्टेट जीएसटी ने कारोबारी के खिलाफ सीजेएम गिरीश मंडावी की कोर्ट में 2137 पेज का चालान पेश किया है। शासन के निर्देश पर स्टेट जीएसटी टैक्स चोरी करने वाले कारोबारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। टैक्स चोरी करने वालों की जानकारी निकालने स्टेट जीएसटी अत्याधुनिक डिजिटल टूल्स, ई-वे बिल पोर्टल के साथ आईपी एड्रेस एनॉलिसिस का उपयोग कर घोटाले की जानकारी हासिल कर कार्रवाई रही है।

सीबीएसई ने इस वजह से लिया फैसला

अब 10वीं और 12वीं की आंसरशीट का होगा डिजिटल मूल्यांकन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का डिजिटल मूल्यांकन करने का निर्णय लिया है। बोर्ड जल्द ही इसके लिए एक या अधिक एजेंसियों का चयन करेगा। यह निर्णय सीबीएसई के शासी निकाय (गवर्निंग बॉडी) की बैठक में लिया गया। गवर्निंग बॉडी की बैठक में सदस्यों ने सुझाव दिया कि बोर्ड के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में कुछ विषयों में पायलट परियोजनाएं पूरी होने के बाद ही सभी विषयों में 'ऑन-स्क्रीन' मूल्यांकन लागू किया जाए।

सीबीएसई पहले भी ऐसा कर चुका है

बता दें कि सीबीएसई इससे पहले भी आंसर-शीट्स के मूल्यांकन के समय को कम करने और मूल्यांकन में अधिक सटीकता लाने के उद्देश्य से सीबीएसई ने साल 2014 में अपने कुछ क्षेत्रीय कार्यालयों के अंतर्गत 10वीं की बोर्ड परीक्षा और उसके अगले साल यानी 2015 में दिल्ली में 12वीं की बोर्ड परीक्षा के कुछ विषयों के लिए डिजिटल मूल्यांकन को लागू किया गया था।

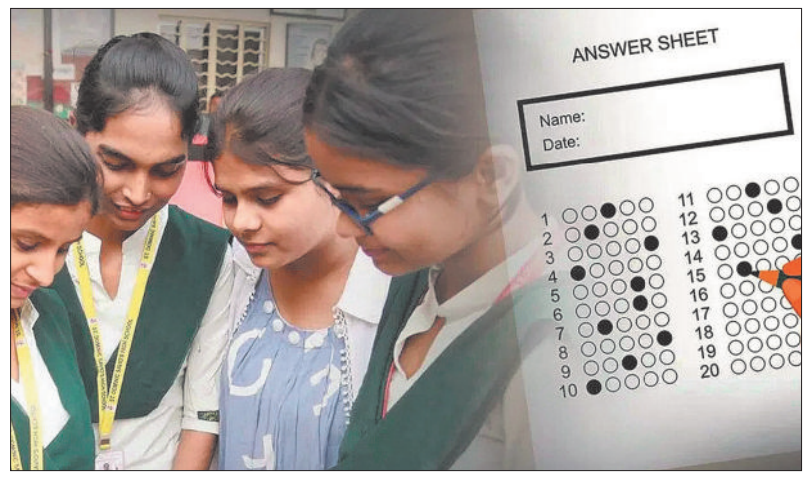

28 करोड़ रुपये होंगे खर्च : बोर्ड परीक्षाओं के आंसर-शीट्स के डिजिटल मूल्यांकन के काम की अनुमानित लागत 28 करोड़ रुपये बताई जा रही है। बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि कई यूनिवर्सिटीज में डिजिटल मूल्यांकन का काम पहले से हो रहा है और ये फायदेमंद साबित हुआ है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि परीक्षा प्रक्रिया को और मजबूती मिलेगी।

अनुभवी एजेंसियों को सौंपा जाएगा काम

अब सीबीएसई ने ये फैसला किया है कि आंसर-शीट्स के डिजिटल मूल्यांकन के लिए ऐसी एजेंसियों को चुना जाएगा, जिनके पास पहले से ही परीक्षाओं में आंसर-शीट्स के डिजिटल मूल्यांकन का अच्छा अनुभव हो। चूंकि 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा के कॉपियों की जांच एक गोपनीय प्रक्रिया है, इसलिए ये जरूरी हो जाता है कि आंसर-शीट्स की जांच जिम्मेदारी के साथ और बिना किसी धांधली के की जाए।

9वीं के लिए 'ओपन-बुक' परीक्षा को मंजूरी

सीबीएसई ने कक्षा नौ के मुख्य विषयों जैसे भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में तीन पेन-पेपर परीक्षाओं में से एक के हिस्से के रूप में ओपन-बुक मूल्यांकन का फैसला लिया है। यह बदलाव विद्यार्थियों को रटने के बजाय सीखने और समझने पर केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। 'ओपन-बुक' परीक्षा में विद्यार्थी प्रश्नों के उत्तर देते समय अपनी किताबें, नोट्स या अन्य संदर्भ सामग्री का उपयोग कर सकते हैं।

सीबीएसई के फैसले में क्या है?

- सीबीएसई की गवर्निंग बॉडी ने यह फैसला क्षेत्रीय कार्यालयों में कुछ विषयों पर पायलट सफल होने के बाद सभी विषयों में लागू करने पर सहमति जताई। यानी पहले चरण में पायलट प्रोजेक्ट्स चलाए जाएंगे।
- यह फैसला साल 2014 और 2015 में की गई सीमित डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रियाओं की सफलता को देखते हुए लिया गया है। उस समय कुछ विषयों को डिजिटल रूप में परीक्षण किया गया था।
- डिजिटल मूल्यांकन के लिए चुनी जाने वाली एजेंसियों के पास स्कूलों, विश्वविद्यालयों या सरकारी परीक्षा निकायों में डिजिटल आंसर-शीट मूल्यांकन का अनुभव होना जरूरी होगा। खासकर सुरक्षा, गोपनीयता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दृष्टि से।
- इस पूरी व्यवस्था की अनुमानित लागत करीब 28 करोड़ बताई गई है।
- बोर्ड का मानना है कि डिजिटल मूल्यांकन से क्षेत्रीय असमानताओं की समस्या दूर होगी और मूल्यांकन की सटीकता बढ़ेगी।

भविष्य का रोडमैप : शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9 में ओपन-बुक मूल्यांकन लागू किया जाएगा। इससे छात्रों के रटने की बजाय समझ और विश्लेषण क्षमता का विकास होगा, जो की विश्व स्तर पर शिक्षा के नए स्वरूप की मांग है।

खबर संक्षेप

एक टन से अधिक लाल चंदन की लकड़ी जब्त

कडप्पा (आंध्र प्रदेश)। जिले में लाल चंदन तस्कर नागा दस्तगिरी रेड्डी और पांच अन्य को गिरफ्तार किया गया तथा चंदन की लकड़ी के 1,087 किलोग्राम वजन के 52 लट्ठे जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि ये गिरफ्तारियां 'रेड सैंडर्स एंटी-स्मगलिंग टास्क फोर्स' और चपटू गांव पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान में की गईं। तस्करी के सामान की ढुलाई में इस्तेमाल दो कारें और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गयी।

रेल की पटरी पर लोहे की छड़ें रखने वाला पकड़ाया

मलप्पुरम। आंध्र प्रदेश के एक निवासी को जिले में रेल की पटरी पर लोहे की छड़ें रखने के आरोप में रविवार को हिरासत में लिया गया। घटना का पता तब चला जब रेलवे कर्मचारियों ने सुबह उस व्यक्ति को पटरी पर छड़ें रखते हुए देखा। उसे हिरासत में लेने वाली तिरूर पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति का नाम नरसिम्हा है। पुलिस ने कहा, वह एक ऐसा व्यक्ति है जो ट्रेन से एक जगह से दूसरी जगह यात्रा करता है। वह मानसिक रूप से अस्थिर लग रहा था और स्टेशन पर उसका व्यवहार अजीब था।

उपमुख्यमंत्री ने दिया नेता प्रतिपक्ष के आरोप का जवाब

डिप्टी सीएम के पास दो वोटर आईडी : तेजस्वी

आवेदन दिया है, सूची अभी फाइनल नहीं : सिन्हा

बिहार में दो वोटर आई कार्ड के मुद्दे पर सियासत तेज हो चुकी है। रविवार को बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया है कि राज्य के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा का नाम दो जगहों पर मतदाता सूची में है और उनकी उम्र में भी अंतर है। तेजस्वी के इस आरोप के बाद राजद और कांग्रेस हमलावर हो गई और डिप्टी सीएम से इस्तीफा देने की मांग की।

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने जवाब देते हुए कहा कि मेरा नाम दो जगहों की मतदाता सूची में है लेकिन इनमें एक जगह पटना में नाम हटाने का आवेदन दिया हुआ है। अभी मतदाता की फाइनल सूची नहीं आई है, इसकी प्रक्रिया चल ही रही है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल विधायक तेजस्वी यादव ने राज्य के विशेष गहन पुनरीक्षण ड्राफ्ट मतदाता सूची को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा का नाम 2 अलग-अलग जगहों पर ड्राफ्ट मतदाता सूची में दर्ज है और उनके पास 2 मतदाता फोटो पहचान पत्र भी हैं। तेजस्वी ने कहा कि पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के अलावा लखीसराय निर्वाचन क्षेत्र में भी बतौर मतदाता विजय कुमार सिन्हा का नाम है।

तेजस्वी ने पेश किए सबूत

तेजस्वी ने कॉन्फ्रेंस में उपमुख्यमंत्री सिन्हा के दोनों मतदाता पहचान पत्र भी दिखाए और दोनों ईपिक का विवरण ऑनलाइन भी चेक करके दिखाया। इसके अनुसार, सिन्हा का नाम पटना और लखीसराय दोनों जगहों पर शामिल है। पटना जिले के बूथ संख्या 405 में क्रम संख्या 757 पर सिन्हा के नाम एएफएस 0853341 ईपिक नंबर के साथ दर्ज है। इसी तरह लखीसराय जिले के बूथ नंबर 231 में क्रम संख्या 274 पर भी उनका नाम आईएएफ 3939337 ईपिक नंबर के साथ दर्ज है।

उपमुख्यमंत्री सिन्हा ने दी सफाई

मामले में उपमुख्यमंत्री सिन्हा ने कहा, /"पहले मेरा नाम पटना की मतदाता सूची में था। अप्रैल 2024 में मैंने लखीसराय में नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया और साथ ही बांकीपुर से नाम हटाने का फॉर्म भरा था। हालांकि, तकनीकी कारणों से उनका नाम बांकीपुर से नहीं हटा। ड्राफ्ट मतदाता सूची में दोहरे नाम की जानकारी मिलने पर मैंने 5 अगस्त, 2024 को बूथ लेवल ऑफिसर के जरिए फिर से नाम हटाने का आवेदन किया था।

सिन्हा की उम्र को लेकर भी उठाए सवाल

तेजस्वी ने कहा, उपमुख्यमंत्री सिन्हा के पास 2 ईपिक नंबर हैं। एक में उम्र 57 साल और दूसरे में 60 साल हैं। यह नाम सभी पार्टियों के जिलाध्यक्ष को उपलब्ध कराई गई नई मतदाता सूची में दर्ज हैं। ऐसे में बताएं अब धोखेबाज कौन है? उन्होंने कहा, /"सिर्फ दो ही चीजें हो सकती हैं, या तो चुनाव आयोग की एसआईआर की पूरी प्रक्रिया ही धोखाधड़ी है या फिर बिहार के उपमुख्यमंत्री धोखेबाज हैं।

क्या आयोग उपमुख्यमंत्री को नोटिस भेजेगा?

तेजस्वी ने कहा, यह धोखाधड़ी आयोग की वेबसाइट पर भी साफ दिखाई देती है। क्या उपमुख्यमंत्री को नोटिस भेजा जाएगा।/" उन्होंने आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि यह अवैध कार्य है और इस मुद्दे को अदालत तक ले जाया जाएगा।

कांग्रेस ने भी बोला हमला

इस मामले में कांग्रेस ने भी चुनाव आयोग पर हमला बोला है। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा तो उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा का निकला! साहब दो जगहों से मतदाता हैं - लखीसराय और पटना के बांकीपुर से। साहब ने दोनों जगहों से एसआईआर फॉर्म भरा है। दोनों जगहों की ड्राफ्ट लिस्ट में उनका नाम है।' पार्टी ने भाजपा और चुनाव आयोग के बीच मिलीभगत के राहुल गांधी के दावे को भी दोहराया है।

राजनाथ सिंह ने ट्रंप को दिया करारा जवाब

सबके बॉस हम हैं कुछ को भारत की तरक्की बर्दाश्त नहीं

रक्षा मंत्री ने रखी रेलकोच निर्माण की आधारशिला

एजेंसी ▶▶| रायसेन

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मध्य प्रदेश के रायसेन में देश की पहली ग्रीनफील्ड रेल कोच निर्माण इकाई की आधारशिला रखी। उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए इशारों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा और कहा कि कुछ लोग खुद को दुनिया का बॉस समझते हैं और भारत का विकास उन्हें रास नहीं आ रहा है। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने इशारों ही इशारों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा। राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोग अपने आप को दुनिया का बॉस समझते हैं। कुछ लोगों को भारत का विकास रास नहीं आ रहा है।

वैश्विक शक्ति बनने से कोई नहीं रोक सकता : रक्षा मंत्री सिंह ने कहा, वर्तमान में दुनिया में भारत को पीछे धकेलने का प्रयास चल रहा है, लेकिन उसके बाद भी भारत इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है कि मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि दुनिया की कोई भी ताकत अब भारत को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति बनने से नहीं रोक सकती है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाकर लगाम कसने का प्रयास किया है।

हम छेड़ते नहीं, छेड़ोगे तो छोड़ते भी नहीं : सिंह

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा पहलगाम हमले के बाद आतंकवादियों ने सोचा था कि भारत कोई कार्रवाई नहीं करेगा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमनेऑपरेशन सिंदूर से ऐसी कार्रवाई की जिसने पूरी दुनिया को संदेश दे दिया कि हम किसी को उकसाते नहीं हैं, लेकिन अगर कोई हमें उकसाता है, तो हम उसे छोड़ते भी नहीं हैं।

सिंह ने अमेरिका पर भी साधा निशाना

रक्षा मंत्री सिंह ने अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा, कुछ लोग भारत की विकास गति से खुश नहीं हैं। उन्हें यह पसंद नहीं आ रहा है। उन्हें लगता है 'सबके बॉस तो हम हैं', भारत इतनी तेज गति से कैसे आगे बढ़ रहा है? उन्होंने कहा, कई लोगों का प्रयास है कि भारत में स्वदेशी उत्पाद, अन्य देशों में निर्मित उत्पादों की तुलना में अधिक महंगे हों, ताकि जब कीमतें बढ़ें, तो विश्व उन्हें खरीदना बंद कर दें।

दिल्ली में 7,900 छात्रों ने 'तिरंगा दौड़' में भाग लिया

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह के आलोक में दिल्ली सरकार की आयोजित 'तिरंगा रन' में करीब 7900 छात्रों ने भाग लिया। यह दौड़ त्यागराज स्टेडियम से शुरू होकर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर संपन्न हुई। बयान में कहा गया है कि दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इस दौड़ को हरी झंडी दिखायी।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष — धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला — कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक — संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

गणेशोत्सव की धूमधाम शुरू...

मुंबई। गणेश चतुर्थी के साथ ही आगामी 27 अगस्त से भगवान श्रीगणेश की मूर्तियां घर-घर विराजित होने लगेंगी। महाराष्ट्र में गणपति की धूमधाम अभी से शुरू हो गई है। पंडालों में विराजित होने वाली गणपति मूर्तियां गाजे-बाजे के साथ अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान कर रहीं हैं।

आईएएफ के बयान के बाद लगाया था आरोप

रिजिजू बोले- 'राहुल जी, आप हर समय झूठ क्यों बोलते हैं?'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर पर शनिवार को वायु सेना प्रमुख ने कई बड़े खुलासे किए। वायु सेना प्रमुख एअर मार्शल एपी सिंह ने कहा कि इस दौरान पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट सहित 6 विमान मार गिराए। वायुसेना प्रमुख एअर मार्शल एपी सिंह के बयान के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि आईएएफ चीफ बताएं कि सेना के हाथ किसने बांध दिए थे। राहुल के इस बयान के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है।

ऑपरेशन सिंदूर में क्या बोले आईएएफ चीफ

अपने बयान में वायु सेना प्रमुख एअर मार्शल चीफ एपी सिंह ने कहा कि मैं बैठकों में मौजूद था। राजनीतिक इच्छाशक्ति बहुत ही स्पष्ट थी और कोई प्रतिबंध नहीं लगाए गए थे। अगर कोई प्रतिबंध थे भी, तो वे रक्षा बलों द्वारा स्वयं लगाए गए थे। उन्होंने यह भी बताया कि सेना को अंजाम देने की पूरी आजादी थी।

वायुसेना प्रमुख ने इन बातों का किया खंडन

जानकारी दें कि संसद में बोलते हुए राहुल गांधी ने दावा किया था कि सरकार ने सेना पर प्रतिबंध लगा दिए। हालांकि, वायु सेना प्रमुख एअर मार्शल चीफ एपी सिंह ने इन बातों का खंडन किया। एक कार्यक्रम के दौरान एअर मार्शल चीफ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और सशस्त्र बलों को दी गई खुली छूट को दिया।

राहुल ने खुद ही अपना कद गिराया

दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए किरेन रिजिजू ने लिखा कि मैं राहुल गांधी जी से अनुरोध करता हूं कि वे बार-बार झूठ बोलकर क्यों सुर्खियों में रहना चाहते हैं। मैंने कई विपक्ष के नेताओं को संसदीय मर्यादा का पालन करते हुए देखा है। रिजिजू ने कहा राहुल ने न केवल अपना कद गिराया है, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुंचाई है।

क्या थे राहुल गांधी के आरोप?

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दावा किया था कि सरकार ने सेना के हाथ बांध दिए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि आप पाकिस्तान गए और हमारे पायलटों से कहा कि वे उनकी वायु रक्षा प्रणाली पर हमला ना करें। आपने हमारे पायलटों के हाथ बांध दिए थे।

शब्द पहेली - 5955

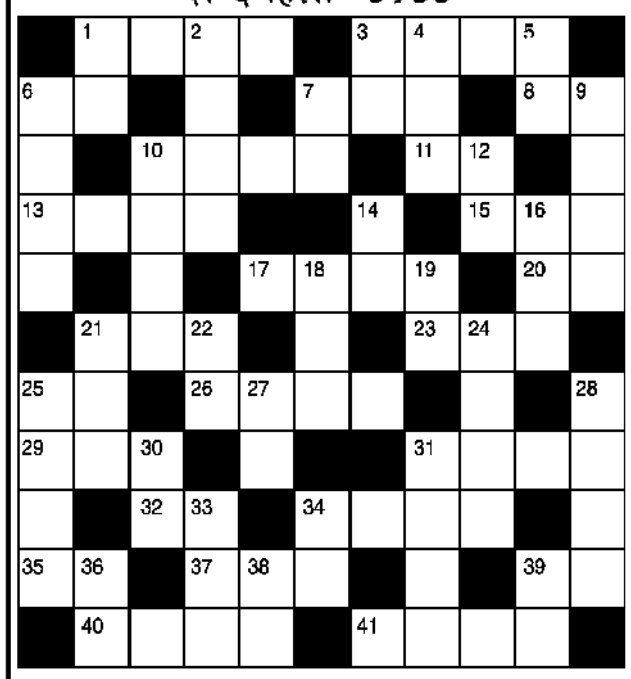

बाएँ से दाए

1. जाति, समाज, बुंधता-4
3. स्वयंवर माला, जीत-4
6. चूहे का घर-2
7. स्थिर, टिका हुआ-3
8. पार्थिव देह, लाश-2
10. सुवासित करना-4
11. थोड़ा, कम-2
13. मोटा आटा, दानेदार-4
15. गौरव, अभिमान-3
17. विष्णु, नारायण-4
20. वाहन, गाड़ी, जहाज-2
21. होशियार, दक्ष-3
23. उचित, सही-3
25. जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26. करिश्मा, करतब-4
29. भर्त्सना, धिक्कार-3
31. गुलाम, परतंत्र-4
32. बेल, लतिका-2
34. आश्चर्य-4
35. नांद, टप-2
37. मग्नता-3
39. मछली-2
40. कुशलपूर्वक, सुरक्षित-4
41. मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1. विधेयक, देयक-2
2. विजयादशमी-4
3. जीत, विजय-2
4. जुड़वा-3
5. शव, मृत शरीर-2
6. बंधु, सजातीय, भाई-4
7. एक आंख वाला-2
9. मौजूदा, आधुनिक-4
10. मदमस्त-4
12. धुन, लय, सुर-2
14. इच्छा, कामना-2
16. सुर साधना-3
18. भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19. छुट्टी, अवकाश-2
21. अच्छे कुल का-3
22. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. यम, मृत्यु का देवता-4
25. अपमिश्रण, खोट-4
27. निशा, रात्रि-2
28. कहासुनी, कलह-4
30. तल्ला, पैंदा-2
31. गुलामी, पराश्रित-4
33. शिक्षा (उर्दू-3)
34. अदा करना, चुकाना-2
36. एक सवारी गाड़ी-2
38. झुका हुआ-2
39. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 5954 का हल

प	ब	न	कु	मा	र	■	म	क	ब	र
ला	न	■	त	■	स	ली	का	■	स	त
य	■	प	र	वा	ना	■	न	न	■	दि
न	का	र	ना	■	■	क	■	म	हा	न
वा	■	ख	■	स	ह	ल	ज	■	ज	■
दी	वा	ना	प	न	■	प	र	व	री	श
■	जि	■	र	स	ले	ना	■	न	■	री
ग	ब	न	■	नी	■	■	अ	य	न	र
ज	■	शा	न	■	आ	ब	नू	स	■	र
रा	ज	■	ज	या	सु	■	रू	■	क	क्ष
ज	ल	ब	र	■	ब	मों	प	दे	श	क

सूडोकु नवताल - 5965

कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGALSENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5964 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

खबर संक्षेप

सरसों, मूंगफली को छोड़कर बाकी तेल-तिलहन में सुधार

नई दिल्ली। बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन को छोड़कर बाकी सभी के दाम सुधार दर्शाते बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में सरसों तेल के दाम आयातित खाद्य तेलों के मुकाबले 35-40 रुपये किलो अधिक रहे और इस भाव पर सरसों का खपना मुश्किल है।

मैरिको को भारतीय कारोबार दोगुना होने की उम्मीद

नई दिल्ली। रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख मैरिको अगली एक या दो तिमाहियों में घरेलू बाजार में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद कर रही है। मैरिको के प्रबंध निदेशक और सीईओ सौगात गुप्ता ने कहा कि मूल फ्रेंचाइज और कारोबार के विस्तार के साथ कंपनी को यह लक्ष्य हासिल होने की उम्मीद है।

वोल्टास के मुनाफे में 58 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी वोल्टास लि. का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 58 प्रतिशत घटकर 140.61 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 335 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का राजस्व 20.22 प्रतिशत घटकर 3,912.29 करोड़ रुपये रहा। जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,903.91 करोड़ रुपये था। वोल्टास ने अपने आय विवरण में कहा इस तिमाही में गर्मी देरी से आई,तापमान सामान्य से कम रहा और मानसून जल्दी आ गया, जिससे एयर कंडीशनर और अन्य कूलिंग उत्पादों की मांग में तेज गिरावट आई।

ग्रासिम का मुनाफा 34% बढ़कर 2,767 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख होल्डिंग कंपनी, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लि. का वर्ष 2025-26 की जून तिमाही में शुद्ध लाभ 33.9 प्रतिशत बढ़कर 2,767.08 करोड़ रुपये रहा। सीमेंट व्यवसायों में उच्च लाभ और प्रमुख कारोबारों में चौतरफा वृद्धि कंपनी का लाभ बढ़ा है। एक साल पहले अप्रैल-जून तिमाही में उसे 2,065.97 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। वित्तवर्ष 2025-26 की जून तिमाही में परिचालन राजस्व 15.9 प्रतिशत बढ़कर 40,118.08 रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 34,609.75 करोड़ रुपये था।

नावी टेक्नोलॉजीज का नाम अब नावी लि.

नई दिल्ली। नावी टेक्नोलॉजीज लि. ने कहा कि उसने आधिकारिक तौर पर अपना नाम बदलकर नावी लि. कर लिया है। यह नाम प्रौद्योगिकी-आधारित कंपनी से भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुरूप एक समग्र वित्तीय सेवा प्रदाता के रूप में इसके विकासक्रम के अनुरूप है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह नया नाम कंपनी के खुद को एक एकीकृत, ग्राहक-केंद्रित संस्थान के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य को सामने रखता है। इसमें ऋण, बीमा, परिसंपत्ति प्रबंधन और यूपीआई सेवाएं शामिल हैं, जो लाखों भारतीयों के लिए धन को सरल, निर्बाध और सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आरबीआई का सख्त नियम, बैंकों को 15 दिनों में निपटाना होगा मृत ग्राहकों के क्लेम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- सत्यापन के लिए दावा प्रपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र और नामित का वैध दस्तावेज जमा करना होगा

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मृत ग्राहकों के बैंक खातों और लॉकर से संबंधित दावों का निपटान 15 दिन के भीतर करने की विशेष पहल की है।

केंद्रीय बैंक ऐसे मामलों का तय समयसीमा के भीतर निपटारा करने और किसी भी देरी के लिए नामांकित व्यक्तियों को मुआवजा देने के लिए फॉर्म को मानकीकृत करने की योजना बना रहा है। आरबीआई ने मृत बैंक ग्राहकों के बैंक खातों और सुरक्षित जमा लॉकर में रखी वस्तुओं से संबंधित दावों के निपटान के लिए मानक प्रक्रियाएं लाने का प्रस्ताव किया है। इसका मकसद निपटान को और अधिक सुविधाजनक और सरल बनाना है।

उद्देश्य निपटान को और अधिक सुविधाजनक और सरल बनाना

नॉमिनी के खाते व लॉकर के लिए सभी बैंकों की अपनी प्रणाली

वर्तमान में, मृतक के 'नॉमिनी' व्यक्ति द्वारा खाते और लॉकर से संबंधित दावों के संबंध में सभी बैंकों की अपनी प्रणाली और प्रक्रियाएं हैं। इसी प्रकार, बिना 'नॉमिनी' वाले खातों के लिए बैंकों की प्रक्रियाओं में कुछ भिन्नता हो सकती है। इस कदम से प्रक्रिया मानकीकृत और सरल होगी। मौजूदा निर्देशों के अनुसार, बैंकों को 'नॉमिनी' व्यक्ति/कानूनी उत्तराधिकारियों के किए गए दावों के शीघ्र और परेशानी मुक्त निपटान की सुविधा के लिए एक सरलीकृत प्रक्रिया अपनाने की आवश्यकता है।

नामिनी का वैध दस्तावेज जमा करना होगा

मसौदे में कहा गया है कि यदि जमा खातों या लॉकर के लिए किसी व्यक्ति को नामित किया गया है, तो उसे पहचान और पते के सत्यापन के लिए दावा प्रपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र (मृत ग्राहक) और नामित (नामिनी) का आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेज जमा करना होगा।

27 अगस्त तक टिप्पणियां मांगी

इस दिशा में, केंद्रीय बैंक ने परिपत्र का मसौदा-भारतीय रिजर्व बैंक (बैंकों के मृत ग्राहकों के संबंध में दावों का निपटान) निर्देश, 2025' जारी किया है और 27 अगस्त तक इस पर टिप्पणियां मांगी हैं। मसौदे में कहा गया, 'बैंक दावों और अन्य दस्तावेजों को प्राप्त करने के लिए मानकीकृत प्रपत्रों का उपयोग करेगा।'इसमें दावों के निपटान में देरी होने पर मुआवजे का भी प्रावधान है।

सरल प्रक्रिया अपनाने पर जोर

मसौदे के अनुसार, बैंक को उन जमा खातों में दावों के निपटान के लिए एक सरल प्रक्रिया अपनानी चाहिए, जहां मृतक जमाकर्ता ने कोई नामांकन नहीं किया है, ताकि दावेदार या कानूनी उत्तराधिकारी को असुविधा से बचाया जा सके। ऐसे दावों के निपटान के लिए बैंक को अपनी जोखिम प्रबंधन प्रणालियों के आधार पर न्यूनतम 15 लाख रुपए की सीमा तय करनी चाहिए।

नोबल पुरस्कार विजेता बनर्जी ने कहा, भारत को विचार करना होगा

अमेरिकी शुल्क के बाद सोचना होगा कि सस्ता रूसी तेल फायदेमंद है या नहीं: अभिजीत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा के बाद भारत को विचार करना चाहिए कि रूस से सस्ते तेल का आयात फायदेमंद है या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले हफ्ते एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें भारत के रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया गया था। इससे भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाएगा, जो दुनिया में किसी भी देश पर अमेरिका द्वारा लगाए गए सबसे अधिक शुल्कों में से एक है।

25 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से लागू होगा

अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से लागू होगा। बनर्जी ने बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम के मौके पर पीटीआई-भाषा से कहा, ''हमें इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा कि क्या रूस से तेल आयात करने लायक है या फिर अमेरिका जाकर यह कहना होगा कि अगर हम रूसी तेल का आयात बंद कर दें, तो क्या वे इसे (शुल्क) हटा लेंगे।'

रूस से सस्ता तेल का आयात फायदेमंद है या नहीं देखना होगा

रूसी तेल पर छूट अब घट गई

ऐसा इसलिए भी है क्योंकि रूसी तेल पर छूट अब घटकर लगभग दो अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रह गई हैं। यह पूछने पर कि क्या भारत को चीन से निवेश पर लगे प्रतिबंध हटाने चाहिए, बनर्जी ने कहा, ''हमें इसे चीन के साथ व्यापार वार्ता के जरिये जोड़ना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, ''मुझे लगता है कि ऐसा करने का यह सही समय है। चीन को भी यह सोचने की जरूरत है कि वे अमेरिका के साथ कैसे व्यापार करेंगे और उनके पास क्या लाभ हैं।''

गैर-छूट वाले निर्यात पर असर पड़ेगा

चूंकि भारी शुल्क से भारत द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले 27 अरब अमेरिकी डॉलर के गैर-छूट वाले निर्यात पर असर पड़ने की आशंका है, इसलिए रूस से तेल आयात रोकने या कम करने की चर्चा हो रही है।

ट्रंप ने पिछले हफ्ते भारतीय वस्तुओं पर शुल्क लगाने की घोषणा की

भारत ने अगस्त, सितंबर के लिए नहीं दिया आर्डर

प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा, ''इसके बारे में सोचना गलत नहीं है। हमारे कुछ निर्यात 25 प्रतिशत शुल्क पर ही प्रतिस्पर्धी नहीं हैं, इसलिए शायद 50 प्रतिशत (शुल्क) कोई मायने नहीं रखता। भारत रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक है, और उसने जुलाई में प्रतिदिन 16 लाख बैरल तेल खरीदा था। हालांकि, देश ने अगस्त और सितंबर के लिए कोई ऑर्डर नहीं दिया है।

चीन, आसियान से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण

यह पूछने पर कि क्या भारत को आसियान व्यापार समूह में शामिल होना चाहिए, उन्होंने कहा, ''शायद, मुझे लगता है कि हमें ऐसा करना चाहिए। मुझे लगता है कि चीन, आसियान से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार अनिश्चितताओं के बीच चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा, ''यह उतना अच्छा नहीं रहेगा, जितना हमने उम्मीद की थी।''

मध्यम वर्ग वास्तव में संकट में

बनर्जी ने बताया कि मध्यम वर्ग वास्तव में संकट में है, और पिछले कुछ वर्षों से निजी निवेश में भी कोई वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने कहा, ''टीसीएस जैसी कंपनियां भर्ती नहीं कर रही हैं, आईटी कर्मचारियों का वेतन नहीं बढ़ रहा है... ये सभी ऐसे मुद्दे हैं, जिनसे हम निपट नहीं पाए हैं। हमें इस तथ्य को स्वीकार करना होगा।''

भारत हमारे लिए बहुत ही खास बाजार: मलेशिया एयरलाइंस

- कंपनी भारत में विदेशी एयरलाइंस जैसा काम करेगी
- संयुक्त उद्यम बनाने की कोई योजना नहीं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मलेशिया एयरलाइंस बेरहद के प्रबंध निदेशक इज़्म बिन इस्माइल ने कहा है कि भारत उनके लिए एक बहुत ही खास और दिलचस्प बाज़ार है।

उन्होंने कहा कि विमानन कंपनी भारत को दुनिया से जोड़ने वाली एक प्रमुख सेवा प्रदाता के रूप में अपनी जगह बनाना चाहती है। इज़्म बिन इस्माइल ने यह भी साफ किया कि उनकी कंपनी भारत में एक विदेशी एयरलाइन के रूप में ही काम करती रहेगी और किसी भी भारतीय कंपनी के साथ मिलकर संयुक्त उद्यम बनाने की उनकी कोई योजना नहीं है। इज़्म ने कहा कि भारत, मलेशिया एयरलाइंस के लिए सबसे ज्यादा कमाई करने वाला देश है। फिलहाल कंपनी भारत के 10 शहरों के लिए हर हफ़्ते 77 उड़ानें चलाती है, और जल्द ही इसे बढ़ाने की योजना है। भारत के बाद सबसे ज़्यादा कमाई ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन से होती है।

भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही

इजम ने बातचीत में कहा, ''भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, यहां 1.4 अरब लोग हैं और करीब 100 हवाई अड्डे हैं। यहां का मध्य वर्ग भी बढ़ रहा है, जिसके पास खर्च करने के लिए पैसा है। इसलिए भारत हमारे लिए एक बेहद खास बाज़ार है।''

इंडिगो एक मजबूत सहयोगी

इज़म ने यह भी कहा, ''हम भारत की तेज़ी से हो रही आर्थिक तरक्की का हिस्सा बनना चाहते हैं। भले ही हम भारतीय कंपनी नहीं हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि भारत हमें दुनिया से जोड़ने वाली एक मुख्य एयरलाइन के तौर पर स्वीकार करे। उन्होंने कहा कि मलेशिया और भारत के बीच संबंध बहुत मज़बूत हैं, और मलेशिया एयरलाइंस इन दोनों देशों को जोड़ने का काम जारी रखेगी। उन्होंने यह भी बताया कि इंडिगो उनकी एक मज़बूत सहयोगी है।

आईसीआईसीआई बैंक में कर्मियों के नौकरी छोड़ने की दर सबसे कम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पिछले तीन वित्त वर्षों में निजी क्षेत्र के बड़े बैंकों में आईसीआईसीआई बैंक के कर्मचारियों ने सबसे कम नौकरी छोड़ी है। यह दर्शाता है कि बैंक में कर्मचारी लंबे समय तक टिककर काम कर रहे हैं, जिसका एक प्रमुख कारण बेहतर वेतन और अच्छा कार्य माहौल माना जा रहा है।

पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान, उद्योग में सालाना आधार पर नौकरी छोड़ने की दर में निरंतर गिरावट देखी गई है। आईसीआईसीआई बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में नौकरी छोड़ने की दर 18 प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 24.5 प्रतिशत से काफी कम है। वित्त वर्ष 2022-23 में यह दर 30.9 प्रतिशत थी। दूसरे बड़े बैंकों की बात करें तो, एचडीएफसी बैंक में यह दर वित्त वर्ष 2024- 25 में 22.6 प्रतिशत रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 26.9 प्रतिशत से कम है. वहीं, एक्सिस बैंक में यह 25.5 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा बैंक में 33.3 प्रतिशत रही। इंडसइंड बैंक में भी वित्त वर्ष 2024-25 में यह दर 29 प्रतिशत तक गिर गई है, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 37 प्रतिशत थी। एक बैंक के वरिष्ठ मानव संसाधन (एचआर) अधिकारी ने बताया कि नौकरी छोड़ने की दर कम होने के कई कारण हैं.।

- पिछले तीन वर्षों में सबसे कम कर्मियों ने इसी बैंक में नौकरी छोड़ी
- बैंक में कर्मचारी लंबे समय तक टिककर काम कर रहे हैं

नई नौकरियां अब थोड़ी कम हुई

इनमें से एक है कि बैंकिंग और वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अब नई नौकरियों की संख्या थोड़ी कम हो गई है। अधिकारी ने कहा कि महामारी के बाद बैंकों में बहुत ज़्यादा भर्तियां हुई थीं, जिसकी वजह से बाद में नौकरी छोड़ने वालों की संख्या भी बहुत बढ़ गई थी।

एआई एक्सप्रेस का घरेलू किराया 1279 रुपए से शुरू

कोच्चि। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रविवार को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 'फ्रीडम सेल' की घोषणा की है। इस सेल के तहत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर लगभग 50 लाख सीटें उपलब्ध होंगी, जिनकी शुरुआती कीमत घरेलू उड़ानों के लिए 1,279 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 4,279 रुपये रखी गई है। एयरलाइन कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस सेल के तहत 19 अगस्त, 2025 से 31 मार्च, 2026 तक की यात्रा के लिए बुकिंग 15 अगस्त तक खुली है। घरेलू उड़ानों के लिए किराया 1,279 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 4,279 रुपये से शुरू हो रहा है। यह सेल 10 अगस्त से केवल एयरलाइन कंपनी की वेबसाइट और एयर इंडिया एक्सप्रेस के ऐप पर उपलब्ध होगी। वहीं, 11 से 15 अगस्त तक यह सभी प्रमुख बुकिंग चैनल पर भी उपलब्ध होगी।

भारत को विनिर्माण बनाने भूमि सुधार जरूरी: सीआईआई

नई दिल्ली। उद्योग निकाय सीआईआई ने रविवार को कहा कि भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए देश भर में 3-5 प्रतिशत की एक समान स्टांप शुल्क दरों जैसे व्यापक भूमि सुधारों की जरूरत है। सीआईआई ने आम सहमति पर आधारित सुधारों के लिए जीएसटी परिषद जैसी संस्था के गठन पर जोर दिया। व्यापार युद्ध के चलते चुनौतियां हैं, लेकिन भारत का स्थिर नीतिगत ढांचा, मजबूत औद्योगिक क्षमताएं, बड़ा घरेलू बाजार और युवा कार्यबल इसे एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाता है। इसके अलावा कई देशों के बीच एक विश्वसनीय और सक्षम भागीदार के रूप में भारत की प्रतिष्ठा से भी इसे बढ़त मिलती है।

न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202507321400007/ बी-121 2024-2025

एतद् द्वारा सर्व संबंधित को सूचित जाता है कि आवेदक अजय कुमार लहरे पिता गजाधर लहरे, उम्र 34 वर्ष जाति -सतनामी, निवासी ग्राम -भदरा, तहसील +थाना- पामगढ़, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) एवं आवेदिका रीना मानिकपुरी पिता धनेश्वर दास मानिकपुरी, जाति पनिका, उम्र 22 वर्ष ग्राम - भटगांव तहसील+थाना - भटगांव, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.) द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत विवाह अनुष्ठापित किये जाने हेतु आवेदक के शैक्षणिक योग्यता 10 वीं अंकसूची की छायाप्रति, आधार कार्ड, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र तथा आवेदिका के आधार कार्ड, ग्राम पंचायत द्वारा जारी निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता 10 वीं अंकसूची की छायाप्रति, घोषणा पत्र, शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है।

उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई उजर / आपत्ति हो तो वह प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रा से जारी किया गया।

अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी
जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN – U40108CT2003SGC015820
O/o Executive Engineer, S/S Dn. Raigarh
Address :- Kotra Road, Raigarh, 496001 Website -www.cspc.co.in, E-mail-eess.raigarh@cspc.co.in

No/17-02./EE/SS/RGH/PUR /TENDER/**853** RAIGARH, Dt. **06.08.2025**

/ /निविदा आमंत्रण सूचना/ /

पिकअप श्रेणी (2.0 टन) वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध हेतु

कार्यालय– कार्यपालन अभियंता उपकेन्द्र संभाग सी.एस.पी.टी.सी. एल. रायगढ़ के अंतर्गत सहायक अभियंता 132 के.व्ही. उपकेन्द्र चपले के लिए वाहन चालक सहित 01 नग पिकअप श्रेणी वाहन अल्पकालीन अनुबंध दो वर्ष के लिए पंजीकृत/उपयुक्त ठेकेदारों या फर्म से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

S. No	Particulars	Qty.	Earnest Money
01	hiring 01 No. Pickup category (2.0 Ton) vehicle with 01 no driver on hire contract basis for a period of 02 years for A.E.132 KV S/S Chaple Under EE S/S Dn CSPTCL Raigarh	01 No.	17500/- (Refundable)
02	Last date and Time for Sale of Tender form	Date:**27.08.2025**	Time: 17:30 hrs.
03	Last date and Time for Submission of Tender form	Date: **28.08.2025**	Time: 15:00 hrs.
04	Date and Time for Opening of Tender form	Date: **28.08.2025**	Time: 15:30 hrs.

उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्ते नियम एवं निविदा से संबंधित अन्य जानकारी कार्यालयीन सूचना पटल एवं विभागीय वेबसाइट **http:cspc.co.in** से प्राप्त कर सकते हैं।

(एम.के.पटेल)
कार्यपालन अभियंता, उपकेन्द्र संभाग
छ.ग.स्टे.पा.ट्रां.कं.लि., रायगढ़

SAVE ELECTRICITY

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703,
Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

कब्जा सूचना

संदर्भ: सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के उप-नियम (1) के अंतर्गत कब्जा सूचना

चूँकि, नीचे हस्ताक्षरकर्ता होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम संख्या 54, 2002) के अंतर्गत तथा सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ धारा 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे दिए गए संबंधित तिथियों पर जारी किए गए मांग नोटिस के अनुसरण में, आप से/ऋणधारकों से, नीचे नामित, संबंधित नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने का आह्वान करते हैं। तथापि, आप/उधारकर्ता सभी निर्धारित समय के भीतर उक्त बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए **होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड** ने सरफेसी एक्ट, 2002 की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, इसके तहत नियमों को पढ़ते हुए, नीचे उल्लिखित सुरक्षित परिसंपत्तियों को अपने **कब्जे** में ले लिया है:

क्र. सं.	ऋणधारक (ओं)/ सह ऋणधारक (ओं)/ जमानतदारों के नाम	बंधक रखी गयी संपति का विवरण	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की तिथि को कुल बकाया राशि (रू. में)	कब्जा की तिथि
1.	हनोक नथानिएल, सोनिया नथानिएल	ख.नं. 1704/3/घ/5, तुर्काडीह चौक के पास, करहीपारा, मौजा निरतु, प.ह.नं.53, रा.नि.मं. सकरी, तह-तखतपुर, जिला- बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-20 फीट रोड, पश्चिम-भोला श्रीवास की भूमि, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-सरकारी भूमि	03-06-2025	19,75,143	07-08-2025
2.	अर्जुन बघेल, द्रोपती बघेल	ख. नं. 117/9, मौजा जयराम नगर, ख. नं. 117/9, प.ह.नं. 27, मस्तूरी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-पूजा फरती की भूमि, उत्तर-सड़क, दक्षिण-विक्रेता की भूमि।	03-06-2025	8,82,748	07-08-2025
3.	स्व. आकाश सोनवानी (मृत), अनीश सोनवानी, अन्य स्व. आकाश सोनवानी (मृत) के वैध प्रतिनिधि	ख.नं. 147/4 (भाग), प.ह.नं. 41, रा.नि.मं. सकरी मौजा सैदा, तहसील व जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-सड़क, पश्चिम-सूर्यवंशी की भूमि, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि।	03-06-2025	17,05,513	07-08-2025
4.	प्रदीप कुमार बंजारे, अरुणा दिवाकर	प.ह.नं. 30, मौजा बिल्हा, ख.नं. 126/94 (भाग), प.ह.नं. 30, मौजा पत्थरखान, तहसील बिल्हा व जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-गोविंद की भूमि, पश्चिम-प्रस्तावित सड़क, उत्तर-मुस्तफाक की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि।	03-06-2025	13,41,483	07-08-2025
5.	आशा राम चौधरी, प्रिया चौधरी, गौरव चौधरी	ख. नं. 77/4, मौजा मड़वा, प.ह.नं. 47, रा.नि.मं. मुंगेली, मुंगेली, छत्तीसगढ़, 495334 चौहद्दी: पूर्व-दान दाता का प्लाट, पश्चिम-प्रस्तावित सड़क, उत्तर-प्रस्तावित सड़क, दक्षिण-शंकर का प्लाट।	03-06-2025	17,76,620	07-08-2025
6.	अभय देवांगन, विजय देवांगन, कमला देवांगन	ख.नं. 2248/3, प.ह.नं. 41, मौजा सैदा, म. नं.-06, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पीछे, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001, चौहद्दी: पूर्व-सड़क, पश्चिम- विक्रेता की भूमि, उत्तर-प्रस्तावित सड़क, दक्षिण-विक्रेता की भूमि।	03-06-2025	19,84,562	07-08-2025
7.	अलका यादव, रानी मसीह	प.ह.नं. 41, ख.नं. 41/8 (भाग), मौजा सैदा, ख. नं. 41/8 (भाग), प.ह.नं. 41, म. नं.-07, विकासखंड तखतपुर, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001, चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-06-2025	10,22,247	07-08-2025
8.	ओम प्रकाश सूर्यवंशी, संतोषी बाई	ख.नं. 126/94, मौजा पत्थरखान, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं. बिल्हा विकास खंड, तह. बिल्हा व जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-गोविंद बाबू और कोमल वर्मा का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता प्लॉट, दक्षिण-अन्य प्लॉट।	03-06-2025	12,80,784	07-08-2025
9.	निर्भय गिरी गोस्वामी, दीपिका गोस्वामी	ख.नं.-1828/3 भाग, प.ह.नं. 29, मौजा मोपका, तहसील व जिला - बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006 चौहद्दी: पूर्व-कार्तिक साहू और अन्य की भूमि, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लाट, दक्षिण-रूपेश कुमार साहू का प्लाट।	03-06-2025	12,86,592	07-08-2025
10.	भजन सिंह, देवजानी	ख. नं.68/1 (भाग), प.ह. नं. 29, ख. नं. 68[भाग], प.ह.नं. 29, मौजा मुंगेली, तहसील एवं जिला - मुंगेली, मुंगेली, छत्तीसगढ़ 495334 चौहद्दी: पूर्व-श्याम बाई का प्लॉट, पश्चिम-विक्रेता प्लॉट, उत्तर-रोड, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-06-2025	10,88,844	07-08-2025
11.	दिनेश कस्तूरिया, लता कस्तूरिया	ख.नं. 102/7, मौजा छतौना, ख.नं. 102/7, मौजा छतौना, प.ह.नं. 37, रा.नि.मं. अमसेना, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 495001 चौहद्दी: पूर्व-नहर, पश्चिम-सड़क, उत्तर-विक्रेता का पलाट, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट।	03-06-2025	12,93,022	07-08-2025
12.	त्रिलोचन मानिकपुरी, श्वेता मानिकपुरी, महेश मानिकपुरी	ख.नं. 24/3, प.ह.नं. 44, मौजा हाफा, प.ह.नं. 44, रा.नि.मं.-सकरी, तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग., बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-विक्रेता का प्लॉट, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-06-2025	13,10,741	07-08-2025
13.	संदीप कुमार, प्रिया बक्सरे	ख. नं. 59/2, प.ह.नं. 41, मौजा सैदा म.नं.-07, रा.नि.मं. अमसेना, विकासखंड तखतपुर, तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग., बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-शकुंतला पांडे का प्लाट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लाट, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट।	03-06-2025	11,86,243	07-08-2025

ऋणधारक द्वारा राशि वापस करने में असफल रहने के कारण, ऋणधारक/जमानतदार और आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के साथ उक्त नियम के नियम 8 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऊपर उल्लिखित तिथि को नीचे वर्णित संपत्ति पर कब्जा ले लिया है।

ऋणधारकों/जमानतदारों और **आम जनता** को एतद्वारा आगाह किया जाता है कि वे ऊपर उल्लिखित संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों या उसके किसी भाग के साथ लेन-देन न करें और उक्त संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों के साथ कोई भी लेन-देन **होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड** के प्रभार के अधीन होगा, जो संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों के विरुद्ध ऊपर उल्लिखित राशि के लिए है, जो पूर्ण भुगतान होने तक उस पर **अतिरिक्त ब्याज** के साथ देय है।

ऋणधारक का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

स्थान: बिलासपुर
दिनांक: 11-08-2025

द्वारा हस्ताक्षरित: प्राधिकृत अधिकारी
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

प्रथम पृष्ठ का शेष

पीएम मोदी ने कहा-...

ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने तथा मेट्रो रेल 'येलो लाइन' का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न क्षेत्रों में विकास को रेखांकित किया और कहा कि ऐसी उपलब्धियों ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत किया है। उन्होंने कहा, ''हम दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। हमें यह गति कैसे मिली? हमें यह सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की भावना से मिली है।'' बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में मेट्रो रेल सेवाएं सिर्फ पांच शहरों तक ही सीमित थीं। उन्होंने कहा कि आज, मेट्रो रेल नेटवर्क 24 शहरों में 1,000 किलोमीटर से अधिक तक फैला हुआ है, जिससे भारत विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन गया है। मोदी ने कहा कि आजादी के बाद से, 2014 तक सिर्फ 20,000 किलोमीटर रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण हुआ था। उन्होंने कहा कि 2014 से 2025 तक, केवल 11 वर्षों में यह बढ़कर 40,000 किलोमीटर हो गया है। इसी तरह, 2014 में देश में 74 हवाई अड्डे थे, जो आज 160 से ज्यादा हैं तथा राष्ट्रीय जलमार्गों की संख्या भी केवल तीन से बढ़कर 30 हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बड़ी छलांग लगाई है। उन्होंने कहा, ''2014 तक, देश में सात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और 387 मेडिकल कॉलेज थे। अब एम्स की संख्या बढ़कर 22 और मेडिकल कॉलेज 704 हो गए हैं, जो लोगों की सेवा कर रहे हैं।'' मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, देश भर के मेडिकल कॉलेजों में एक लाख से ज्यादा नई सीटें जोड़ी गई हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की संख्या 16 से बढ़कर 23, आईआईआईटी की संख्या नौ से बढ़कर 25 और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) की संख्या 13 से बढ़कर 21 हो गई है। उन्होंने कहा कि आज, उच्च शिक्षा क्षेत्र में छात्रों के लिए अधिक अवसर उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे-जैसे राष्ट्र तेजी से प्रगति कर रहा है, गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों का जीवन भी उसी गति से बदल रहा है। मोदी ने कहा, 2014 से पहले कुल निर्यात 468 अरब अमेरिकी डॉलर था, लेकिन आज यह 824 अरब अमेरिकी डॉलर है। हम मोबाइल फोन का आयात करते थे, लेकिन अब हम मोबाइल हैंडसेट के शीर्ष पांच निर्यातकों में शामिल हैं। 2014 से पहले हमारा इलेक्ट्रॉनिक निर्यात छह अरब अमेरिकी डॉलर था, जो बढ़कर 38 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है।'' उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारत का ऑटोमोबाइल निर्यात 16 अरब अमेरिकी डॉलर था और अब यह दोगुने से भी अधिक है, जिससे भारत विश्व स्तर पर चौथा प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्यातक बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''ये उपलब्धियां हमारी आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को बल देती हैं। हम एक साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे और एक विकसित भारत का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि अगली बड़ी प्राथमिकता तकनीक में आत्मनिर्भरता होनी चाहिए। मोदी ने कहा कि भारतीय तकनीकी कंपनियों ने पूरी दुनिया के लिए सॉफ्टवेयर और उत्पाद विकसित करके वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उभरते क्षेत्रों में अग्रणी बनने के लिए केंद्रित प्रयासों की वकालत करते हुए, प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया' और विनिर्माण क्षेत्र में बेंगलुरु और कर्नाटक की उपस्थिति को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के उत्पादों को 'शून्य दोष, शून्य प्रभाव' मानक का पालन करना चाहिए, अर्थात उनकी गुणवत्ता दोषरहित होनी चाहिए और पर्यावरण पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं डालना चाहिए। मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि कर्नाटक की प्रतिभा आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का नेतृत्व करेगी। **पीएम बोले- रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म से...-** भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती के बारे में बताते हुए उन्होंने इसे ताकत देने वाले कारकों का जिक्र भी किया और कहा कि इकोनॉमी में यह रफ्तार हमें रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की भावना से मिली है। इसके साथ ही इसमें साफ इरादे और ईमानदार प्रयासों का बड़ा रोल है। उन्होंने आंकड़े गिनाते हुए बताया कि 2014 में, मेट्रो सिर्फ 5 शहरों तक सीमित थी, लेकिन अब 24 शहरों में 1,000 किलोमीटर से ज्यादा का मेट्रो रेल नेटवर्क है। प्रधानमंत्री कहा कि 2014 से पहले लगभग 20,000 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया गया था, लेकिन हमने पिछले 11 साल में ही 40,000 किलोमीटर से ज्यादा रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया है। इसके अलावा 2014 तक, भारत में महज 74 हवाई अड्डे थे, जिनकी संख्या बढ़कर अब 160 से अधिक हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जलमार्गों के आंकड़े भी उतने ही प्रभावशाली हैं, क्योंकि 2014 में सिर्फ 3 राष्ट्रीय जलमार्ग चालू थे और अब इनती संख्या भी बढ़कर 30 हो चुकी है।

ब्रिटिश एफ-35बी...

कारण आज एफ-35बी लड़ाकू विमान को जापान के कागोशिमा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी।विमान का निरीक्षण किया जा रहा है और वह जल्द से जल्द कैरियर स्ट्राइक ग्रुप पर वापस चला जाएगा। कागोशिमा एयरपोर्ट ऑफिस ने बताया कि पायलट द्वारा एयर ट्रैफिक कंट्रोल को तकनीकी समस्या की सूचना दिए जाने के बाद विमान ने स्थानीय समयानुसार सुबह 11:30 बजे इमरजेंसी लैंडिंग की। जापान के सरकारी न्यूज चैनल के फुटेज में देखा गया कि विमान रनवे के पास खड़ा था और उसमें कोई नुकसान नहीं दिखाई दे रहा था। एनएचके ने एयरपोर्ट ऑफिस के हवाले से बताया कि पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क कर बताया कि उसके विमान में मैकेनिकल प्रॉब्लम आ रही है। वह इमरजेंसी लैंडिंग करना चाहता है।

जहां कभी होटल...

धराली क्षेत्र में लगभग 45 फीट गहरे मलबे के नीचे कई इमारतें समा गई हैं। धराली में खुदाई के दौरान 3 मंजिला इमारत मिली। भारतीय सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आईटीबीपी की टीमें लगातार राहत कार्य कर रही हैं। सेना के हेलिकॉप्टर ने 33 उड़ानें भरीं। 195 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। 200 पर्यटकों को हर्षिल पहुंचाने में मदद की गई। 100 से ज्यादा पर्यटकों तक भोजन पहुंचाया गया। अधिकारियों ने यहां बताया कि गंगनानी और धराली के बीच लिम्चागाड़ पर बनाया जा रहा बेली पुल निर्माण के आखिरी चरण में हैं। शाम तक उसके शुरू होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि इससे प्रभावित इलाकों तक संपर्क बहाल करने में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि सोनगाड़, डबरानी, हर्षिल और धराली आदि स्थानों पर अवरुद्ध गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग को सुचारू करने का प्रयास युद्धस्तर पर किया जा रहा है। प्रदेश के गृह सचिव शैलेश बगौली ने अधिकारियों को धराली में प्रतिदिन 2000 लीटर डीजल तथा प्रभावित लोगों के लिए रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जब तक सड़कों की मरम्मत नहीं हो जाती और उनका संचालन शुरू नहीं होता तब तक प्रभावित लोगों तक खाद्य तथा अन्य जरूरी सामान पहुंचाने के लिए घोड़े और खच्चरों का उपयोग किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कोटक महिंद्रा बैंक द्वारा धराली में प्रभावित लोगों के राहत एवं पुनर्वास के लिए भेजी जा रही आपदा राहत सामग्री से भरे करीब आधा दर्जन ट्रकों को रवाना किया। कोटक महिंद्रा बैंक द्वारा कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत 10 से 12 दिनों के लिए पर्याप्त कच्चा राशन जैसे आटा, चावल, दालें, मसाल, खाद्य तेल समेत दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं जैंसे टूथपेस्ट, नहाने एवं कपड़े धोने का साबुन आदि प्रभावित लोगों तक भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने बैंक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा राज्य आपदा प्रभावितों के साथ खड़ा है। **अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से लापता की तलाश-** बाढ़ग्रस्त धराली में मलबे में लापता लोगों की तलाश का काम राज्य आपदा प्रतिवादन बल के खोजी कुत्तों और 'विक्टिम लोकेटिंग' व 'थर्मल इमेजिंग' कैमरा जैसे अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से जारी है। खीर गंगा नदी में पांच अगस्त को अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण धराली में मची तबाही में कई होटल और मकान जमींदोज हो गए थे। जिला प्रशासन ने अब तक चार लोगों की मौत और कई अन्य के लापता होने की पुष्टि की है। **हेलीकॉप्टर के जरिए खाद्य एवं राहत सामग्री-** रविवार सुबह बारिश के कारण हेलीकॉप्टर संचालन पौने 10 बजे शुरू हो पाया। मातली हेलीपैड से हेलीकॉप्टर के जरिए बड़ी मात्रा में खाद्य एवं राहत सामग्री हर्षिल हेलीपैड तक भेजी जा रही है और वापसी में आपदा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को मातली लाया जा रहा है। सात अगस्त को बचाव अभियान शुरू होने के बाद से हेलीकॉप्टर 260 से अधिक चक्कर लगा चुके हैं और शनिवार तक 1000 से ज्यादा लोगों को बाहर निकाला जा चुका है। मातली हेलीपैड से आठ हेलीकॉप्टर संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, सेना के चिनूक, एमआई-17, एएलएच-1 और चीता हेलीकॉप्टर चिन्यालीसौड़ हवाईपट्टी से बचाव अभियान संचालित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञ चिकित्सकों समेत मेडिकल टीमें आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तैनात हैं और लगातार अपनी सेवाएं दे रही हैं।

वरिष्ठ वकीलों के...

तत्काल सूचीबद्ध करने और सुनवाई के लिए मौखिक उल्लेख करने की प्रथा को बहाल कर दिया था तथा अपने पूर्ववर्ती न्यायमूर्ति संजीव खन्ना द्वारा अपनाई गई प्रथा को बंद कर दिया था। न्यायमूर्ति खन्ना ने वकीलों द्वारा मामलों की तत्काल सुनवाई और सूचीबद्ध के लिए मौखिक रूप से निवेदन करने की प्रथा को बंद कर दिया तथा उन्हें इसके स्थान पर ईमेल या लिखित पत्र भेजने को कहा। न्यायाधीश गवई ने छह अगस्त को कहा था, इस बात की बहुत जरूरत है कि वरिष्ठ वकीलों द्वारा किसी भी मामले का उल्लेख न किया जाए। उन्होंने अदालत के कर्मचारियों से एक नोटिस जारी करने को कहा था कि सोमवार से उनकी अदालत में किसी भी वरिष्ठ वकील को तत्काल सूचीबद्ध और सुनवाई के लिए मामलों का उल्लेख करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सेना प्रमुख द्विवेदी...

हमारे (सेना प्रमुख) फील्ड मार्शल बन गए हैं, तो हम जरूर जीते होंगे, इसीलिए वह फील्ड मार्शल बने हैं। सेना प्रमुख ने चार अगस्त को मद्रास स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में आयोजित एक समारोह को संबोधित करने के दौरान यह टिप्पणी की। उनके संबोधन का वीडियो सेना ने सप्ताहांत में साझा किया। सेना प्रमुख ने किसी देश का नाम लिए बिना खतरे की आशंका को भी रेखांकित किया और कहा, अगली बार यह (खतरा) कहीं ज्यादा हो सकता है और वह देश इसे अकेले करेगा या किसी और देश के समर्थन से करेगा, हमें नहीं पता। लेकिन, मुझे पूरा यकीन है, मुझे लगता है कि वह देश अकेला नहीं होगा। यहीं हमें सावधान रहना होगा। जनरल द्विवेदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की जटिलताओं पर जोर देने के लिए शतरंज और क्रिकेट की उपमाओं का इस्तेमाल किया। भारत ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के जवाब में मई में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर निर्णायक सैन्य कार्रवाई की थी। इस 'ऑपरेशन' के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक सैन्य संघर्ष जारी रहा, जो 10 मई को दोनों पक्षों के बीच सहमति बनने के बाद रुक गया। जनरल द्विवेदी ने इसकी तुलना शतरंज की बाजी से करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर में हमने शतरंज की बाजी खेली। इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि हमें नहीं पता था कि दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और हम क्या करने वाले हैं। इसे हम 'ग्रे जोन' कहते हैं। 'ग्रे जोन' का मतलब है कि हम पारंपरिक 'अभियान' नहीं चला रहे, लेकिन हम कुछ ऐसा कर रहे हैं जो पारंपरिक 'अभियान' से थोड़ा हटकर हो। उन्होंने कहा, 'पारंपरिक 'अभियान' का मतलब है, सबकुछ लेकर जाओ, जो कुछ आपके पास है उसे ले जाएं और अगर आप वापस आ सकते हैं तो वापस आ जाएं, नहीं तो वहीं रहें। इसे पारंपरिक तरीका कहा जाता है। यहां 'ग्रे जोन' का मतलब सभी क्षेत्र में से किसी में होने वाली गतिविधि से है, हम इसी के बारे में बात कर रहे हैं और 'ऑपरेशन सिंदूर' ने हमें सिखाया कि यही 'ग्रे जोन' है। सेना प्रमुख ने कहा, ''हम शतरंज की बाजी खेल रहे थे और वह (दुश्मन) भी शतरंज की चालें चल रहा था। कहीं हम उन्हें शह और मात दे रहे थे, तो कहीं हम अपनी जान गंवाने के जोखिम पर भी उसे मात देने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन जिंदगी का यही मतलब है। जनरल द्विवेदी ने जोर देकर कहा कि जहां तक 'ग्रे जोन' का सवाल है, यह हमेशा मौजूद है और रहेगा। उन्होंने विस्तार से बताए बिना कहा, 'और, अगला युद्ध जिसकी हम कल्पना कर रहे हैं, वह जल्द हो सकता है। हमें उसके अनुसार तैयारी करनी होगी, इसमें हमें यह लड़ाई मिलकर लड़नी होगी। सेना प्रमुख ने कहा कि अकेले सेना इसे नहीं लड़ेगी। उन्होंने कहा, अगर मैं अपने नजरिए से इसे देखूं, तो भारत ढाई मोर्चों का सामना कर रहा है। अगर देश की जमीनी सीमाओं की बात करें तो आज के भारत के लोगों की मानसिकता के मद्देनजर विजय की मुद्रा जमीन के रूप में बनी रहेगी।

आईजी ने किया...

जहां उनकी तरह से पैरवी करने वाली आईजी की बेटी अनुरा ने विभागीय जांच में गंभीर तकनीकी उजागर करते हुए दलील दी कि जांच अधिकारी ने न केवल आरोप सिद्ध किए, बल्कि सीधे सजा की सिफारिश भी कर दी, जबकि उत्तर प्रदेश पुलिस अधीनस्थ श्रेणी (दंड एवं अपील) नियमावली 1991 के नियम 14(1) के तहत यह अधिकार केवल अनुशासनात्मक प्राधिकारी का है।

भाजपा नेता चाहते ...

वोट से हारी। विधानसभा में भी कांकेर, पत्थलगांव, अंबिकापुर में मामूली अंतर से हार हुई। इससे साफ है कि हमारे वोट चोरी हुए। उन्होंने कहा कि जहाँ ईवीएम बनती है वहाँ भी बैलेट पेपर से चुनाव होते हैं। मतदाता के मन से शक खत्म होना चाहिए। वोट चोरी हो रहे हैं, यह हम पहले दिन से कह रहे हैं। निर्वाचन आयोग अब भाजपा का आनुषंगिक संगठन बन गया है। यहां दाल में काला नहीं, पूरी दाल काली है। आयोग के अध्यक्ष और मैंबर मोदी जी के कृपापात्र हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में डीएपी,यूरिया की कमी है, कालाबाजारी चरम पर है और नकली खाद खुलेआम बिक रही है।पानी का संकट गहराता जा रहा है, केवल खुड़िया बांध खोलने से किसानों का भला नहीं होगा। अरुण साव पूरे प्रदेश के डिप्टी सी एम हैं, लेकिन उनकी चलती नहीं। अब तक एक किलोमीटर सड़क भी नहीं बनी। श्री बघेल ने कहा कि स्कूलों में शिक्षक नहीं, बिजली बिल और कटौती दोनों बढ़ रहे हैं। **जांच एजेंसियों पर साधा निशाना-** जांच एजेंसियों पर निशाना साधते हुए बघेल ने कहा मेरे घर तीन बार छापा पड़ा, बेटे से 9 घंटे पूछताछ हुई, हर बार वही सवाल। चैतन्य के जन्मदिन पर भी गिरफ्तारी की गई। भाजपा में जाते ही नेताओं के सारे आरोप खत्म हो जाते हैं। बघेल ने सभी चुनावों के लिए एक वोटर लिस्ट की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन की बात करने वाले पहले एक वोटर लिस्ट बनाएं, तभी ईमानदारी साबित होगी।

साझा उम्मीदवार उतारने...

उम्मीदवार उतारेगा। हालांकि, विपक्षी खेमे के एक वर्ग का मानना है कि भाजपा द्वारा अपने उम्मीदवार की घोषणा के बाद ही 'इंडिया' को अपना उम्मीदवार तय करना चाहिए। हाल के समय में 'इंडिया' के घटक दलों के बीच एकता बढ़ी है, जिन्होंने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण और कथित चुनाव धांधली के खिलाफ लड़ने का संकल्प लिया है। एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए, 'इंडिया' के शीर्ष नेताओं ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास पर एक रात्रिभोज बैठक आयोजित की और बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के साथ-साथ भाजपा-निर्वाचन आयोग के /"वोट चोरी मॉडल/" के खिलाफ लड़ने की प्रतिबद्धता जताई। लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद जून 2024 में कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर विपक्षी गुट के शीर्ष नेताओं की बैठक के बाद आमने सामने की यह पहली बैठक थी।

सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • कैफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति विहार चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids सुनाई मशीन • Dental/ दंत रोग • मुख के कैंसर प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं.- 573034वी देखकर खरीदें। ओरिजनल का हौलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
HMS देखकर खरीदें
सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखे
94060-21769

Since-2000 केश शिखा (हर्बल ट्रीटमेंट)
मात्र 15 दिनों में
प्रोप्रायटरी - आयुर्वेदिक ऑईल
बालों का झड़ना रोकता है बाल काले, घने व मुलायम भी बनाता है
सभी आयुर्वेदिक एवं ऐलोपैथिक दुकानों में उपलब्ध।
Customer Care No. - 9425296176

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- घर पर काम करने के लिए एक लड़की की जरूरत है संपर्क करे ग्रीन पार्क कालोनी बिलासपुर मो 98937 38456 (38425)

आवश्यकता है- पार्सल डिलवरी करने हेतु लड़कों की जरूरत है तथा मेडिकल में कार्य हेतु लड़के की जरूरत है मो. 8319774327, 74898 74508 (38426)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती एवं योग्य लड़के/लड़की की आवश्यकता है, कम से कम 10/12वीं पास संपर्क करें:- मो.. 8718888555, वाट्सएप- 9827101976 (38422)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु एक लड़की/ महिला की आवश्यकता है कार्य समय सुबह 9बजे से शाम 6:30 बजे तक सम्पर्क करें- शिव मंदिर के पास, विद्या नगर, बिलासपुर 9685901101, 70009 53447 (38423)

आवश्यकता है- फाइनेन्स कम्पनी में सेल्स मैनेजर की आवश्यकता है योग्यता स्नातक, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीराम टॉवर के पास, व्यापार विहार बिलासपुर 7879923905, 99770 89866 (38416)

आवश्यकता है
डॉक्टर (MBBS)
नर्सिंग स्टॉफ (B.SC/GN)
काउन्टर स्टॉफ
आया बाई (हॉस्पिटल एवं पर्सनल कार्य हेतु)
सम्पर्क करें- सुबह 11 से 01 बजे तक
अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल
मगरपारा रोड, बिलासपुर
07752-226296,402543

आवश्यकता है- मोबाईल सर्विस सेंटर में एक स्टोर मैनेजर, रिसेप्शनिस्ट, मोबाइल एसेसरीज, मोबाइल रिपेयरिंग एवं साफ सफाई हेतु युवक/ युवती चाहिये वेतन 10000+ सम्पर्क करें- गुप्ता मोबाइल मेन रोड जूना बिलासपुर 86023 90000 (38420)

आवश्यकता है- सुर्या बार में कैप्टन, वेटर और गार्ड की आवश्यकता है अनुभव वाले सम्पर्क करें पुराना बस स्टैंड बिलासपुर सुर्या बार मोबाइल नम्बर 9755001888 (38421)

आवश्यकता है- होलसेल कपड़ा दुकान में कम्प्यूटर बिलिंग हेतु लड़की एवं दुकान में काम करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- हीरा ट्रेडिंग कम्पनी श्रीराम क्लाथ मार्केट बिलासपुर 9827112950, 8319617107 (38394)

आवश्यकता है- लॉज में सभी काम बिजली, नल, फर्नीचर, लेबर काम करवाने का जानकार लड़का कर्मचारी/ लड़कों। वेतन 10000 ग्रामीणों को रहना खाना निःशुल्क पता- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898, 9827940898 (38395)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर कार्य एवं हिन्दी टाइपिंग में निपुण अनुभवी, फील्ड हेतु मेहनती सुपरवाइजर, घरेलू कार्य, महिला की देखभाल हेतु महिला/ युवती, कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए। सम्पर्क करें- 9589944464, 6267249741 (38402)

आवश्यकता है- मेन्स वियर शोरूम में कार्य करने हेतु फ्रेशर/ अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शिवम मेन्स वियर, होटल अजीत के सामने तेलीपारा बिलासपुर 9098888271, 6266622011 (38404)

आवश्यकता है-भटगांव बस स्टैंड ISBT के समीप लड़कियों/ महिलाओं हेतु सर्वसुविधायुक्त हॉस्टल/ पीजी बेड मात्र 2700 प्रतिमाह एवं 300 प्रतिदिन में उपलब्ध DRD लेडीज हॉस्टल संपर्क -I-1, साईं विला भाटागांव 9827898889 (6765)

आवश्यकता है- गजमुख कंस्ट्रक्शन कम्पनी में कार्य करने के लिए 10 पद लड़क एवं लड़की स्टाफ की आवश्यकता है वेतन+ कमीशन उपलब्ध सम्पर्क करें- 74155 52666 (38403)

आवश्यकता है- वेल्डर फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस सरकंडा बिलासपुर 90395 24801, 9753511108 (38411)

आवश्यकता है- रायपुर एवं रायगढ़ में सिक्योरिटी गार्ड,सुपरवाइजर हेतु 8,10 पास, हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले वेतन 14500 से 18000 रहना फ्री+ PF + ESIC + खाने की सुविधा. Mo. 9201958117, 9201958114 (6764)

आवश्यकता है- त्रिमूर्ति मोटर्स में एक फिमेल बेसिक कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। एक्सेल नॉलेज जरूरी फील्ड सेल्स एक्जीक्यूटिव वेतन 8000 से 17000 संपर्कः त्रिमूर्ति मोटर्स सकरी 9244644241, 7000261672 (38409)

आवश्यकता है- रूमसर्विस हेतु अनुभवी वेटर्स एवं कुक की आवश्यकता है संपर्क करें सुबह 9 से 11 तक हॉटल शिवनेरी लिंकरोड बिलासपुर (38417)

आवश्यकता है- अतुल आटो तिफरा में निम्न पदों की आवश्यकता है सर्विस सुपरवाइजर- 2, ड्राइवर- 2, मैकेनिक- 5, हेल्पर- 5 अनुभवी ही सम्पर्क करें- 9303555032 (38419)

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में कार्य करने के लिए अनुभवी सेल्समैन युवक, सेल्सगर्ल युवती एव एक कार ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मंगलम ज्वेलर्स सदर बाजार बिलासपुर (38408)

बेचना

बेचना है- रायपुर रोड में बिलासपुर हाईकोर्ट के सामने, एयरपोर्ट रोड, मेन रोड से 50मी. अन्दर 50×200 वर्गफीट, व्यावसायिक, डायवर्सन, बाउन्ड्रीवाल, कार शोरूम, आटोमोबाईल, होटल एवं अन्य व्यावसायिक उपयोग हेतु उपयुक्त प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें-9300310774 (38390)

बेचना है-महाराणा प्रताप चौक सांई बाबा हॉस्पिटल के पास 2BHK मकान 22×45 ईस्ट फेसिंग 55लाख में बेचना है (लोन सुविधा उपलब्ध) सम्पर्क करें- 8461997770, 9329940681 (38366)

खरीदना

खरीदना- बिलासपुर से अधिकतम 15 कि.मी. की दूरी पर मेन रोड से लगी हुई कृषि भूमि खरीदना है। कृपया भूमि स्वामी ही सम्पर्क करें- 83490 54531 (38365)

किराया

Rent - Shop available for rent. With interior and AC 19×21, 19×25 sqft Ware House road Bilaspur (C.G.) Contact number 88222 22230 (38406)

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
• इसे नजर अंदाज कर छणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए तुरंत खून की जाँच कराए।
• क्या आप को किसी प्रकार के वायरल या संक्रमण रोग हैं। जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना, खुजली लाल होना, पेशाब में जलन या पीब आना, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग, हेपाटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सूजाक), रुबेला या एच.आई.वी. (HIV. AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं।
• क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग हैं सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रूसी, जोड़ो में दर्द, सूजन अंगुलियों का टेढ़ा होना, नाखूनो का सड़ना पुराना एकिजमा रोग हैं।
• क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान हैं जैसेः शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि।
ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई भी उपाय नहीं हैं। नीम हकिमों से सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्यूनो थैरिपी पर आधारित केवल रस -रसायन में ही हैं।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा साईंटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659
9617789223, 9303242200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

रोहित-विराट के संन्यास की अटकलें, ऑस्ट्रेलिया दौरा हो सकता है वनडे करियर का फेयरवेल!

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रोहित और विराट इसी साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम इंडिया का हिस्सा हो सकते हैं। कोहली और रोहित के लिए ये आखिरी ऑस्ट्रेलिया दौरा हो सकता है। अटकलें लगाई जा रही है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे से भी संन्यास लेने जा रहे हैं? शर्मा और कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद एक साथ इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। इंग्लैंड दौरे से पहले रोहित-कोहली ने एक हफ्ते के अंतराल में टेस्ट से भी रिटायरमेंट ले ली थी।

भारत का अगला टूर्नामेंट एशिया कप है, जो सितंबर में टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। भारत का अगला वनडे ऑस्ट्रेलिया के साथ है, जो अक्टूबर में होगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ये सीरीज इन दोनों की आखिरी वनडे

सीरीज भी साबित हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट में बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से बताया गया कि अगर रोहित और विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भी खेलना है तो उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी में खेलना पड़ सकता है। ये ट्रॉफी दिसंबर के अंत में शुरू होगी। बता दें कि दोनों इस साल शुरुआत में रणजी ट्रॉफी के बचे हुए मैचों में खेले थे, क्योंकि टेस्ट में खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने फैसला किया था कि बिना कोई ठोस कारण के अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेल रहे प्लेयर्स डोमेस्टिक टूर्नामेंट को मिस नहीं कर सकते। इसमें भी रोहित और कोहली का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था, जिसके बाद दोनों ने टेस्ट से भी रिटायरमेंट ले लिया था।

इसी बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने रोहित शर्मा से जुड़ा एक ऐसा पोस्टर जारी किया, जिसने भारतीय क्रिकेट फैन्स के बीच हलचल मचा दी। यह पोस्टर आईसीसी ने 2026 में भारत-इंग्लैंड के बीच इंग्लिश जमीन पर होने वाली व्हाइट बॉल सीरीज को लेकर जारी किया था। इस पोस्टर में रोहित शर्मा के अलावा हैरी ब्रूक की भी तस्वीर थी। रोहित जहां भारत की वनडे टीम के कप्तान हैं, वहीं ब्रूक व्हाइट बॉल क्रिकेट में इंग्लैंड की कप्तानी करते हैं।

जब तक अच्छा कर रहे तब तक खेलना चाहिए: गांगुली

कोलकाता। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के एकदिवसीय रिकॉर्ड को 'असाधारण' करार देते हुए कहा कि इन दोनों दिग्गजों को 50 ओवर के प्रारुप में तब तक खेलते रहना चाहिए जब तक कि उनका प्रदर्शन अच्छा है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में कयास लगाया गया है कि ऑस्ट्रेलिया का आगामी दौरा इन दोनों खिलाड़ियों का आखिरी वनडे दौरा हो सकता है। गांगुली ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि उन्हें ऐसे किसी बात की जानकारी नहीं है। गांगुली ने कहा, 'मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

9 सितंबर से टी-20 एशिया कप

दुबई में 9 सितंबर से शुरू होने वाले आगामी टी-20 एशिया कप के बारे में पूछे जाने पर गांगुली ने भारतीय टीम को जीत का दावेदार बताया। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड में पांच कड़े टेस्ट मैचों के बाद मिला आराम टीम के लिए बहुत जरूरी था। गांगुली ने कहा, ' खिलाड़ियों को विश्राम करने का जरूरी समय मिल गया है। उन्होंने आईपीएल के बाद पांच टेस्ट खेले और अब वे नौ सितंबर से एशिया कप खेलेंगे।' उन्होंने कहा, 'भारत बहुत मजबूत है। टीम अगर टेस्ट क्रिकेट में मजबूत हैं, तो वनडे और और भी ज्यादा मजबूत है। मैं समझता हूं कि भारत जीत का दावेदार होगा और दुबई की पिचों पर उन्हें हराना बहुत मुश्किल होगा।'

19 अक्टूबर से भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा

टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारुप से संन्यास ले चुके इन दोनों खिलाड़ियों ने 2027 के विश्व कप के बारे में अपनी योजनाओं को अभी तक स्पष्ट नहीं किया है। भारत का एकदिवसीय श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसके मैच पर्थ, एडिलेड और सिडनी में खेले जाएंगे। इसके बाद दिसंबर में भारत घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलेगा। भारती टीम 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ दो बार, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखलाओं में खेलेगी।

खबर संक्षेप

अल हिलाल और नुनेज के बीच 6 करोड़ 20 लाख डॉलर का एंग्रीमेंट

लंदन। सऊदी अरब के मशहूर फुटबॉल क्लब अल हिलाल ने ब्राजील के सुपरस्टार नेमार की जगह पर उरुग्वे के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी डार्विन नुनेज के साथ अनुबंध किया है। अल हिलाल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग में लिवरपूल की तरफ से खेलने वाले नुनेज के साथ तीन साल का अनुबंध किया है। रिपोर्टों के अनुसार यह अनुबंध छह करोड़ 20 लाख डॉलर में किया गया है। सऊदी अरब की सबसे सफल टीम अल हिलाल जनवरी में ब्राजील के दिग्गज खिलाड़ी नेमार को रिलीज करने के बाद एक और स्टार खिलाड़ी की तलाश में थी।

बीसीबी ने मार्शल को किया एसीयू सलाहकार नियुक्त

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) के पूर्व

प्रमुख एलेक्स मार्शल को अपने संचालन की देखरेख के लिए एक साल के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। बीसीबी ने मार्शल के अलावा दो और महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। जूलियन वुड को तीन महीने के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है जबकि टोनी हेमिंग दो साल के लिए पिच प्रबंधन के प्रमुख का पद संभालेंगे और सभी अंतरराष्ट्रीय स्थलों और क्यूरेटर के प्रभारी होंगे।

महिला हॉकी चैंपियनशिप: हरियाणा, झारखंड फाइनल में

काकीनाड़ा। हॉकी हरियाणा और हॉकी झारखंड ने जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में रविवार को 3-0 के समान अंतर से जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। कप्तान शशि काशा (आठवें मिनट) ने दिन के पहले सेमीफाइनल में हरियाणा को छत्तीसगढ़ हॉकी के खिलाफ शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद सुप्रिया (45वें मिनट, 47वें मिनट) ने लगातार दो गोल दागकर जीत सुनिश्चित की।

भविष्य में रन बनाना जरूरी: नायर

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज करुण नायर ने इस बात पर अफसोस जताया कि इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट श्रृंखला में मिली शुरुआत को वह बड़े स्कोर में

नहीं बदल पाए लेकिन वह समझते हैं कि इन निराशाओं को दूर करना उनके लिए भविष्य में रन बनाने के लिए जरूरी है। नायर ने आठ साल के अंतराल के बाद वापसी करते हुए चार टेस्ट मैच में 25 की औसत से 205 रन बनाए, जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल है। नायर ने कहा, 'मैं ओवल में मिली शुरुआत (जहां उन्होंने 57 रन बनाए) को शतक में नहीं बदल पाने से निराश था।

आस्ट्रेलिया बनाम साउथ अफ्रीका टी20: टिम ने लगाए 8 छक्के और 4 चौके

डेविड का कहर, 159 की स्ट्राइक रेट से ठोके 83 रन, आस्ट्रेलिया 17 रन से जीता

एजेंसी ▶▶ डार्विन

दक्षिण अफ्रीका के साथ तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम ने टिम डेविड की 83 रनों की दमदार पारी के दम पर 178 रन बनाए। डेविड ने अपनी तूफानी पारी में 52 गेंद पर 83 रन की जारी खेली, जिसमें उन्होंने 8 छक्के और 4 चौके लगाए,इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 159 था। आस्ट्रेलिया टीम ने दक्षिण अफ्रीका के सामने 179 रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में एडेन मार्करम की अगुआई वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर सिर्फ 161 रन बना पाई। साउथ अफ्रीका को 17 रन से हार का सामना करना पड़ा।दक्षिण अफ्रीका के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन ने सर्वाधिक 71 रन बनाए। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से जोश हेजलवुड और बेन ड्वार्शिस ने तीन-तीन विकेट झटके जबकि एडम जम्पा को दो और ग्लेन मैक्सवेल को एक विकेट मिला। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की तरफ से क्वेन मफाका ने चार विकेट झटके थे। वहीं, कगिसो रबाडा को दो सफलताएं मिलीं। इसके अलावा लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे और सेन्युरन मुथुस्वामी को एक-एक विकेट मिला।

डेविड ने तोड़ा 16 साल पुराना रिकॉर्ड: इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के दाएं हाथ के बल्लेबाज टिम डेविड ने 52 गेंदों में 83 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से चार चौके और आठ छक्के निकले।

युवा पेस सनसनी क्वेन मफाका ने चार विकेट लिए

पांचवें नंबर पर आए टिम डेविड ने चार चौके और आठ छक्के लगाए। यानी 83 में से 64 रन बाउंड्रीज से निकले। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 159.61 रहा। टिम डेविड जब बैटिंग करने आए तो ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 75/6 था। यहां से उन्होंने टीम को 164/8 तक पहुंचाया। टिम डेविड की तूफानी पारी के बूते ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 178 रन बनाए। साउथ अफ्रीका के लिए युवा पेस सनसनी क्वेन मफाका ने चार विकेट लिए। कागिसो रबाडा को दो तो लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे और सेनुरन मुथुसामी की झोली में एक-एक विकेट आए। मालूम हो कि साउथ अफ्रीकी टीम इस वक्त ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर है, जहां पहले तीन टी-20 मैच की सीरीज होगी इसके बाद इतने ही मुकाबलों की वनडे श्रृंखला भी खेली जाएगी।

क्वेना मफाका ने मचाया गदर

साउथ अफ्रीका के लिए 19 साल के तेज गेंदबाज क्वेना मफाका ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। क्वेना ने शानदार खेल दिखाते हुए अपने चार ओवर के स्पेल में सिर्फ 20 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाले गेंदबाज बन गए हैं। युवा तेज गेंदबाज ने टिम डेविड, मिचेल ओवन, बेन ड्वार्शुइस और एडम जैम्पा के विकेट हासिल किए। मफाका ने अब तक 9 मैच खेले हैं, जिसमें 28.00 की औसत के साथ 10 विकेट लिए हैं।

आस्ट्रेलिया ने जीता लगातार 9वां टी-20

ऑस्ट्रेलिया ने लगातार 9वां टी-20 अंतरराष्ट्रीय जीता है। डेविड के लगाए 8 छक्के किसी भी ऑस्ट्रेलियाई की ओर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक पारी में लगाए गए सबसे ज्यादा छक्के हैं। कंगारू टीम ने पावरप्ले के बाद 71/4 स्कोर बनाया था। यह ऑस्ट्रेलिया का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। बता दें कि 2020 में केपटाउन में ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती 6 ओवर के बाद 75/0 का स्कोर बनाया था।

उपलब्धि

एशियाई सर्फिंग में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने बुधियाल

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

भारत के रमेश बुधियाल ने एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप में पुरुषों के ओपन वर्ग में कांस्य पदक जीता। इस तरह से वह इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। बुधियाल इस प्रतियोगिता के पदक दौर में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। उन्होंने फाइनल में 12.60 अंक अर्जित कर कांस्य पदक जीता। कोरिया के कनोआ हीजे ने 15.17 अंक के साथ स्वर्ण पदक, जबकि इंडोनेशिया के पजार एरियाना ने 14.57 अंक के साथ रजत पदक जीता।

ओपन महिला वर्ग में जापान की अनरी मात्सुनो (14.90 अंक) ने हमवतन सुमोमो सातो (13.70) की कड़ी चुनौती से पार पाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। थाईलैंड की इसाबेल हिम्स ने 11.76 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। कोरिया के कनोआ हीजे ने 14.33 अंक प्राप्त कर अंडर-18 बालक वर्ग में भी स्वर्ण पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। चीन के शिदोंग वू (13.10) और शुलोउ जियांग (8) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। लड़कियों के अंडर-18 वर्ग में चीन की सिकी यांग ने 14.50 अंकों के साथ स्वर्ण पदक और उनकी हम वतन शुहान जिन (10.33) ने रजत पदक जीता। थाईलैंड की इसाबेल (8.10 अंक) ने कांस्य पदक हासिल किया।

दीक्षा ने पार स्कोर बनाया, 13वें स्थान पर रहीं

लंदन। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पार 73 का स्कोर बनाया। पहले दौर के बाद संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर मौजूद दीक्षा अब संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर खिसक गई हैं। दीक्षा के अलावा प्रणवी उर्स और अदिति अशोक भी कट हासिल करने में सफल रहीं। प्रणवी (75-71) पार के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 28वें स्थान पर हैं। अदिति (73-74) का कुल स्कोर एक ओवर है और वह संयुक्त 37वें स्थान पर हैं। भारत की अवनि प्रशांत (76-76) कट हासिल करने में नाकाम रहीं जो तीन ओवर पर तय किया गया था।

30 सितंबर से शुरू होगा वनडे विश्व कप

विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड ने भारत में शुरू की प्रैक्टिस

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले महिला वनडे विश्व कप को शुरू होने में अब दो महीने से भी कम समय बचा है और न्यूजीलैंड की कई प्रमुख खिलाड़ी इस वैश्विक टूर्नामेंट की तैयारी के सिलसिले में चेन्नई पहुंच गई हैं।

इस दस सदस्यीय टीम में सात क्रिकेटर केंद्रीय अनुबंधित हैं और वे मुख्य कोच बेन सॉयर और सहायक कोच क्रेग मैकमिलन के मार्गदर्शन में चेन्नई सुपर किंग्स अकादमी में दो सप्ताह के शिविर में भाग ले रहे हैं।

न्यूजीलैंड की टीम महिला टी-20 विश्व कप की मौजूदा चैंपियन है और वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले वनडे विश्व कप में जीत हासिल करके अपने नाम पर दोहरा खिताब दर्ज करने की कोशिश करेगी।

अभियान की शुरुआत एक अक्टूबर को इंदौर में

सात अनुबंधित खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज जेस केर, युवा सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर और ऑलराउंडर ब्रुक हॉलिडे भी शामिल हैं। इनके अलावा इजी शार्प, फ्लोरा डेवोनशर और एम्मा मैकलियोड जैसी उभरती हुई खिलाड़ी भी शिविर में भाग ले रही हैं। सॉयर ने कहा कि भारत में अभ्यास शिविर लगाने का फैसला इसलिए किया गया है क्योंकि न्यूजीलैंड में अभी सर्दी का मौसम है। सॉयर ने कहा, 'इस समय न्यूजीलैंड में सर्दी का मौसम है और वहां अभी किसी तरह की क्रिकेट नहीं खेली जा रही है जबकि विश्व कप शुरू होने में अब दो महीने से भी कम समय बचा है। मुझे पूरा विश्वास है कि यहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के बाद हमारे खिलाड़ी विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।' उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में खिलाड़ियों को फिट बनाए रखने के लिए न्यूजीलैंड आहार विशेषज्ञ की भी मदद ले रहा है। सॉयर ने कहा, 'हमने पिछले पांच दिनों में वास्तव में कड़ा अभ्यास किया है। हम यहां की परिस्थितियों में ढलने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।' न्यूजीलैंड महिला वनडे विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत एक अक्टूबर को इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा।

निशा और मुस्कान ने जीता गोल्ड, भारत के नाम रहे 9 पदक

एजेंसी : बैंकॉक

भारतीय युवा मुक्केबाजों ने अंडर-19 एशियाई चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। महिला मुक्केबाज निशा और मुस्कान ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि अन्य पांच खिलाड़ियों ने रजत पदक जीते। इस प्रतियोगिता के अंडर 19 वर्ग में भाग लेने वाली 10 महिला मुक्केबाजों में से नौ पदक जीतकर वापस लौटेंगी, जिनमें दो स्वर्ण और पांच रजत के अलावा दो कांस्य पदक शामिल हैं।

भारतीय मुक्केबाजों ने दी कड़ी चुनौती

भारतीय खिलाड़ियों ने कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और चीन जैसे देशों के मुक्केबाजों को कड़ी चुनौती देकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। निशा ने 54 किग्रा वर्ग में चीन की सिरुई यांग के खिलाफ तीसरे और अंतिम दौर में अपने खेल के स्तर को ऊंचा करते हुए 3-1 से जीत दर्ज की, जबकि मुस्कान (57 किग्रा) ने आक्रामक इरादे दिखाते हुए कजाकिस्तान की अयाझान एर्मेक की चुनौती को 3-2 के खंडित फैसले से मात दी। आरती कुमारी (75 किग्रा) को चीन की टोंगटोंग गु से हार का सामना करना पड़ा, जबकि कृतिका वासन (80 किग्रा) का प्रयास कजाकिस्तान की कुरावे येगिनबाइकिजी के खिलाफ 2:3 से हार से बचने के लिए काफी नहीं था। पारची टोकस (80+ किग्रा) को उज्बेकिस्तान की सोबिराखोन शाहोबिदिनोवा के खिलाफ इसी तरह के अंतर से हार मिली।

भारत के अंडर-22 में पहले ही 13 पदक पक्के

विनी 60 किग्रा फाइनल में उज्बेकिस्तान की सेवारा ममातोवा से हार गईं, जबकि 65 किग्रा के खिताबी मुकाबले में जापान की अरिंदा अकीमोटो ने निशा को 4-1 से हराया। पुरुष वर्ग के फाइनल में भी तीन भारतीय मुक्केबाज चुनौती पेश करेंगे। भारतीय मुक्केबाजों ने अंडर-22 वर्ग में पहले ही 13 पदक पक्के कर लिए हैं। इसके स्वर्ण पदक के मैच सोमवार को खेले जाएंगे। भारत ने अंडर-19 और अंडर-22 वर्ग में इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में 40 खिलाड़ियों का दल उतारा है।

जापान के दो मुक्केबाजों की सिर में चोट लगने से मौत

एजेंसी ▶▶ टोकियो

जापान के दो मुक्केबाजों की तोक्यो के कोराकुएन हॉल में अलग-अलग मुकाबलों में मस्तिष्क में चोट लगने के कारण मौत हो गई। पहली घटना 2 अगस्त को घटी जब 28 वर्षीय शिगेतोशी कोटारी ओरिएंटल एंड पैसिफिक बॉक्सिंग फेडरेशन के जूनियर लाइटवेट चैंपियन यामातो हाटा के खिलाफ 12 राउंड का ड्रॉ पूरा करने के तुरंत बाद बेहोश हो गए। उनकी सबड्यूरल हेमेटोमा (एक ऐसी स्थिति जिसमें मस्तिष्क और खोपड़ी के बीच खून जमा हो जाता है) के लिए आपातकालीन

सर्जरी की गई थी, लेकिन शुक्रवार को उनकी मृत्यु हो गई। पेशेवर मुक्केबाजी की सर्वोच्च संस्था विश्व मुक्केबाजी संगठन (डब्ल्यूबीओ) ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मुक्केबाजी जगत जापान के मुक्केबाज शिगेतोशी कोटारी की दुखद मौत पर शोक व्यक्त करता है।

आम सूचना

ICICI Bank

पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, चकली सर्किल के पास, ओल्ड पादरा रोड, वडोदरा- 390 007
कारपोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स मुंबई 400051

स्वर्ण ई-नीलामी सह आमंत्रण सूचना

नीचे उल्लिखित ऋणधारकों को स्वर्ण आभूषण के एवज में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (ICICI Bank) से उन्हें उपलब्ध कराई गई ("सुविधा") में बकाया धनराशि को चुक्ता करने हेतु सूचना जारी की जा चुकी है। चूंकि ऋणधारक सुविधा अन्तर्गत बकाया भुगतान करने में असफल हो चुके हैं, हम **21 अगस्त, 2025** को बंधक स्वर्ण आभूषणों की ई-नीलामी व्यवहृत करने को बाध्य हैं। आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के किसी खाता को हटाने का/ई-नीलामी की तारीख में परिवर्तन करने का अधिकार रखता है। नीलामी ऑनलाईन **https://gold.samil.in पर 12:30 बजे अपराह्न से 3:30 बजे** अपराह्न के बीच आयोजित की जायेगी। विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया दी गई वेबसाईट का अवलोकन करें। ऋणधारक की मृत्यु की स्थिति में उसके वैध उत्तराधिकारी पर सभी नियम एवं शर्तें लागू होंगी।

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : अंबिकापुर	
042562002545	राधेश्याम राजवाड़े
शाखा का नाम : अंबिकापुर-खरशिया रोड	
544962000009	विभांशु गुप्ता
शाखा का नाम : बालोद	
328262001838	मीरा बाई
शाखा का नाम : बस्तर, छत्तीसगढ़	
360162001966	उपेन्द्र कश्यप
360162001957	योगेश बघेल
360162001963	श्रवण कुमार सोनी
शाखा का नाम : भिलाई	
018662008277	साहिल भल्ला
018662008456	साहिल भल्ला
शाखा का नाम : भिलाई नगर-भिलाई 3	
741862000776	संजय कुमार दर्मा
शाखा का नाम : भिलाईनगर-नंदिनीरोड	
181562002239	शिव सागर पाण्डेय
181562002244	विजय कपूर सिंह
शाखा का नाम : बिलासपुर-गुरूनानक चौक	
242562001308	काली दास
242562001986	सूरज कुमार यादव
शाखा का नाम : बिलासपुर-मंगला चौक	
181462002424	नेहा मानिकपुरी
181462002664	राजाराम यादव
181462002665	रोहन यादव
शाखा का नाम : बिलासपुर-सरकंडा	
734962000624	राहुल कुमार मिश्रा
शाखा का नाम : बिलासपुर-तेलीपारा	
134462003163	सूरज पाण्डेय
शाखा का नाम : बिलासपुर-व्यापार विहार	
028262007064	मुकेश कुमार
शाखा का नाम : चिरमिरी	
162562002953	अलीमुद्दीन
162562002864	महेन्द्र सिंह
शाखा का नाम : दल्ली राजहरा	
197762001249	सविता मंडावी
शाखा का नाम : धरमजयगढ़, छत्तीसगढ़	
372362000576	गेंदाराम राठिया

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : दीपका	
216557000053	प्रताप दास
शाखा का नाम : घरघोड़ा, छत्तीसगढ़	
372262001560	वरुण करोरा
372262001533	सुनील चौहान
शाखा का नाम : जगदलपुर	
108557000123	तारा कुशवाहा
108562010302	खालिद खान
108562012476	पूजा पूजा
108562011643	नारायण बघेल
108562012215	महेन्द्र सिंह गौरव
108562012219	भानु प्रताप सिंह ठाकुर
108562012222	अनादि नाग
108562012454	शारदु नाग
108562012465	महेश कोरसा
शाखा का नाम : जगदलपुर II	
443162001252	दिलिप कश्यप
शाखा का नाम : जांजगीर-नेताजी चौक	
782862000131	कृष्ण कान्हैया
शाखा का नाम : कांकेर, छत्तीसगढ़	
371762002409	नागेश्वरी मानिकपुरी
शाखा का नाम : कवर्धा	
098757000031	रेखा सिंह
शाखा का नाम : खरसिया	
202262003924	गोमती बाई जगत
शाखा का नाम : कोण्डागांव, छत्तीसगढ़	
328162000963	मलसाय सोरी
328162005661	ऋषभ जायसवाल
328162005731	कमलेश नायक
328162006088	लोमन सिंह नेताम
शाखा का नाम : कोरबा	
035362003728	रमेश कुमार
शाखा का नाम : कोरबा-बालको नगर	
756062000604	ममता प्रसाद
शाखा का नाम : कुरुसी, छत्तीसगढ़	
372162000223	दिलीप कुमार यादव
372105000283	कुमारी किरण किंडा
शाखा का नाम : महासमुंद	
084162003817	दामिनी सिन्हा
शाखा का नाम : नागरनार	
263962003078	रमेश रमेश
263962003193	फग्गनू राम नाग

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : नारायणपुर	
783562000323	महिमा मरकाम
783562000279	जितेन्द्र बघेल
783562000280	संत राम बघेल
783562000282	मनीष कुमार
783562000285	सुकोम कोर्राम
शाखा का नाम : नया रायपुर	
390762000552	विनीता सिंह
शाखा का नाम : पाली, छत्तीसगढ़	
280462000900	कौशिल्या बाई
शाखा का नाम : पत्थलगांव	
782162000098	कृष्ण कुमार नेताम
782162000077	राम किशोर गुप्ता
शाखा का नाम : रायगढ़	
092662002909	प्रीति मैत्री
शाखा का नाम : रायपुर-मोवा	
427857000007	अनंतप्रीत कौर भल्ला
427857000012	अनंतप्रीत कौर भल्ला
427857000017	अनंतप्रीत कौर भल्ला
427857000030	अनंतप्रीत कौर भल्ला
427857000046	अनंतप्रीत कौर भल्ला
शाखा का नाम : रायपुर-शंकर नगर	
251557000039	सूरज यादव
शाखा का नाम : रायपुर-टाटीबंद	
251662001142	बलराम साहू
शाखा का नाम : रायपुर-फाफाडीह	
438662000761	कुंदन यादव
शाखा का नाम : राजनांदगांव	
062462002941	गुंजन सिंह भाटिया
शाखा का नाम : सरायपाली	
783262000245	सर्ग रविशंकर भोई
783262000255	पुरुषोतम लाल मैत्री
शाखा का नाम : सारंगढ़-छत्तीसगढ़	
371862001024	सत्य नारायण लहरे
371862001983	माधुरी यादव
371862002167	सुनीता खुटे
371862002465	दुलीरिन दुलीरिन
371862002767	भानु प्रताप महिलाने
शाखा का नाम : सुरजपुर	
749662000677	शोभनाथ शोभनाथ

दिनांक : 11.08.2025
स्थान : बस्तर, रायगढ़, रायपुर, कोण्डागांव, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, जशपुर, बालोद, सारंगढ़-बिलाईगढ़, महासमुंद, उत्तर बस्तर कांकेर, बिलासपुर, कबीरधाम, दुर्ग, कोरबा, नारायणपुर, सरगुजा, बलरामपुर, जांजगीर-चांपा, राजनांदगांव, सुरजपुर

सही - प्राधिकृत अधिकारी
कृते, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

अचानक हो गया था लंबा दिन, पृथ्वी की गति हो गई थी धीमी, क्या दुनिया के लिए कोई खतरा है?

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों ने पृथ्वी को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि पांच अगस्त को पृथ्वी के घूर्णन की गति सामान्य से कम हो गई थी। इसकी वजह से दिन थोड़ा लंबा हो गया, लेकिन यह अंतर सामान्य लोगों को समझ नहीं आया। वैज्ञानिकों ने इस घटना को बेहद अहम बताया है। उनका कहना है कि इस घटना से उन शक्तियों के बारे में जानकारी मिल सकती है, जो पृथ्वी के घूर्णन को प्रभावित करती है। पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है और सूर्य का चक्कर लगाती है। पृथ्वी की घूर्णन गति भूमध्य रेखा पर करीब 1,670 किलोमीटर प्रति घंटा है। पृथ्वी करीब 107,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सूर्य की परिक्रमा करती है।

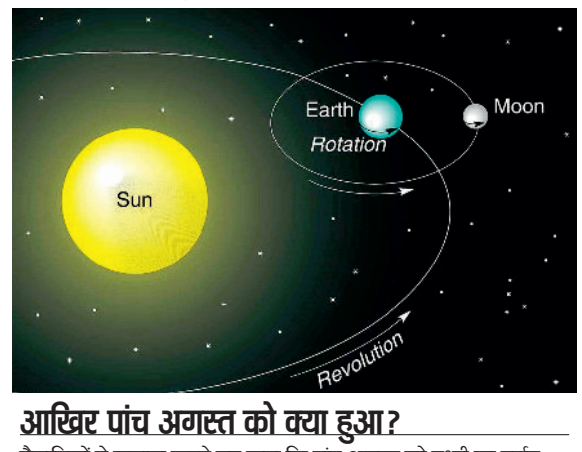

आखिर पांच अगस्त को क्या हुआ?

वैज्ञानिकों ने खुलासा करते हुए कहा कि पांच अगस्त को पृथ्वी का घूर्णन करीब 86,400.00145 सेकंड तक चला। यह औसत से करीब 1.45 मिली सेकंड ज्यादा है। पृथ्वी की घूमने की गति में होना वाला यह बदलाव छोटा है, जिसकी वजह से परमाणु घड़ियों और खगोलीय प्रेक्षणों का इस्तेमाल किया गया और सटीक मापन से इसका पता लगाया गया।

इतने सेकंड का होता है सौर दिवस

एक दिन यानी सौर दिवस 24 घंटे या 86,400 सेकंड का होता है, जिसमें हवा के पैटर्न, समुद्री धाराओं और पृथ्वी के आंतरिक भाग में होने वाली गतिविधियों में बदलाव की वजह से छोटे-छोटे परिवर्तन स्वाभाविक रूप से होते हैं। साथ ही चंद्रमा का ज्वारीय खिंचाव पृथ्वी के घूर्णन की गति को धीमा करने की भी मुख्य वजह है। वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के घूर्णन की गति को लेकर कहा कि दक्षिणी गोलार्ध में वायुमंडलीय परिस्थितियों से पांच अगस्त को पृथ्वी के घूमने की गति में आई कमी जुड़ी थी। कुछ इलाकों में सामान्य से अधिक तेज हवाओं की वजह से पृथ्वी की सतह पर एक मिनट की रुकावट आई। इससे दिन की लंबाई में मिलीसेकंड की बढ़ोतरी हुई है।

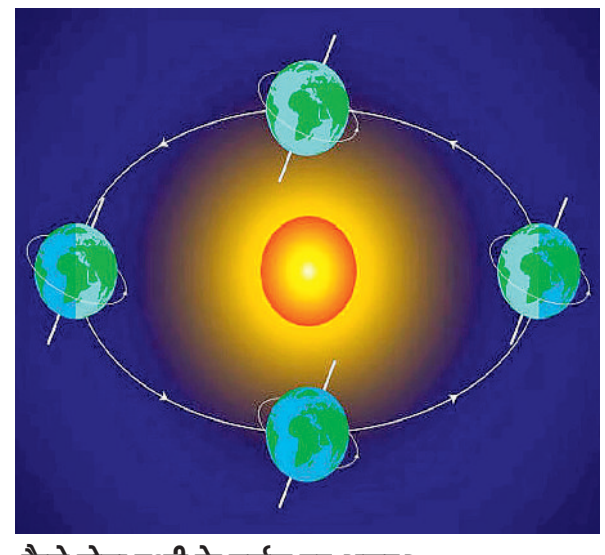

कैसे होता पृथ्वी के घूर्णन पर असर?

चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण से समुद्री धाराएं प्रभावित होती हैं, जिसने इसमें योगदान दिया। वैज्ञानिकों का कहना है कि जब ज्वारीय खिंचाव थोड़ा अधिक होता है, तो ऐसी घटनाएं सामनाएं आती हैं। पृथ्वी के पिघले हुए बाहरी कोर के अंदर की गतिविधियां भी घूर्णन गति पर प्रभाव डालती हैं। वैज्ञानिकों ने कहा कि पृथ्वी के घूर्णन में एक मिलीसेकंड से थोड़ा अधिक का भी बदलाव जीपीएस नेविगेशन और उपग्रह संचार जैसी अत्यधिक सटीक प्रणालियों पर प्रभाव डाल सकता है। अगर ऐसा होता है तो समय से जुड़ी कई गणनाएं गलत साबित हो सकती हैं।

जांच में लापरवाही से हत्या का आरोपी बरी, हाईकोर्ट ने कहा- कानून के अनिवार्य प्रावधानों का कड़ाई से पालन जरूरी

मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को आदेश की कापी भेजने कहा

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने गंभीर अपराध की जांच में पुलिस द्वारा की गई घोर लापरवाही पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा है कि अभियोजन एजेंसी द्वारा की गई घोर विसंगतियों और चूक की गई। इससे आरोपियों को लाभ मिलता है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को अभियोजन और जाँच एजेंसियों की कार्रवाइयों पर सतर्क निगरानी रखने का आदेश दिया गया ताकि अभियुक्तों को अभियोजन पक्ष की लापरवाही से अनुचित लाभ उठाने से रोका जा सके, निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित की जा सके, और कानून के शासन और उचित प्रक्रिया की पवित्रता को बनाए रखा जा सके। हाईकोर्ट ने इसके साथ ही धारा 302 के आरोपी को बरी कर दिया है। हाईकोर्ट ने आदेश की कापी मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, छत्तीसगढ़ को भेजने कहा है जिससे की भविष्य में कानून के अनिवार्य प्रावधानों का कड़ाई से पालन किया जा सके।

प्रकरण के मुताबिक पुलिस चौकी मणिपुर अंबिकापुर में मई 2019 में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इसमें मां सविता ने कहा कि उनकी बेटी सुनीता

की वर्ष 2007 में संतराम रवि के साथ विवाह हुआ था। विवाह के बाद से पति संतराम रवि दहेज के नाम पर मारपीट करता था। दो मई 2019 को सीताराम ने पत्नी सुनीता से मारपीट की और मिट्टी का तेल डालकर जान से मारने की नीयत से आग लगा दी। सुनीता किसी तरह आग बुझाने के लिए घर से बाहर भागी, तो उसके बड़े देवर कृष्ण रवि और उसकी पत्नी शांति, जो पड़ोस में रहते हैं, ने शोर सुना और उसे इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान सुनीता की मौत हो गई। इससे पहले सुनीता का मृत्युपूर्व बयान उप तहसीलदार किशोर कुमार वर्मा ने दर्ज किया।

आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी

अंबिकापुर सत्र न्यायालय ने आरोपी को 498 में दो वर्ष कठोर कारावास एवं 302 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके खिलाफ आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील पेश की थी। हाईकोर्ट ने जांच में लापरवाही का लाभ देते हुए अपील को स्वीकार किया है। आरोपी की ओर से अपील में कहा गया कि निचली अदालत द्वारा अपीलकर्ता को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी ठहराना पूरी तरह से अनुचित है, क्योंकि अभियोजन पक्ष अपराध को उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि अपीलकर्ता के खिलाफ कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है जो उसे प्रश्नाधीन अपराध से जोड़ता हो। उसके पास से कोई भी आपत्तिजनक जब्ती नहीं है। इस मामले में कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं है और अभियोजन पक्ष के अनुसार और जिस व्यक्ति के बारे में कहा जाता है कि उसने अपराध होते देखा था, उसने अभियोजन पक्ष की पूरी कहानी का समर्थन नहीं किया है।

हाईकोर्ट ने गिनाईं यह कमियां

हाईकोर्ट ने कहा कि मृत्यु पूर्व कथन दर्ज होने के बावजूद अभिलेखों की गहन जांच से महत्वपूर्ण खामियां सामने आती हैं जो इसकी विश्वसनीयता को कमजोर करती हैं। उल्लेखनीय रूप से, बयानों की पुष्टि के लिए उचित साक्ष्यों का अभाव है, जो पर्याप्त गंभीरता को कम करते हैं। चिकित्सा अधिकारी और सरकारी अधिकारियों सहित महत्वपूर्ण गवाहों से जुड़ी विभिन्न विसंगतियां भी सामने आई हैं। विशेष रूप से, मृतक की मानसिक और शारीरिक योग्यता को प्रमाणित करने के लिए जिम्मेदार डॉक्टर की निचली अदालत द्वारा जांच नहीं की गई, न ही इस महत्वपूर्ण गवाह को निचली अदालत द्वारा मुकदमे की कार्यवाही के दौरान अदालती गवाह के रूप में बुलाने का कोई प्रयास किया गया। इसके अलावा उप तहसीलदार, जिन्होंने मृत्युपूर्व बयान दर्ज किया था उसने भी लापरवाही की है। जांच अधिकारी, जिसने आरोप पत्र प्रस्तुत किया था, उसने भी फोरेंसिक लैब से विसरा रिपोर्ट प्राप्त किए बिना आरोप पत्र प्रस्तुत कर दिया।

14 साल से पीड़ित 86 परिवारों को हाईकोर्ट से मिली राहत

बालको के कोल यार्ड और कूलिंग टॉवर से प्रभावित परिवारों को मिलेगा पुनर्वास

बिलासपुर। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने कोरबा के बालको के कोल यार्ड और कुलिंग टॉवर से प्रभावित 86 परिवारों को राहत दी है। हाईकोर्ट ने कोरबा कलेक्टर को आदेश दिया है कि पीड़ित परिवारों को तत्काल पुनर्वास उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उनके लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने का आदेश भी दिया है। ध्यान रहे कि यह परिवार पिछले 14 साल से कुलिंग टॉवर और कोल यार्ड से परेशान हैं।

दरअसल, कोरबा के शांतिनगर, न्यू शांतिनगर और रिंग रोड इलाके में बालको की विस्तार परियोजना (2004-2022) के तहत बनाए गए कुंलिग टावर और वृहद कोल यार्ड के प्रदूषण से 200 से अधिक परिवार परेशान थे, जिनके जीवन पर संकट गहराने लगा है। यहां रहने वाले परिवार अस्थमा सहित अन्य बीमारियों से परेशान हैं। इस गंभीर मामले को लेकर याचिकाकर्ता डिलेन्द्र यादव ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि पहले अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा बालको कंपनी को पत्र जारी कर पुनर्वास प्रक्रिया प्रारंभ करने को कहा था लेकिन, कंपनी ने कोई कदम नहीं उठाया। पत्र में 46 अतिरिक्त प्रभावित परिवारों को पुनर्वास और रोजगार उपलब्ध कराने का उल्लेख था, जो अब तक लंबित है।

राज्य शासन की ओर से कोई आपत्ति नहीं

याचिका में कहा गया कि बीते 14 वर्षों में बालको ने शांतिनगर और उसके आसपास के रिहायशी क्षेत्रों के पास वृहद कोल यार्ड का निर्माण कर दिया, जिससे वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया। इसके चलते बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को सांस, त्वचा व अन्य गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। कुल मिलाकर 206 परिवार इस प्रदूषण के सीधे शिकार बने हुए हैं। याचिका में प्रभावितों को पुनर्वास और प्रदूषण से सुरक्षा की मांग की गई। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कोरबा कलेक्टर प्रभावित परिवारों को तत्काल पुनर्वास उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए भी निर्देशित किया है। खास बात यह है कि सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से कोई आपत्ति दर्ज नहीं की गई।

रोचक खबरें

इस दूल्हे ने स्पेस में गर्लफ्रेंड से रचाई शादी, लोग भी रह गए हैरान

न्यूयार्क। कोई भी लड़का-लड़की और प्रेमी जोड़े अपनी शादी को यादगार बनाना चाहते हैं, इसके लिए वे लाखों रुपए खर्च करते हैं। लेकिन, अगर किसी प्रेमी जोड़े की शादी स्पेस में हो उनके लिए वो कैसा पल होगा? आप सोच सकते हैं। लेकिन यह सच है। तारीख में ऐसी शादी हुई है। 22 साल पहले एकातेरिना दिमित्रिव नाम की प्रेमिका ने अमेरिका के टेक्सास में जमीन पर खड़े होकर अपने प्रेमी रूसी एस्ट्रोनॉट यूरी मालेनचेंको से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की परिक्रमा करते हुए शादी की थी। मैलेनचेंको और उनकी अमेरिकी प्रेमिका दिमित्रिएव के बीच शादी आईएसएस और ह्यूस्टन में मौजूद नासा स्पेस कंट्रोल के बीच उपग्रह कनेक्शन के जरिए से हुआ था। इस शादी की खास बात यह है कि 10 अगस्त 2003 को मालेनचेंको ने इस यादगार मौके पर तैयार होने के लिए अपने स्पेस सूट के अलावा एक बो-टाई पहनी थी। जबकि दिमित्रीव ने पारंपरिक हाथीदांत रंग की शादी की पोशाक पहनी थी और ह्यूस्टन में मौजूद नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में अपने नए पति के लाइफ साइज कार्डबोर्ड कटआउट के पास पोज़ दिया था।

प्राचीन मिस्र की हाई-टेक तकनीक...वैज्ञानिकों ने सुलझा लिया पिरामिड बनने का रहस्य

काहिरा। मिस्र की प्राचीन दुनिया हमेशा से ही चर्चा का विषय बनी रहती है। हाल ही में वैज्ञानिकों ने ऐसी खोज की है जिससे मिस्र की इंजीनियरिंग के बार में हमारी समझ को बदल सकती है। वैज्ञानिकों ने जोसर के पिरामिड के पास बहुत ही हाई-टेक जल प्रबंधन प्रणाली की खोज की है। जोसर के पिरामिड के चारों ओर मिले इस बेहतरीन जल प्रबंधन प्रणाली में बांध, घाटियां और नाले शामिल हैं। इस खोज से ये पता चलता है कि पुराने मिस्र के लोगों को हाइड्रोलिक इंजीनियरिंग की बहुत ही अच्छी समझ थी। इस खोज से इतिहासकार और वैज्ञानिक ये फिर से सोच रहे हैं कि प्राचीन मिस्र की सभ्यता इतनी बड़ी और शानदार चीजें कैसे बना पाती थी। पुरातत्वविदों को साककारा में रहस्यमय इमारत मिली है, जिसका नाम गिसर-अल मुदीर है और यह 1180 फीट तक लंबी है और मिस्र की सबसे पुरानी इमारतों में से एक है।

क्या है गिसर-अल मुदीर?

यह प्राचीन मिस्र की सबसे पुरानी इमारतों में से एक है, जिसका आकार 1,180 फीट है। वैज्ञानिकों लंबे समझने से ये समझने की कोशिश में जुट थे कि इसे क्यों बनाया गया था। इसे लेकर जेवियर लैंड्रेउ और उनकी टीम ने नया अध्ययन किया है। अध्ययन के मुताबिक ये इमारत शायद कभी एक बांध थी जो बारिश के मौसम में आने वाले पानी को रोकती थी।पहले ऐसा माना जाता था कि ये इमारत पूजा या सुरक्षा के काम में आती थी।

कितना पानी रोक सकता था?

वैज्ञानिकों ने ढलानों और कटाव के तरीकों का अध्ययन का इस्तेमाल करके इस बात का पता लगाया गया है कि इस जगह को पानी इकट्ठा करने के लिए कैसे बनाया गया था। इस पत्थर के बांध की मदद से 14 मिलियन क्यूबिक फीट पानी को रोका जा सकता था।

कैसे होता था हाइड्रोलिक का निर्माण?

रूरी होने के बाद भी सिर्फ पानी की मदद से पिरामिड बनाने के लिए बड़े-बड़े चूना पत्थर के ब्लॉक नहीं उठाए जा सकते थे। इसका असली राज छिपा था जोसर पिरामिड के नीचे। इस जगह पर एक बड़ी खाई मिली है जिसे पहले सिर्फ एक ढांचा माना जाता था। लेकिन, अब पता चला है कि ये खाई आपस में जुड़े हुए बेसिन और डिब्बों का सिस्टम में जिसे डीप ट्रेंच कहा जाता है। ये जल शोधन संयंत्र की तरह काम करती थी।

कैसे इस्तेमाल करते थे हाइड्रोलिक लिफ्ट?

पिरामिड के नीचे 2 सुरंगें थीं जो एक लंबी गैलरी से जुड़ी थी। माना जाता है कि पानी के दबाव में एक तैरने वाला मंच ऊपर आता था। इस पर पत्थरों को रखकर उन्हें ऊपर लाया जाता था और जैसे ही पत्थर ऊपर आते थे तो उन्हें पिरामिड के ऊपरी हिस्से पर पहुंचा दिया जाता था। इस खोज से पता चलता है कि प्राचीन मिस्र के लोग एक हाइड्रोलिक लिफ्ट जैसी तकनीक का इस्तेमाल करते थे, जिससे कम मेहनत में भारी पत्थर उठा सकें।

वो भूतहा गांव, जो सदियों से पड़ा है वीरान, चारों ओर पसरा है सन्नाटा!

लंदन। इंग्लैंड के यॉर्कशायर वोल्ड्स की हरी-भरी पहाड़ियों के बीच एक ऐसी जगह है जिसे देखकर ऐसा लगता है कि वो समय में थम सी गई है। कभी यहां मध्यकालीन जीवन की चहल-पहल गूंजती थी, लेकिन आज यह पूरी तरह सुनसान है।

1960 के दशक में जब पुरातत्वविदों ने खुदाई की, तो उन्हें गांव के कब्रिस्तान से दूर एक गड्ढे में 100 से ज्यादा मानव हड्डियां मिलीं। पहले लगा कि ये हड्डियां रोमन काल या प्रागैतिहासिक युग की हैं, लेकिन रेडियोकार्बन परीक्षण से पता चला कि ये गांव के मध्यकालीन निवासियों की थीं। इतिहासकार हैरान थे कि इन्हें पवित्र जमीन से दूर क्यों दफनाया गया।

आइब्रो, मूंछ दाड़ी के बालों का प्रत्यारोपण
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के उपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

20 साल का लड़का बना राष्ट्रपति! 400 नागरिकों के साथ बनाया अपना अलग देश

लंदन। क्या आपने कभी सोचा है कि एक दिन आप अपना खुद का देश बना सकते हैं? यह सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन एक 20 साल के लड़के ने इसे सच कर दिखाया है। उसने क्रोएशिया और सर्बिया के बीच जमीन के एक विवादित टुकड़े पर खुद को एक स्व-घोषित देश का राष्ट्रपति घोषित कर दिया है। इतना ही नहीं, इस देश का अपना झंडा, एक पूरा मंत्रिमंडल, अपनी मुद्रा और करीब 400 नागरिक भी हैं! ब्रिटेन के रहने वाले इस बीस साल के लड़के का नाम डैनियल जैक्सन है, जिसने फ्री रिपब्लिक ऑफ वेर्डिस की स्थापना की। यह माइक्रोनेशन, डेन्यूब नदी के किनारे जंगल का 125 एकड़ से भी कम का एक छोटा सा हिस्सा है। उन्होंने इस जगह को तब खोजा, जब उन्हें पता चला कि पड़ोसी देशों क्रोएशिया और सर्बिया के बीच चल रहे सीमा विवाद के कारण इस क्षेत्र पर किसी का दावा नहीं है। यह जमीन 'पॉकेट थ्री'के नाम से जानी जाती है। उन्होंने अपने इस देश का ऑफिशियल वेबसाइट भी बनाया है।

दुनिया का दूसरा सबसे छोटा देश बन गया : डैनियल जैक्सन बताते हैं, 'माइक्रो नेशन वेर्डिस एक ऐसा विचार था, जो मुझे 14 साल की उम्र में आया था। यह बस कुछ दोस्तों के साथ एक छोटा सा प्रयोग था। ह

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
पेट एवं लीवर रोग विभाग
• दर्दरहित इण्डोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी, इण्डोस्कोपिक-सोनोग्राफी एवं ई.आर.सी.पी. का एडवांस सेंटर
• गैस, कब्जियत, पेट दर्द, उल्टी, ज्वाइंडिस (पीलिया), एनीमिया
• लीवर एवं एल्कोहल जनित रोगों हेतु ICU सुविधा (प्लास्मा फेरेसिस सुविधा के साथ)
• पैनक्रियाटायटिस एवं इन्फ्लामेट्री बोवेल डिसीज का उच्च स्तरीय उपचार
• पैनक्रियास, लीवर, पेट, आंत एवं गॉल ब्लेडर आदि के कैंसर की एडवांस सुविधा
आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, सी.जी.एच.एस., सभी कोरपोरेट संस्थाओं एवं सभी इंश्योरेंस कंपनियों से ईलाज की सुविधा उपलब्ध
डॉ. भाविक शाह
Dr. NB (Gastro), MRCP-SCE, UK (Gastro), MNAMS
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध
रायपुर में
VARIAN HALCYON
भिलाई में
VARIAN UNIQUE
Deepak Ad./101
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से नि:शुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर
अवंति बाई चौक, पंडरी
9343079151, 91313 99570
भिलाई
टी.आई. मॉल के पास
7722880844, 0788-2294440

संजीवनी
कैंसर केयर हॉस्पिटल
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग
विशेषज्ञ सर्जनों की अत्यधिक अनुभवी टीम
डॉ अर्पण चतुरमोहता
MS, MCh, FIAGES
HOD, सर्जिकल डायरेक्टर, वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ. मौ रॉय
MBBS, MS, MCh
क्लिनिकल डायरेक्टर, वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ विवेक पटेल
MBBS, MS, MCh
वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ कल्याण पांडेय
MBBS, MS, MCh
वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ. अनिरुद्ध गुप्ता
MBBS, MS, MCh
सीनियर प्लास्टिक सर्जन
डॉ. विकास अग्रवाल
MBBS, DrNBN, PDF, FMAS, FISCP, MNAMS
वरिष्ठ कैंसर सर्जन
मरीजों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए पूर्ण NABH से मान्यता प्राप्त
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 04010, +917714081010, 4061010

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com